अधिकतम : 22° C
न्यूनतम : 11° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

हल्द्वानी, शनिवार 21 फरवरी 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 177 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन शुक्ल पक्ष 3 विक्रमी सम्वत् 2082 3 रमज़ान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

अमेरिका डील पर सरकार चुप्पी तोड़े और सच्चाई बताए: अखिलेश यादव पेज 2

श्रीलंका 'ए' महिला टीम को हराकर भारत 'ए' एशिया कप के फाइनल में खेल टाइम्स

युवा स्वर और मातृभाषा: युवाओं की आवाज बने आधार सम्पादकीय

सेना प्रमुख द्विवेदी ने ऑस्ट्रेलिया में सैन्य सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा पेज 12

तीसरा रोज़ा

तमाम बुराइयों पर लगाम लगाता है रोज़ा

मंजिल पर पहुंचना तब आसान हो जाता है जब राह सीधी हो। मजहबे इस्लाम में रोज़ा रहमत और राहत का रहबर है। रहमत से मुराद अल्लाह की मेहरबानी से है और राहत का मतलब दिल के सुकून से है। अल्लाह की रहमत होती है तभी दिल को सुकून मिलता है। दिल के सुकून का ताल्लुक चूंकि नेकी और नेक अमल से है। इसलिए जरूरी है कि आदमी नेकी के रास्ते पर चले। रोज़ा बुराइयों पर लगाम लगाता है और सीधी राह चलाता है।

संक्षिप्त समाचार

वंदे भारत पर पत्थर फेंकने वाले दो किशोर हिरासत में

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में वंदे भारत एक्सप्रेस 22489 पर गुरुवार दोपहर हुई पत्थरबाजी की घटना के मामले में आरपीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने दो नाबालिग बच्चों को हिरासत में लिया है। पूछताछ में दोनों ने हरदोई और कौड़ा स्टेशन के बीच कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के बलोखर रेलवे फाटक के पास शरारतवश पत्थर फेंकने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि पत्थर लगने से ट्रेन के सी-4 कोच में सीट नंबर 60-61 के पास खिड़की का शीशा टूट गया था। घटना के समय ट्रेन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी सवार थे, जिन्हें लखनऊ से मेरठ जाना था। उनके ट्रेन में होने के कारण सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गई थीं और मामले की जांच तेज कर दी गई थी।

विनोद जाखड़ बने एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बड़ा संगठनात्मक निर्णय लेते हुए विनोद जाखड़ को अपनी छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। इस संबंध में शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्णय की जानकारी दी गई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने विज्ञप्ति जारी करते हुए यह जानकारी दी है।

बंगाल एसआईआर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में निर्वाचन आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उपजे विवाद के मामले में सुनवाई की।

कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को कई अहम निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि एसआईआर के काम में लगाए गए सीजेएम को हटाकर पुराने जजों को तलाशें। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि न्यायिक अधिकारियों को राहत दें और पश्चिम बंगाल में एसआईआर के काम में सहायता के लिए पूर्व न्यायाधीशों को नियुक्त करने की दिशा में काम करें। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के लिए पर्याप्त 'ए' श्रेणी के अधिकारियों की नियुक्ति न करने का भी संज्ञान लिया। कोर्ट ने कहा कि जिन लोगों के नाम तार्किक विसंगति सूचीमें डाले गए हैं, उनके दावे और आपत्तियों का फैसला अब सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी करेंगे। कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा है कि वे इस काम के लिए न्यायिक अधिकारियों को उपलब्ध कराएं और जरूरत पड़े, तो पूर्व जजों को भी नियुक्त करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी इस काम में लगे सीजेएम (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) को हटाकर अन्य उपयुक्त न्यायिक अधिकारियों/पूर्व जजों को लगाया जाए।

कलकत्ता हाईकोर्ट से कहा: एसआईआर के काम में लगाए गए सीजेएम को हटाकर पुराने जजों को तलाशें

बाबर के नाम पर मस्जिद निर्माण पर रोक लगाने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अधिकारियों को भारत में कहीं भी बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर किसी भी मस्जिद के निर्माण या नामकरण की अनुमति देने से रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की खंडपीठ ने इस मामले पर विचार करने से इन्कार कर दिया। याचिकाकर्ता ने बाबर को 'आक्रमणकारी' बताते हुए तर्क दिया था कि उसके नाम पर किसी भी मस्जिद का निर्माण या नामकरण नहीं किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने चूंकि इस याचिका को स्वीकार करने से मना कर दिया, इसलिए याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली। इसके बाद खंड पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

शिवाजी जयंती पर हंगामा, कर्नाटक में जुलूस पर पथराव

बागलकोट/हैदराबाद। देशभर में 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। इस दौरान कुछ राज्यों से हंगामे की खबरें भी आईं। कर्नाटक के बागलकोट में शिवाजी जयंती पर निकाले जा रहे जुलूस के दौरान पथराव हुआ। इसके बाद तनाव की स्थिति बन गई। यहां भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 163 के लागू की गई। हैदराबाद में गुरुवार रात मस्जिद के सामने से जुलूस निकालने पर दो समुदाय के बीच विवाद की स्थिति बनी।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने किए ट्रम्प के ग्लोबल टैरिफ रद्द

अमेरिकी अदालत ने कहा: ये फैसला अवैध, राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं

वाशिंगटन, वार्ता

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ग्लोबल टैरिफ को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने ट्रम्प के दूसरे देशों पर लगाए गए टैरिफ को अवैध बताया है। साथ ही कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है। ये टैरिफ एक आपातकालीन शक्तियों वाले कानून के तहत लगाए गए थे। कोर्ट का यह फैसला ट्रम्प की आर्थिक नीतियों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। यह मामला ट्रम्प के एजेंडे का पहला बड़ा मुद्दा था, जो सीधे सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा। दरअसल, अप्रैल 2025 में ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए दुनिया के कई देशों से आने वाले सामान पर भारी टैरिफ यानी आयात शुल्क लगा दिए थे। टैरिफ का मतलब होता है कि किसी देश से आने वाले सामान पर ज्यादा टैक्स लगाया जाए, ताकि वह महंगा हो जाए और घरेलू कंपनियों को फायदा मिले। ट्रम्प ने पिछले साल अप्रैल में ग्लोबल टैरिफ का ऐलान किया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ट्रम्प के लगाए गए टैरिफ हट जाएंगे। अमेरिका को कंपनियों को पैसा वापस करना पड़ सकता है। दुनिया के देशों को अमेरिका में सामान बेचने में राहत मिलेगी। भारत, चीन और यूरोप के निर्यातकों को फायदा होगा। कई चीजें सस्ती हो सकती हैं। शेयर बाजारों में तेजी आ सकती है। दुनिया का व्यापार ज्यादा स्थिर हो सकता है। इस पूरे विवाद के केंद्र में एक कानून है, जिसका नाम इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) है। यह कानून 1977 में बनाया गया था। इसका मकसद यह था कि अगर देश पर कोई गंभीर खतरा जैसे युद्ध जैसी स्थिति, विदेशी दुश्मन से बड़ा आर्थिक खतरा या असाधारण अंतर्राष्ट्रीय संकट आए, तो राष्ट्रपति को कुछ खास शक्तियां दी जा सकें। इन शक्तियों के तहत राष्ट्रपति विदेशी लेन-देन पर रोक लगा सकता है, उन्हें नियंत्रित कर सकता है या कुछ आर्थिक फैसले तुरंत लागू कर सकता है। ट्रम्प ने टैरिफ लगाने के लिए आईईईपीए का ही सहारा लिया था। अब कोर्ट यह देखेगी कि क्या राष्ट्रपति को इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत इतने बड़े टैरिफ लगाने का अधिकार है या नहीं। पिछले साल नवम्बर में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प सरकार के टैरिफ लगाने के कानूनी आधार पर सवाल उठाए थे। उस दौरान जजों ने पूछा था कि क्या राष्ट्रपति को इस तरह के ग्लोबल टैरिफ लगाने का अधिकार है। कोर्ट ने इस मामले में लंबी सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प 150 दिनों तक 15 प्रतिशत टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन इसके लिए ठोस कारण चाहिए। फैसले में कहा गया कि आईईईपीए में टैरिफ शब्द का कहीं जिक्र नहीं है और न ही इसमें राष्ट्रपति के अधिकारों पर कोई स्पष्ट सीमा तय की गई है।

■ निचली अदालतों ने भी टैरिफ को गैरकानूनी दिया था करार

शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को होली का तोहफा

योगी ने की मानदेय बढ़ाने की घोषणा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में होली से पहले शिक्षामित्रों को बड़ा तोहफा देते हुए उनके मानदेय में बढ़ोतरी का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार रुपये और अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा। शिक्षकों को पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के समग्र विकास को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं को विस्तार से रखते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और डिजिटल क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालयों की ओर से 5000 से अधिक पेटेंट की फाइलिंग हुई है, जिनमें 300 से ज्यादा को स्वीकृति मिल चुकी है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले निजी विश्वविद्यालयों की स्वीकृति में 'पिक एंड चूज' की नीति अपनाई जाती थी, जबकि छह मंडलों में एक भी विश्वविद्यालय नहीं था। सरकार ने मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय की स्थापना की और अब सभी मंडलों में विश्वविद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। राज्य विश्वविद्यालयों के साथ निजी और विदेशी विश्वविद्यालयों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जहां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय नहीं हैं, वहां नए विद्यालय खोले जाएंगे। इसके लिए -शेष पृष्ठ दो पर

■ शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार रुपये व अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा: मुख्यमंत्री

एआई समिट में उग्र प्रदर्शन

यूथ कांग्रेस के 4 कार्यकर्ता हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एआई समिट में हुए विरोध प्रदर्शनों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पुलिस ने बिना शर्ट के विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में इंडियन यूथ कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है।

एडिशनल सीपी (नई दिल्ली) देवेश कुमार महला ने कहा कि एआई समिट में शर्टलेस विरोध प्रदर्शन करने वाले इंडियन यूथ कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है, और ऐसे प्रदर्शन में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के लिए बता दें कि भारत मंडपम के बाहर शुक्रवार को भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर अर्धनग्न होकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की।

■ गिरफ्तार सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी: पुलिस

दबाव में किया गया आत्मसमर्पण है ट्रेड डील: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को आत्मसमर्पण बताते हुए कहा है कि यह कदम देश हित को नजरअंदाज कर दबाव में उठाया गया है।

श्री गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि व्यापार समझौते पर संसद में अपने भाषण में मैंने जिउ जित्सु (जिउ-जित्सु एक जापानी मार्शल आर्ट है, जिसमें प्रतिद्वंद्वी की ताकत को उसी के खिलाफ इस्तेमाल करना होता है) का उदाहरण क्यों इस्तेमाल किया। उन्होंने सवाल किया कि आखिर अमेरिकियों को खुश करने के लिए हमारे किसानों की कुर्बानी क्यों दी गई और उसे -शेष पृष्ठ दो पर

मानहानि मामले में विशेष अदालत में पेश हुए राहुल गांधी

सुल्तानपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को सुलतानपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। उनके अधिवक्ता काशी शुक्ला के अनुसार, राहुल गांधी ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 के तहत दर्ज अपने बयान में सभी आरोपों से इंकार किया। उन्होंने अदालत को बताया कि यह मामला राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है और इसका कोई ठोस आधार नहीं है।

अब चिप से तय होगी भारत की नई उड़ान

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत सिलिकॉन जैसे महत्वपूर्ण दुर्लभ खनिजों की पूरी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को विविधीकृत और सशक्त बनाने के लिए अमेरिका की अगुवाई में गठित चुनिंदा देशों के गठबंधन 'पैक्स सिलिका' में शुक्रवार को औपचारिक रूप से शामिल हो गया। भारत ने कहा है कि इस पहल का उद्देश्य वैश्विक सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और लोकतांत्रिक रूप से संचालित करना है।

सिलिकॉन सेमीकंडक्टर और डिजिटल प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज है। यहां भारत मंडपम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के दौरान एक विशेष समारोह में भारत और अमेरिका की ओर से 'पैक्स सिलिका' घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए गए। गठबंधन में भारत का जुड़ाव दोनों देशों के बीच तकनीक एवं आर्थिक-रणनीतिक साझेदारी की दिशा में बड़ा कदम बताया गया है। हस्ताक्षर समारोह में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और भारत आए अमेरिका के आर्थिक मामलों के उप मंत्री जैकब हेलबर्ग मौजूद थे।

■ भारत दुर्लभ खनिजों पर अमेरिकी अगुवाई वाले 'पैक्स सिलिका' गठबंधन में हुआ शामिल

आपूर्ति को हथियार बनाने वालों का जवाब है पैक्स सिलिका : अमेरिकी मंत्री

नई दिल्ली। अमेरिका ने सिलिकॉन जैसे दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति की वैश्विक कड़ियों में विविधता और मजबूती लाने के लिए बने गठबंधन पैक्स सिलिका में भारत की सदस्यता को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि यह समझौता उन देशों को जवाब है, जो आपूर्ति को निर्भर देशों के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करते रहे हैं। भारत ने शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में अमेरिका के साथ पैक्स सिलिका पर हस्ताक्षर किए।

एआई का आयोजन अत्यंत प्रभावशाली पहल: शशि थरूर

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस के लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने एआई पर यहां आयोजित विश्व सम्मेलन को भारत की क्षमताओं का प्रभावशाली प्रदर्शन करार दिया और कहा कि इसमें विश्व के बड़े नेताओं की मौजूदगी एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर बड़ा संदेश देने वाली है।

उन्होंने राफेल सौदे का भी जिक्र किया और इसे रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि इसमें बड़ी बात यह है कि राफेल के कुछ हिस्सों का निर्माण भारत में होना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उनका कहना था कि राफेल मामले में वह सरकार का समर्थन करते हैं। श्री थारूर ने शुक्रवार को यहां भारत मंडपम में पत्रकारों से कहा कि एआई सम्मेलन के शुरुआती दिन बेहद सफल रहे हैं। कुछ छोटी-मोटी दिक्कतें आईं, लेकिन बड़े आयोजनों में ऐसा होना आम बात है। विभिन्न मुल्कों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य विश्व नेताओं की मौजूदगी इस आयोजन में अत्यंत प्रभावशाली रही है। सम्मेलन में एआई की विकास यात्रा में दुनिया के नेता एकीकृत विश्व की कल्पना करते हुए एक ऐसा सशक्त संदेश लेकर आए हैं, जहां समाज पर इसके प्रभावों को देखना सर्वोपरि होगा। भारत की इस क्षेत्र में बढ़ती रुचि ने स्पष्ट रूप से इस पहल को गति दी है। राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर एक सवाल पर उन्होंने कहा कि जहां तक फ्रांसीसी राफेल की बात है, इसके कुछ हिस्से भारत में निर्मित हो रहे हैं और यह समझौते का एक बहुत महत्वपूर्ण पहलू है, क्योंकि यह हमारी रक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ रक्षा क्षेत्र में हमारी आत्मनिर्भरता को भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए रक्षा सौदा इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि हम युद्ध करना चाहते हैं, बल्कि इसमें महत्वपूर्ण यह है कि हम नहीं चाहते कि कोई हमें कमजोर समझे। यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण रक्षात्मक पहल है और मैं इस मामले में सरकार का समर्थन करता हूं।

कांग्रेस के लोकसभा सदस्य ने फ्रांस के साथ राफेल सौदे को लेकर किया केंद्र सरकार का समर्थन

संक्षिप्त समाचार

मोदी, बिरला, खड़गे, राहुल ने सिगकॉन के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिलांग से लोकसभा सदस्य डा. रिकी एजे सिगकॉन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मोदी ने शुक्रवार को सिगकॉन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर अपने शोक संदेश में लिखा डा. रिकी एजे सिगकॉन के निधन से दुखी हूं। उन्हें मेघालय के लोगों के लिए उनकी समर्पित सेवा के लिए याद किया जाएगा। इस मुश्किल समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों के साथ हैं।

क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज करेंगे ताज का दीदार

आगरा। क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविक 21 फरवरी शनिवार को अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ ताजमहल के दीदार के लिए आगरा पहुंचेंगे। उनके आगमन को देखते हुए ताजमहल को आम पर्यटकों के लिए करीब तीन घंटे तक बंद रखा जाएगा। दोपहर लगभग 12 बजे से तीन बजे तक स्मारक में सामान्य पर्यटकों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री दिल्ली से यमुना एक्सप्रेस वे के रास्ते आगरा पहुंचेंगे और लगभग 12 बजे एक निजी होटल में ठहरेंगे, जहां भारतीय परंपरा के अनुसार सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ उनका स्वागत किया जाएगा। अल्प विश्राम के बाद वह करीब एक बजे ताजमहल पहुंचेंगे और अपने परिवार के साथ लगभग डेढ़ घंटा वहां व्यतीत करेंगे। ताजमहल भ्रमण के बाद प्रधानमंत्री होटल लौटकर दोपहर का भोजन करेंगे।

अमेरिका डील पर सरकार चुप्पी तोड़े और सच्चाई बताए: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अमे. रिका के साथ हुई डील को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते को लेकर सरकार की चुप्पी कई संदेह पैदा कर रही है और स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए।

यादव ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, क्या डील ने मुंह पर सील लगा दी है। या तो सरकार बताए कि इस डील में क्या शर्तें तय हुई हैं या फिर बाहरी हस्तक्षेप के दावों को स्पष्ट रूप से खारिज करे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार देश की संप्रभुता और आर्थिक हितों से जुड़े मुद्दों पर

पारदर्शिता नहीं बरत रही है। उन्होंने कहा कि इस डील से किसानों, कारोबारियों, मजदूरों और छोटे-बड़े उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यदि खेती और उद्योग प्रभावित होंगे, तो रोजगार के अवसर कम होंगे और युवाओं का भविष्य असुरक्षित हो जाएगा। सपा प्रमुख ने इसे देश के सम्मान से जुड़ा विषय बताते हुए केंद्र सरकार से तत्काल स्पष्टीकरण देने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि इस डील से भारत के आर्थिक हितों और आत्मनिर्भरता पर क्या असर पड़ेगा।

अखिलेश ने मां शीतला देवी के दरबार में लगाई हाजिरी

कौशांबी। अखिलेश यादव शुक्रवार दोपहर बाद मां शीतला देवी के दर्शन के लिए शक्तिपीठ कड़ा धाम पहुंचे। रास्ते में देवीगंज बाजार में मोबीन अहमद के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। उत्साहित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे सरकार:माता प्रसाद

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ बढ़ते कर्ज, कंसोलिडेटेड फंड और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार बहस हुई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में प्रदेश पर बढ़ते कर्ज, कंसोलिडेटेड फंड और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार बहस हुई। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सरकार को वित्तीय प्रबंधन और जनसेवाओं के मुद्दे पर घेरा, जिस पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने जवाब दिया।

माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि प्रदेश पर नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज हो चुका है और सरकार इस मुद्दे से बचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट बनाते समय वास्तविक स्थिति को स्पष्ट नहीं किया जा रहा। इस पर सुरेश खन्ना ने शुरुआत में आपत्ति जताई, हालांकि बाद में कर्ज के आंकड़े को स्वीकार किया। नेता प्रतिपक्ष ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि जिला अस्पतालों से मरीजों को मेडिकल कॉलेजों और बड़े संस्थानों में रेफर करने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग जीवन-मरण से जुड़ा विषय है, इसलिए यहां संविदा और आउटसोर्सिंग पर कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में एक हजार लोगों पर केवल 0-37 डॉक्टर उपलब्ध हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानक एक हजार पर एक डॉक्टर का है। जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में दवाओं की कमी और विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपलब्धता भी उन्होंने प्रमुख समस्या बताई। पांडेय ने कहा कि यदि जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज ठीक से कार्य करें तो मरीजों को लखनऊ के बड़े संस्थानों, जैसे संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, में रेफर करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने आयुष्मान योजना की जांच कराने और स्वास्थ्य विभाग को ष्दलालों से बचानेष की भी मांग की। प्रतिव्यक्ति आय और विकास के मुद्दे पर भी विपक्ष ने सरकार को घेरा। माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सरकार आंकड़ों से खेल रही है और वास्तविक स्थिति को छिपा रही है। उन्होंने समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यों का उल्लेख करते हुए लखनऊ के इकाना स्टेडियम, लोक भवन, पुलिस मुख्यालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय परिसर के विकास कार्यों को गिनाया। उन्होंने चुनौती दी कि वर्तमान सरकार एक्सप्रेसवे के अलावा कोई बड़ा विकास कार्य गिनाए। साथ ही कई विभागों में पूरा बजट खर्च न होने और केंद्र से मिलने वाले कर हिस्से में कमी आने का मुद्दा भी उठाया। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से आलोचना छोड़कर जनहित के मुद्दों पर ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए सदन के सभी सदस्यों का अभिनंदन

योगी ने विस में गिनाई सरकार की उपलब्धियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं को विस्तार से रखा, विपक्ष पर भी तीखा हमला बोला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की आर्थिक उपलब्धियों और विकास योजनाओं को विस्तार से रखा। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें शिवपाल सिंह यादव का 'श्राप' न लगे। साथ ही उन्होंने लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए सदन के सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह बजट कई मायनों में ऐतिहासिक है, क्योंकि पहली बार कोई मुख्यमंत्री दसवीं बार बजट पेश कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार कर्ज के अनुपात को घटाकर 27 प्रतिशत से 23 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। राज्य की आय में बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में सरकारी आय लगभग 43 हजार करोड़ रुपये थी, जो अब बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि भारत तभी विकसित होगा, जब उसके राज्य विकसित होंगे और उत्तर प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पहले उत्तर प्रदेश को देश के पिछड़े राज्यों में गिना जाता था, लेकिन अब प्रदेश देश के शीर्ष तीन राज्यों में शामिल है। उन्होंने लक्ष्य रखा कि वर्ष 2026-27 तक प्रदेश की जीडीपी 40 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचाई जाएगी। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समा. जवादी पार्टी के शासनकाल में प्रदेश की छवि इतनी खराब हो गई थी कि बाहर से आने वाले लोगों को होटल में कमरे तक नहीं मिलते थे। लेकिन आज उत्तर प्रदेश के लोगों को देशभर में सम्मान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में जब उनकी सरकार बनी, तब किसानों की कर्ज माफी की घोषणा के बावजूद कहीं से आर्थिक सहयोग नहीं मिल रहा था, क्योंकि प्रदेश की छवि खराब थी। उन्होंने कहा कि उस समय प्रदेश का खजाना खाली था, लेकिन सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाकर और सरकारी धन के लीकेज को रोक. कर वित्तीय स्थिति सुधारी। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश ने भारतीय रिजर्व बैंक की गाइडलाइंस का पूरी तरह पालन किया है। वर्ष 2026 में प्रदेश का पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) बढ़कर 1 लाख 77 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं, जो रोजगार सृजन और आर्थिक विकास की मजबूत आधारशिला हैं।

जब बजट का समुचित उपयोग नहीं, तो बजट प्रस्तुत करना मात्र दिखावा: कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस ने बड़े बजट के बावजूद खर्च में कथित ढिलाई को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जब बजट का समुचित उपयोग ही नहीं किया जा रहा तो बड़ा बजट प्रस्तुत करने का दावा महज दिखावा है। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने शुक्रवार को बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि बजट का आकार बढ़ाना और आंकड़ों की गिनती बढ़ाना विकास का प्रमाण नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और ग्राम विकास जैसे अहम विभागों में आवंटित धनराशि का पूरा उपयोग नहीं कर पा रही है। उन्होंने आउटसोर्सिंग के माध्यम से दी जा रही नौकरियों को युवाओं के साथ धोखा बताते हुए कहा कि इससे उनके भविष्य पर अनिश्चितता छा जाती है। कांग्रेस ने सरकार से स्थाई नौकरी और सम्मानजनक वेतन की ठोस नीति बनाने की मांग की है।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय पर सरकार ने दी सफाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ विधानसभा में विपक्ष ने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय पर सवाल खड़े किए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में शुक्रवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय पर सवाल खड़े किए गए। इसको लेकर सरकार ने अपनी तरफ से जवाब दिया।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही समाजवादी पार्टी की विधायक रागिनी सोनकर ने श्रम एवं रोजगार मंत्री से पहला सवाल किया। उन्होंने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि का मुद्दा उठाते हुए कहा कि उन्हें सरकारी कर्मचारियों के बराबर वेतन दिया जाना चाहिए। इस पर श्रम एवं रोजगार मंत्री अनिल राजभर ने जवाब देते हुए कहा कि निविदा में कार्य अवधि पहले से निर्धारित होती है। कंपनियां बदल सकती हैं, लेकिन कर्मियों को नहीं बदला जाता। उन्होंने बताया कि इस संबंध में 2009 और 2016 के आदेश लागू हैं और वर्तमान सरकार ने इसमें कोई नया निर्णय नहीं लिया है। इसके बाद सपा विधायक आरके वर्मा ने महंगाई का मुद्दा उठाते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कविता के माध्यम से तंज कसते हुए कहा कि तेल की बोतल पूछ रही है ये पहले तुम ही खरीदते थे मुझे आज क्यों सोच रहे हो।ष उन्होंने आरोप लगाया कि आलू किसान परेशान हैं जबकि बिचौलिए मालामाल हो रहे हैं। मंत्री ने जवाब में कहा कि राज्य सरकार केवल केंद्र सरकार को रिपोर्ट भेज सकती है।

सेंसेक्स 82814.71
निफ्टी 25571.25

सोना 152000
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 237000
प्रति किलो

गिरावट से उबरा शेयर बाजार आईटी कंपनियों में गिरावट

मुंबई, वार्ता

बैंकिंग और धातु सेक्टरों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी लौट आई, हालांकि आईटी सेक्टर की कंपनियों पर दबाव देखा गया। बीएसई का सेंसेक्स 316.57 अंक (0.38 प्रतिशत) चढ़कर 82,814.71 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 116.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत ऊपर 25,571.25 अंक पर बंद हुआ।

पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों सूचकांक डेढ़ प्रतिशत के करीब टूटे थे। मझौली कंपनियों में आज लिवाली ज्यादा हुई, जबकि छोटी कंपनियों में बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप.50 सूचकांक 0.40 प्रतिशत चढ़ गया जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.11 प्रतिशत की गिरावट रही। बैंकिंग, धातु, एफएमसीजी, ऑटो, तेल एवं गैस, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियलटी और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। आईटी और मीडिया समूहों में गिरावट रही। सेंसेक्स की

कंपनियों में एनटीपीसी का शेयर पौने तीन फीसदी चढ़ गया। एलएंडटी में सवा दो प्रतिशत की तेजी रही। हिंदुस्तान यूनीलिवर, बजाज फाइनेंस, पावरग्रिड, टाटा स्टील, बीईएल और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर एक से दो प्रतिशत की बढ़त में रहे। टाइटन, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंडिगो, एशियन पेंट्स, सनफार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट और आईटीसी में भी तेजी रही। क्वालिटी वॉल का शेयर साढ़े तीन फीसदी गिर गया। टेक महिंद्रा, इंफोसिस और इटरनल में एक से दो प्रतिशत की गिरावट रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी टूट गए।

विदेशी मुद्रा भंडार 8.66 अरब डॉलर बढ़कर पहली बार 725 अरब डॉलर के पार

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 8.663 अरब डॉलर बढ़कर 725.727 अरब डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा का देश का भंडार पहली बार 725 अरब डॉलर के पार गया है। इससे पहले 06 फरवरी को समाप्त सप्ताह में यह 6.71 अरब डॉलर घटकर 717.064 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 3.55 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और शुक्रवार को यह 573.603 अरब डॉलर रहा। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी एन, ब्रितानी पाउंड और यूरो भी शामिल हैं। इनके मूल्य का निर्धारण डॉलर की तुलना में संदर्भ दर के आधार पर होता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार भी 4.99 अरब डॉलर बढ़कर 128.466 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.9 करोड़ डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 10.3 करोड़ डॉलर बढ़कर क्रमश: 4.734 अरब डॉलर और 18.924 अरब डॉलर हो गया। विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में चीन, जापान, यूरोप और रूस के बाद भारत पांचवें स्थान पर है।

शिवराज ने अरहर, उड़द और मसूर की पैदावार बढ़ाने पर पर चर्चा की

नई दिल्ली, वार्ता

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को अरहर, उड़द और मसूर जैसी प्रमुख दलहनी फसलों की पैदावार को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित छह वर्षीय 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' पर अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की।

चौहान ने कहा कि किसानों को बिचौलियों से मुक्त कर सीधे सरकारी खरीद प्रणाली से जोड़ना सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्यों के साथ समन्वय मजबूत हो और खरीद, भंडारण को और अधिक चाक चौबंद बनाया जाए, जिससे बाजार में मूल्य स्थिरता बनी रहे और किसानों के हितों की रक्षा हो सके बैठक में विशेष रूप से अरहर, उड़द और मसूर जैसी प्रमुख दालों की पैदावार बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित छह वर्षीय 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' पर गहन चर्चा हुई। इस मिशन के तहत उन्नत बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, तकनीकी सहयोग बढ़ाने और एक बेहतर मार्केटिंग तंत्र विकसित करने की योजना तैयार की गई है।

सरकार का लक्ष्य दलहन पैदावार में देश को आत्मनिर्भर बनाकर आयात पर निर्भरता कम करना और किसानों की आय में स्थाई वृद्धि सुनिश्चित करना है। कृषि मंत्री ने मूल्य समर्थन योजना और मूल्य स्थिरीकरण निधि के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए राज्यों के साथ बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को कहा खरीद केंद्रों पर किसानों के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं हों ताकि उन्हें फसल बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही, भंडारण व्यवस्था अधिक प्रभावी बनाने की बात कही गई, ताकि बाजार में कीमतों में स्थिरता बनी रहे और किसानों के आर्थिक हितों की रक्षा की जा सके।

स्कूलों-कॉलेजों के सिलेबस में होगा बड़ा बदलाव

आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव का बड़ा ऐलान

प्रथम पृष्ठ के शेष...

शिक्षामित्रों...

580 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि सपा शासनकाल में ड्रॉप आउट रेट लगभग छह प्रतिशत था, जिसे घटाकर 0.3 प्रतिशत तक लाया गया है। आठ हजार न्याय पंचायतों तक कंपोजिट विद्यालय ले जाने का लक्ष्य है, जहां एक ही छत के नीचे 12वीं तक की पढ़ाई और कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध होगा।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में शौचालय और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने से बच्चियों का स्कूल छोड़ना कम हुआ है। प्रदेश भर में बच्चों को ड्रेस, जूते और बैग देने की व्यवस्था की गई है, जिसमें किसी जाति या मजहब के आधार पर भेदभाव नहीं किया गया। योगी ने डिजिटल एन्टरप्रेन्योर योजना की घोषणा करते हुए कहा कि गांवों में आठ हजार डिजिटल उद्यमी स्थापित किए जाएंगे, जिनमें 50 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिए होगा। साथ ही महिला उद्यमी विपणन उद्योग केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का है और यूपी सरकार युवाओं को मुफ्त एआई टूल उपलब्ध कराएगी। 2030 तक पांच गीगावॉट क्षमता का डाटा सेंटर क्लस्टर विकसित करने की योजना है। लखनऊ और आसपास के जिलों को स्टेट कैपिटल रीजन तथा काशी-मिर्जापुर (विध्याचल) क्षेत्र को इकोनॉमिक जोन के रूप में विकसित किया जाएगा।

दबाव में...

हमारे तेल आयात तय करने की इजाजत देकर भारत की ऊर्जा सुरक्षा से समझौता क्यों किया गया? बिना किसी पारस्परिक वादे के, हर साल 100 अरब डॉलर का अमेरिकी आयात बढ़ाने पर सहमति क्यों दी गई? कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने यह क्यों कहा कि यह समझौता भारत को एक डेटा कॉलोनी (जहां किसी देश का नियंत्रण विदेशी शक्ति के पास हो) बना सकता है? श्री मोदी ऐसा समझौता क्यों मानेंगे?, जिसमें भारत इतना कुछ दे रहा और बदले में बहुत कम मिलता दिख रहा है। श्री गांधी ने इसे शर्मनाक स्थिति बताया और कहा कि इस आत्मसमर्पण का रहस्य प्रधानमंत्री पर डाले गए ग्रिप्स या पकड़ और चोक्स या गला घोंटने वाली स्थिति में छिपा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि आखिर श्री मोदी ऐसे समझौते पर क्यों सहमत हुए, जिसमें भारत इतना कुछ देता है और बदले में इतना कम मिलता है। उन्होंने इसे आत्मसमर्पण बताया और कहा कि इस घोर आत्मसमर्पण का कारण प्रधानमंत्री पर बनाए गए 'दबाव' में निहित है।

एआई समिट में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन शर्मनाक: खंडेलवाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने यहां भारत मंडपम में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) समिट में शुक्रवार को युवा कांग्रेस के प्रदर्शन को शर्मनाक करार दिया है। खंडेलवाल ने संवाददाताओं से कहा कि जब देश एआई, नवाचार और भारत के तकनीकी भविष्य पर मंथन कर रहा था, उस समय इस प्रकार का भद्दा और ध्यान आकर्षित करने वाला 'नग्न प्रदर्शन' करना देश की गरिमा को ठेस पहुंच. ाने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह आचरण उस दिवालिया मानसिकता को उजागर करता है, जो आज कांग्रेस की पहचान बन चुकी है। विचार, नीति विकल्प और सार्थक बहस प्रस्तुत करने के बजाय कांग्रेस केवल नाटक, उकसावे और अव्यवस्था फैलाने की राजनीति कर रही है। यह व्यवहार न केवल राजनीतिक हताशा दर्शाता है, बल्कि देश के युवाओं की आकांक्षाओं से पूर्णत: कटे होने का प्रमाण भी है। उन्होंने कहा कि लगातार चुनावी पराजयों के बावजूद कांग्रेस ने आत्ममंथन नहीं किया है। श्री राहुल गांधी के विफल और अप्रभावी नेतृत्व में कांग्रेस ने रचनात्मक विपक्ष की भूमिका छोड़कर केवल प्रदर्शन और सनसनी की राजनीति को अपनाया है। खंडेलवाल ने कहा कि भारत का युवा अवसर, नवाचार और वैश्विक नेतृत्व चाहता है, इस तरह का आचरण नहीं। एआई समिट भारत की तकनीकी क्षमता और वैश्विक दृष्टि को प्रस्तुत करने का मंच थाद्ध इसे बाधित करने का प्रयास राष्ट्रीय प्रगति का अपमान है।

गोयल ने किया निर्यात संवर्धन मिशन का शुभारंभ

■ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा- एफटीए से विश्व के बड़े बाजारों में प्रवेश आसान

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सूक्ष्म, लघु और मझोले वर्ग के उद्यमों (एमएसएमई) के निर्यात को बढ़ावा देने और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए मजबूत करने के लिए शुक्रवार को निर्यात संवर्धन मिशन का शुभारंभ किया।

हाल के व्यापार समझौतों में भारतीय निर्यातकों के लिए वैश्विक जीडीपी में 70 प्रतिशत योगदान कर रहे देशों में भारतीय माल को वरीयता के आधार पर प्रवेश की सुविधा की गई है। उन्होंने इस मिशन के तहत सात अतिरिक्त समाधानों को शुरू किए जाने की घोषणा की, जो देश के निर्यातकों के सामने कर्ज की समस्या, विद. शी बाजारों में विस्तार के लिए मानकों आदि की चुनौतियों से निपटने तथा लॉजिस्टिक्स आदि की समस्या से निपटने में मदद करने के लिए हैं। इसके लिए वाणिज्य भवन में निर्यात इकाइयों के साथ आयोजित कार्यक्रम में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल भी इस अवसर पर उपस्थित थे। गोयल ने कहा कि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के बढ़ते नेटवर्क ने भारतीय निर्यातकों के लिए विश्व स्तर पर बड़ी संख्या में बाजारों का रास्ता आसान किया है। उन्होंने कहा कि अब तक अमे. रिका के साथ हुए अंतरिम समझौतों समेत नौ समझौतों में शामिल देश सकल वैश्विक उत्पाद में लगभग 70 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार में दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि ये समझौते 38 विकसित और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों के बाजार में हर उस वस्तु के मामले में भारतीय निर्यातकों को वरीयता के आधार पर प्रवेश दिलाते हैं जिनका वहां आयात किया जाता है।

भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं को 'सनातन' की ट्रेनिंग देने की तैयारी

लखनऊ। कांग्रेस समेत अन्य दलों को छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं को अब सीधे संगठन में जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। पार्टी ने तय किया है कि ऐसे नेताओं को पहले 'सनातन प्रशिक्षण' से गुजरना होगा। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद ही उन्हें पार्टी की मुख्यधारा में सक्रिय भूमिका दी जाएगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार इस प्रशिक्षण में पार्टी की रीति-नीति, कार्य संस्कृति, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की विचारधारा से विस्तार से अवगत कराया जाएगा। उद्देश्य यह है कि अन्य दलों से आए नेता संगठन की विचारधारा को आत्मसात कर सकें और चुनावी रणनीति में प्रभावी भूमिका निभा सकें। पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस व अन्य दलों से बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए थे। पार्टी का दावा था कि ऐसे नेताओं की संख्या 20 हजार से अधिक रही। अब भाजपा इन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव में विपक्ष के खिलाफ एक मजबूत राजनीतिक आधार के रूप में तैयार करना चाहती है। पार्टी की रणनीति है कि इन नेताओं के माध्यम से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं को भाजपा से जोड़ा जाए और संगठन का दायरा बूथ स्तर तक मजबूत किया जाए।

उत्तराखण्ड शासन

वसंतोत्सव

27-28 फरवरी एवं 01 मार्च, 2026
लोक भवन, देहरादून

पुष्प प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता

ले ज गुरमीत सिंह
पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (से नि)
राज्यपाल, उत्तराखण्ड

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

Theme: Floral Healing: Nature's Path to Well-being

सोशल मीडिया पर जुड़ें #FlowerShowUK2026 #ColoursOfSpring2026 #वसंतोत्सव2026

दर्शकों के लिए समय: 27 फरवरी, 2026 को अपराह्न 01:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक
28 फरवरी एवं 01 मार्च, 2026 को प्रातः 09:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक (प्रवेश निःशुल्क)

मुख्य आकर्षण : ट्यूलिप | कट फ्लावर्स | जैविक शहद | भोजपत्र पर डाक कवर | सांस्कृतिक कार्यक्रम | विभिन्न प्रतियोगिताएं | पर्वतीय उत्पाद

माननीय राज्यपाल महोदय की प्रेरणा से विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी वसंतोत्सव का आयोजन लोक भवन, देहरादून के प्रांगण में दिनांक 27-28 फरवरी एवं 01 मार्च, 2026 को उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा किया जा रहा है, जिसमें पुष्प प्रदर्शनी के साथ-साथ विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है:-

Name of Categories	Name of Sub Categories
A. Cut Flower competition (including commercial/hobbyist) (72 Prizes)	
1. Traditional Areas (42 Prizes) **(US Nagar, Nainital, Haridwar & Dehradun Districts)**	Gerbera Red Group, Gerbera Yellow Group, Gerbera White Group, Gerbera Others Group, Carnation, Rose, Gladiolus Red Group, Gladiolus White Group, Gladiolus Others Group, Orchid, Marigold, Chrysanthemum, Lilium and Any other. [20-30 sticks of each variety will be treated as one entry except Rose, Orchid, Lilium where 03-05 sticks per variety will be treated as one entry]
2. Non Traditional Areas (24 Prizes) **(09 Hill Districts)**	Carnation, Rose, Gladiolus, Gerbera, Marigold, Orchid, Lilium, and Any other. (10-20 sticks of each variety will be treated as one entry except Rose, Orchid & Lilium where 03-05 sticks per variety will be treated as one entry)
3.Cut Flowers Competition for Specially abled persons (Any Cut Flower) (03 Prize)	Any Cut Flower (10-20 sticks of each variety will be treated as one entry except Rose, Orchid & Lilium where 03-05 sticks per variety will be treated as one entry)
4.Cut Flowers Competition for Women Flower Growers (Any cut Flower) (03 Prize)	Any Cut Flower (10-20 sticks of each variety will be treated as one entry except Rose, Orchid & Lilium where 03-05 sticks per variety will be treated as one entry)
B. Potted Plant arrangement (12 Prizes)	
(i) Private Nurseries	
a) Small upto 0.50 acre	Combination of all varieties (Minimum 15 potted plants in each will be considered as one entry)
b) Large above 0.50 acre	Combination of all varieties (Minimum 25 potted plants in each will be considered as one entry)
(ii) Hobbyists	Combination of all varieties (Minimum 10 potted plants in each will be considered as one entry)
(iii) Central & State Govt./Private Institution	Combination of all varieties (Minimum 25 potted plants in each will be considered as one entry)
C. Loose Flower arrangement (12 Prizes) (Enthusiasts/Hobbyists including Gardeners/ Individual/Group)	(i) Fresh Flowers (ii) Dry Flowers (iii) Bouquets (iv) Garlands.
D. Potted Plants other than flowers (06 Prizes)	1- Potted Plants (Fruits) 2- Potted Plants (Foliage) (Group of 3 pots of each variety as one entry)
E. Vegetables (09 Prizes)	1- Vegetables (Any Commonly Grown Vegetables) 2- Leafy vegetables (Spinach, Rai, Bathua, Methi, Swiss Chard etc.) 3- Exotic vegetables (Celery, Parsley, Red Cabbage, Zucchini, Brussel's Sprout etc.) (Group of 3 pots of each variety as one entry)
F. Cacti & Succulents, (03 Prizes)	1- Cacti and succulents (Group of 3 pots will be considered as one entry)
G. Bonsai (06 Prizes)	(i) Commercial Fruit Trees, (ii) Forest Trees (Group of 3 tree pots will be considered as one entry)
H. Terrarium (03 Prizes)	(i) Terrarium (One Terrarium as one Entry)
I. Hanging pots (03 Prizes)	(i) Hanging Pots (Arrangements of three pots as single entry)
J. Soil-less/Hydroponic Cultivation Technology Demonstration (03 Prizes)	(I) Soil-less/Hydroponic Cultivation Technology Demonstration
K. Pots for Gardening (03 Prizes)	Pots of any size. (03 pots of any size will be considered as one entry)
L. Honey (09 Prizes)	(i) Apis Cerana Himalayan Honey. (ii) Wild Forest Honey. (iii) Monofloral Honey (500 gm bottle/Jar as one entry)
M. On the spot photography (03 Prizes)	Any **two** best pictures (size- 6" x 8") of Plants/Plant parts/Flowers/Bunches etc. clicked on 27th February, 2026 at Lok Bhawan and displayed upto 11:00 am on 28th February, 2026.
N. Fresh Petal Rangoli (03 Prizes)	The participants for individuals above 12 years of age will bring fresh flower petals. The competition will be held on 27th February, 2026 from 09:00 am to 2:00 pm. Each participant will be given two hours to complete rangoli on 1 X 1 mtr Ply Board.
O. Painting competition for School children, specially abled children and street children/rag pickers (18 Prizes)	(i) Children of age between 5 to 12 years. (ii) Children of age between 12 to 18 years. (iii) Specially abled- Visually challenged (iv) Specially abled- Mentally challenged. (v) Specially abled- Hearing and speech impaired. (vi) Street children / rag pickers. (The participants will bring their own colors, sheets will be provided by the Department. Competition will held on 27th February, 2026 from 09:00 am to 02:00 pm.)
Postal Stamp competition organized by Postal Department, Dehradun.	

* वसंतोत्सव-2026 में स्टॉल के माध्यम से व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने हेतु इच्छुक निजी फर्मों/कम्पनियों को शुल्क के रूप में ₹ 11000/- व एन०जी०ओ० से ₹ 6000/- एवं एस०एच०जी० से ₹ 3000/- की धनराशि देय होगी। स्टॉल के माध्यम से पुष्प एवं औद्यानिकी से संबंधित गतिविधियां संचालित करने वाली फर्मों/ कम्पनियों/एन०जी०ओ०/एस०एच०जी०/स्टार्ट अप्स (Startups) व महिला समूहों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।
* वसंतोत्सव-2026 में प्रादेशिक विभागों/केन्द्रीय विभागों/संस्थानों/कृषि विश्वविद्यालयों आदि द्वारा संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों/तकनीकी का प्रदर्शन अपने-अपने स्टॉल के माध्यम से किया जाएगा।
* वसंतोत्सव-2026 में विभिन्न संस्थाओं/फर्मों, एन०जी०ओ० तथा महिला स्वयं सहायता समूहों आदि द्वारा भी अपने उत्पादों के प्रदर्शन/बिक्री हेतु स्टॉल लगाए जाएंगे।
* प्रतियोगी अपने प्रदर्शों तथा संबंधित विभाग अपने स्टॉल को दिनांक 27 फरवरी, 2026 को प्रातः 10:00 बजे तक निर्धारित स्थान पर तैयार कर लें, इसके बाद अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 27 फरवरी, 2026 को प्रातः 10:00 बजे किया जाएगा। इसके पश्चात आम जनता के लिए प्रदर्शनी अपराह्न 01:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक तथा दिनांक 28 फरवरी एवं 01 मार्च, 2026 को प्रातः 09:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक खुली रहेगी।
* प्रदर्शनी में आगन्तुक पुष्प प्रेमी/फोटोग्राफर द्वारा स्वयं लिए गए पुष्पों के फोटोग्राफ पर आधारित फोटो प्रदर्शनी, आर्ट गैलरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा आम जनता हेतु आयोजन स्थल के नजदीक फूडकोर्ट की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें विभिन्न प्रकार के व्यंजन उपलब्ध होंगे।

अतः प्रदेश के समस्त सम्मानित नागरिकों एवं पुष्प प्रेमियों से अनुरोध है कि दिनांक 27-28 फरवरी व 01 मार्च, 2026 को उपरोक्तानुसार निर्धारित समय के अनुसार लोक भवन, देहरादून में अधिकाधिक संख्या में पधारकर पुष्प प्रदर्शनी का लाभ उठाएं। प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी दिनांक 20 फरवरी, 2026 से आवेदन पत्र (Entry Form) निम्न पते पर निःशुल्क प्राप्त कर उसी पते पर जमा कर सकते हैं। पंजीकरण दिनांक 27 फरवरी, 2026 को प्रातः 10:00 बजे तक ही किए जाएंगे तथा मात्र "ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी" कैटेगरी हेतु पंजीकरण दिनांक 27.02.2026 को अपराह्न 01:00 बजे तक किया जाएगा।

Entry Form प्राप्त एवं जमा करने का पता:-

1. कार्यालय-मुख्य उद्यान अधिकारी, विकास भवन, सर्वे चौक, देहरादून
मो०- 9412027820 / 8279494638

2. कार्यालय-निदेशक, उद्यान/अपर निदेशक, उद्यान, राजकीय उद्यान, सर्किट हाउस, देहरादून
दूरभाष: 0135-2757814

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

सल्ट के पास सड़क हादसा

बेकाबू होकर पिकअप खाई में गिरी, पांच लोग घायल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। विकासखंड सल्ट में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शुक्रवार सुबह डोटियाल से सराईखेत मार्ग पर लमखाल के पास एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर लगभग 50 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें हायर सेंटर रेरर किया गया। मिली जानकारी अनुसार डोटियाल से करीब एक किलोमीटर आगे सड़क की हालत बेहद खराब है। इसी दौरान सामने से आ रही एक बस को पास देने के प्रयास में पिकअप वाहन का टायर एक गहरे गड्ढे में जाने से चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और पिकअप सीधे खाई में समा गई। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए

घायलों को खाई से बाहर निकाला पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस ने हादसे में चालक साकम सिंह (35) निवासी सराईखेत, राजेंद्र सिंह (36) निवासी केलाखेड़ा ऊधमसिंह नगर, सुभाष (19) निवासी नेपाल, चंद्रसेन (41) निवासी फतेहपुर बिजनौर यूपी और विजेंद्र सिंह (36) निवासी हिदायतपुर बिजनौर यूपी को प्राथमिक उपचार के लिए साम. ुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवायल भेजा। जहां डाक्टरों ने घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। जबकि वाहन से छिटकने से चंदन सिंह निवासी नेपाल और मो. बिन निवासी सवालदेव रामनगर बच गए। इधर, घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम सल्ट रिंकू बिष्ट समेत अन्य अधिकारियों ने अस्पताल पहुंच घायलों की जानकारी ली।

बाजार में गश्त बढ़ाने की मांग

अल्मोड़ा। देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने शुक्रवार को नवनियुक्त एसएसपी चंद्रशेखर घोडके से मुलाकात की। इस दौरान तमाम समस्याओं को लेकर व्यापारियों ने ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि होली और रमजान जैसे पवित्र त्योहार निकट हैं। सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा अपनी सांस्कृतिक सौहार्द परंपरा के लिए जाना जाता है। दोनों पर्व एक साथ होने के कारण असामाजिक तत्वों द्वारा माहौल बिगाड़ने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में त्योहारी सीजन में शहर में पुलिस गश्त बढ़ाने, मंदिरों व पार्कों में सघन चेकिंग अभियान चलाने समेत कई मांगों को रखा। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष मनोज सिंह पवार, नगर अध्यक्ष संजय साह 'रिक्खू', महिला जिला उपाध्यक्ष वंदना वर्मा, कार्यकारी जिलाध्यक्ष प्रमोद पवार, मनु गुप्ता, दीप चंद्र जोशी, नीरज थापा, हिमांशु बिष्ट, हिमांशु काण्डपाल, कमल बिष्ट, गणेश जोशी, हरि कृष्ण खत्री, सुधीर गुप्ता, मनीष मल्होत्रा थे।

आईएमटी के दो छात्रों का प्लेसमेंट

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। सत्येंद्र चंद्र गुड़िया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड लॉ कॉलेज के दो छात्रों का गुड़गांव एवं काशीपुर की कंपनी में चयन संपन्न हुआ है। संस्थान की प्राचार्य डॉ. निमिषा अग्रवाल ने बताया कि संस्थान के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी आनंद सिंह के प्रयासों से एमबीए फाइनल सेमेस्टर के छात्र संस्कार महेश्वरी का कुमाऊं की प्रसिद्ध एग्रोन रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड, काशीपुर में एचआर एग्जीक्यूटिव के पद पर चयन हुआ है, वही बीसीए फाइनल सेमेस्टर के छात्र अंगद सिंह का लॉजिस्टिक कंपनी आईडेंटिफाई प्लस डिलीवर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम में एमआईएस एग्जीक्यूटिव के पद पर चयन हुआ है दोनों ही छात्रों का पैकेज आकर्षक है। यहां बताते चलें कि संस्थान के छात्र विगत कई वर्षों में देश एवं प्रदेश की विभिन्न नामचीन कंपनीज में चयनित हो चुके हैं। संस्थान की प्रबंध समिति का लगातार प्रयास रहता है कि संस्थान के प्लेसमेंट एवं ट्रेनिंग सेल के माध्यम से सभी कोर्सों के विद्यार्थियों को इस प्रकार की तैयारी कराई जाती रहे की वह अपने इंटरव्यू में सफलता प्राप्त करते हुए बड़ी से बड़ी कंपनी में प्लेस्ड हो सके। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर संस्थान की चेयरमैन विमला गुड़िया सहित समस्त निदेशकगण, प्राचार्य, शिक्षक एवं स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके भविष्य की कामना की है।

खाद्य विभाग ने बनाए 55 बीपीएल प्रमाण पत्र

अल्मोड़ा। जन जन की सरकार, जन जन के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आमजन की समस्याओं का समाधान करते हुए उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्रदान किया गया। खंड विकास अधिकारी केशर सिंह बिष्ट ने बताया कि शिविर में कुल 273 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। साथ ही 212 आवेदन पत्र विभिन्न प्रमाण पत्रों से संबंधित भरवाए गए। वहीं खाद्य विभाग द्वारा 55 बीपीएल प्रमाण पत्र बनाए गये। अधिकारियों ने उपस्थित ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

एक नजर

क्यूआरटी को अलर्ट मोड में रखने के निर्देश

अल्मोड़ा। जिला न्यायालय अल्मोड़ा की आधिकारिक ईमेल आईडी पर धमकी भरा मेल प्राप्त होने के बाद पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। मेल मिलने के बाद पुलिस टीम ने न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है तथा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को एसएसपी चंद्रशेखर घोडके ने न्यायालय परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रवेश द्वारों पर आने-जाने वाले व्यक्तियों की सघन जांच, संदिग्ध वस्तुओं की तलाशी और वाहन चेकिंग के निर्देश दिए। साथ ही सीसीटीवी कैमरों की प्रभावी मॉनिटरिंग और त्वरित प्रतिक्रिया टीम को अलर्ट मोड में रखने के निर्देश भी दिए गए। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि न्यायालय की शांति व गरिमा भंग करने का प्रयास करने वाले किसी भी अराजक तत्व के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

236 बाहरी व्यक्तियों पर पुलिस की कार्रवाई

अल्मोड़ा। एसएसपी चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन क्रैक डाउन वेरिफिकेशन ड्राइव के तहत पुलिस ने सघन सत्यापन अभियान चलाया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में किरायेदारों, बाहरी मजदूरों और फड़-फेरी लगाने वालों का सत्यापन किया गया। अभियान के तहत 600 बाहरी व्यक्तियों ने पुलिस सत्यापन कराया। वहीं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर 235 लोगों के विरुद्ध उत्तराखण्ड पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। देघाट थाना क्षेत्र में बिना पुलिस सत्यापन मजदूर रखने पर एक ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5 हजार रुपये का नगद चालान किया गया और मजदूरों का तत्काल सत्यापन कराया गया।

6.20 ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

अल्मोड़ा। एसएसपी चंद्रशेखर घोडके के निर्देशन में ड्रग्स फी देवभूमि मिशन के तहत पुलिस का जिलेभर में चेकिंग अभियान जारी है। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान बेस तिराहा के पास एक युवक को स्मैक के साथ दबोच लिया। युवक के कब्जे से 6.20 ग्राम स्मैक बरामद की। इसके बाद पुलिस ने युवक पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई की है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार अल्मोड़ा पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने बेस तिराहा के पास चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक युवक के संदिग्ध प्रतीत होने पर उसे रोका गया। तलाशी लेने पर आरोपी दीपक सिह बिष्ट पुत्र गोविन्द सिंह बिष्ट, निवासी ग्राम स्यालीधार, अल्मोड़ा के कब्जे से 6.20 ग्राम स्मैक बरामद की गई। बरामद स्मैक की कीमत करीब 1 लाख 86 हजार आंकी गई रुपये आंकी गई। पुलिस ने मौके पर स्मैक को सील कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर युवक को गिरफ्तार किया। एसओजी प्रभारी सुनील धानिक ने बताया कि गिरफ्तार युवक पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट में कई बार जेल जा चुका है। इधर, टीम में चौकी प्रभारी आनंद बल्लभ कश्मीरा, कांस्टेबल इरशाद उल्ला, हरीश प्रसाद शामिल रहे।

पालड़ीछीना में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

बागेश्वर। वन रेंज क्षेत्र के पालड़ीछीना में शुक्रवार सुबह एक मादा गुलदार पिंजरे में बंद मिली। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गुलदार को सुरक्षित रेंज कार्यालय लाकर चिकित्सीय परीक्षण कराया। स्वस्थ पाए जाने पर उसे जल्द ही उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जाएगा। पालड़ीछीना क्षेत्र में लंबे समय से गुलदार का आतंक था, जिसने कई मवेशियों को मारा और आबादी वाले क्षेत्रों में भी प्रवेश किया। इस पर ग्रामीणों ने पिंजरा लगाने की मांग की थी, जिसे विभाग ने पूरा किया। गुरुवार रात गुलदार पिंजरे में फंस गया। यह जिले में 15 दिनों में पकड़ा गया दूसरा गुलदार है। गुलदारों की बढ़ती सक्रियता से ग्रामीणों में भय का माहौल है।

1200 लोगों का मोतियाबिंद ऑपरेशन

काशीपुर। खालसा फाउंडेशन सेवा निरन्तर भाव से खालसा फाउंडेशन पिछले 5 साल से समाज को अपनी सेवा दे रही हैं, उन्ही में से एक है नेत्र चिकित्सा कैम्प खालसा फाउंडेशन 1200 से अधिक मोतियाबिंद के ऑपरेशन करा चुका हैं, संत बाबा बचन सिंह, बाबा महेन्द्र सिंह, बाबा सुरेंदर सिंह जी के आशीर्वाद से खालसा फाउंडेशन गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब से सेवा निरन्तर जारी है, इसमें विशेष सहयोग निर्मल ऑय ट्रस्ट का रहता है।

प्रशिक्षण शिविर आज से

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। खेल विभाग द्वारा स्पेशल कंपोनेंट प्लान के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं के लिए 10 दिवसीय जिला स्तरीय बैटरी टेस्ट एवं विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 21 फरवरी, 2026 से 02 मार्च, 2026 तक इण्डोर स्टेडियम स्थित ताइक्वांडो हॉल, बागेश्वर में आयोजित होगा। शिविर के लिए कुल 30 प्रतिभागियों (15 बालक एवं 15 बालिकाएं) का चयन किया जाएगा। पंजीकरण के समय अभ्यर्थियों को जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड तथा अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। जिला खेल विभाग द्वारा चयनित प्रतिभागियों हेतु आवागमन, भोजन, आवास एवं खेल किट की व्यवस्था निर्धारित मानकों के अनुसार उपलब्ध कराई जाएगी।

गन्ना किसान संस्थान ने कराई कृषक गोष्ठी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। गन्ना किसान संस्थान एवं प्रशिक्षण केंद्र द्वारा गन्ना विकास परिषद काशीपुर परिक्षेत्र के ग्राम अजीतपुर दभौरा में एकदिवसीय कृषक गोष्टी का आयोजन किया गया। गोष्टी को संबोधित करते हुए गन्ना विभाग के प्रचार एवं जनसंपर्क अधिकारी नीलेश कुमार ने आगामी बसंत कालीन गन्ने की बुवाई जैसे विषय में किसानों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि गन्ने की कृषि में गहराई तथा दूरी का बहुत महत्व है। अत: किसान बंधु इसका पालन करें। गोष्ठी का उद्देश्य गन्ना कृषकों को उन्नत प्रजाति की गन्ना बीज की जानकारी, गन्ने की फसल में लगने वाली तरह-तरह के बीमारियों तथा उसमें प्रयोग की जाने वाली दवाईयां तथा उनको गन्ने की वैज्ञानिक विधि से कृषि कैसे करें जिससे की प्रति हैक्टेयर उत्पादकता बढ़े, गन्ना विभाग की विभिन्न योजनाएं एवं कार्यक्रम, इसकी जानकारी कृषकों को प्रदान करना रहा। किसानों को जानकारी दी गई कि वर्तमान में गन्ने की फसल 0238 रेड रोड की चपेट में आ गई है। अत: कृषक इस प्रजाति के गन्ने की बुवाई बिल्कुल भी ना करें है। वैज्ञानिकों द्वारा कीट एवं रोग प्रबंधन के विषय में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।बैठक में गन्ना अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक सहित गन्ना विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषक मौजूद रहे।

शांति का संदेश लेकर पहुंची रैली

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। 18 से 23 फरवरी तक रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3110 के गवर्नर रोटेरियन राजन विद्यार्थी के तत्वाधान में एक कार रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह रैली बरेली से चलकर पीलीभीत, रुद्रपुर, काशीपुर, हल्द्वानी, नैनीताल, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, हाथरस, होते हुए झांसी पहुंचेगी। इसी क्रम में यह रैली 19 फरवरी को काशीपुर पहुंची। काशीपुर में रैली केवीआर हॉस्पिटल से प्रारंभ होकर रामनगर रोड रोटरी भवन पर समाप्त हुई। यहां रोटरी क्लब ऑफ काशीपुर, रोटरी क्लब कॉर्बेट ऑफ काशीपुर एवं इनरव्हील क्लब ऑफ काशीपुर के सदस्यों ने इसमें प्रतिभाग किया। इनके साथ ही काशीपुर पहुंचने पर समर स्टडी हॉल विद्यालय के छात्रों,

द हेरिटेज स्कूल के छात्रों एवं एससी गुड़िया कॉलेज के छात्रों द्वारा इसमें प्रतिभाग किया गया। काशीपुर में रैली के संयोजक अनुराग कुमार सिंह रहे। रैली में रोटेरियन देवेंद्र अग्रवाल एमडी जिंदल ग्रुप, मुक्ता सिंह अध्यक्ष समर हॉल स्कूल्स ऑफ ग्रुप, रोटेरियन राज मेहरोत्रा डिस्ट्रिक्ट काउंसलर, रो. रवि सहोता अध्यक्ष रोटरी क्लब कॉर्बेट ऑफ काशीपुर रो. मोहन गुप्ता डिस्ट्रिक्ट सेक्रेट्री काशीपुर, रो. निमिषा अग्रवाल अध्यक्षा इनरव्हील क्लब ऑफ काशीपुर, रो. दीपिका गुड़िया, पुनीत सिंघल सेक्रेटरी रोटरी क्लब काशीपुर एवं समस्त रोटेरियन बंधु थे।

सिमकनी मैदान में हिन्दू सम्मेलन कल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। नगर के सिमकनी मैदान में 22 फरवरी को प्रस्तावित हिंदू सम्मेलन की तैयारियां तेज हो गई हैं। मां नंदा हिंदू सम्मेलन समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर पूर्व दर्जामंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बिट्टू कर्नाटक ने अपने कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक को संबोधित करते हुए बिट्टू कर्नाटक ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक विषयों पर संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे। स्थानीय

कलाकारों द्वारा लोकनृत्य, भजन-कीर्तन और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। बच्चों और युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रस्तुतियों की भी तैयारी की जा रही है, ताकि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ा जा सके। सम्मेलन से पूर्व नगर में एक बाइक रैली भी निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होकर लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेगी। रैली और मुख्य आयोजन के लिए प्रशासन के साथ समन्वय कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। कार्यक्रम स्थल पर बैठने, पेयजल, स्वास्थ्य और सुरक्षा की समुचित व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सम्मेलन में विभिन्न धर्मगुरुओं, संतों और समाजसेवियों को आमंत्रित किया गया है, जो सामाजिक एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और वर्तमान चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त करेंगे।

विराट हिन्दू सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

शाह टाइम्स संवाद्दाता

रानीखेत। नगर के स्थानीय पंचेश्वर शिव मंदिर परिसर में विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन सांस्कृतिक झलकियों के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहर भर में भव्य शोभायात्रा निकालकर हुआ। शोभायात्रा में बच्चों, महिलाओं, साधु-संतों, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक छोलिया नृत्य शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रहा, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मंदिर परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस अवसर पर चंद्रशेखर एवं विभाग प्रमुख कमल का पूर्व दर्जामंत्री रवि मोहन अग्रवाल द्वारा अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बाल कलाकारों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। देशभक्ति एवं धार्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। सम्मेलन के माध्यम से सामाजिक एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और धार्मिक जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजकों ने सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। यहां धन सिंह रावत, दीप भगत, गिरीश भगत, रोहित शर्मा, बिमला रावत, रामेश्वर गोयल, देवकी उपाध्याय, ललित मेहरा, नारायण बिष्ट, चंदन भगत, हर्ष पंत, मोहन नेगी सहित अन्य मौजूद रहे।

विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर बैठक

बागेश्वर। शुक्रवार को विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के अध्यक्षों, प्रतिनिधियों और बूथ लेवल एजेंट्स के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची अद्यतन, त्रुटियों का निराकरण और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने बूथ लेवल एजेंट्स से अपेक्षा की कि वे अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर मतदाता सूची में संशोधन, विलोपन और नए नाम जुड़ने के कार्यों में सहयोग करें। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने और मतदाताओं को सही जानकारी देने पर जोर दिया। सभी संबंधित अधिकारियों को समयसीमा के भीतर त्रुटियां दूर करने का निर्देश भी दिया गया।

NAME CHANGE
I BAVITA have changed my name from VAVITA GUPTA to BAVITA hence forth I shall be known as BAVITA W/o. VINEET KUMAR GUPTA R/o. Mata Mandir Road, Near Punjabi Sabha, Kajibag, Kashipur, Udham Singh Nagar, UK.

NAME CHANGE
I VINEET KUMAR GUPTA have changed my name from VINEET KUMAR to VINEET KUMAR GUPTA hence forth I shall be known as VINEET KUMAR GUPTA S/o RAM AVTAR, R/o. Mata Mandir Road, Near Punjabi Sabha, kajibag, Kashipur, Udham Singh Nagar, UK.

ग्रेंड पैरेंट्स डे का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाद्दाता

शांतिपुरी। शुक्रवार को शांतिपुरी नंबर दो ढाकानी संस्कृत इंटरनेशनल एकेडमी स्कूल में आयोजित ग्रैंड पैरेंट्स डे का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राजेश शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भूपेश दुम्का ने संयुक्त रूप से किया। विद्यालय मैनेजमेंट की ओर से चयनित बुजुर्ग दादा दादी को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि शुक्ला ने कहा कि दादा-दादी के आशीर्वाद से हमें जीवन में सफलता मिलती है। इस लिए हमें हमेशा उनका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने विद्यालय मैनेजमेंट को कार्यक्रम के सफल आयोजन की बधाई दी और कहा कि वह विद्यालय की हर समस्या के निदान के लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे। विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष बार ऐसोसिएशन भूपेश दुमका ने छात्र-छात्राओं से अच्छी सफलता प्राप्ति के लिए लक्ष्य आधारित शिक्षा ग्रहण करने की अपील की। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने दादा-दादी के सम्मान में विभिन्न प्रकार की बोली, भाषा एवं संस्कृति पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्र-मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया।

बागेश्वर में यूकेडी की विशाल रैली

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। उत्तराखंड क्रांति दल ने शुक्रवार को जिले में विशाल रैली निकालकर जन सभा आयोजित की। पार्टी से जुड़े नेताओं ने लोगों से पार्टी के नीतियों एवं पहाड़ प्रेम से जुड़ने का आह्वान किया। पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड क्रांति दल के प्रदेश युवा अध्यक्ष आशीष नेगी, केंद्रीय उपाध्यक्ष कुलदीप रावत, पूर्व पुष्पेश त्रिपाठी बागेश्वर जिला मुख्यालय में पहुंचे। यहां स्थानीय तहसील रोड़ में जिले के तीनों ब्लॉक गरुड़, कपकोट, बागेश्वर के कार्यकर्ता एकत्र हुए। यूक्रांद के जिलाध्यक्ष मनोज जोशी के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ता विशाल रैली के रूप में नगर भ्रमण करते हुए स्थानीय नुमाइश मैदान में पहुंचे। जहां एक सभा का आयोजन किया गया। सभा को संबोधित करते भी मुख्य अतिथि युवा प्रदेश अध्यक्ष आशीष नेगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड अलग राज्य की मांग करने वाला राज्य के

लिए लड़ाई लड़ने वाली एक मात्र उत्तराखंड क्रांति दल पार्टी है। राज्य को सभी सुख सुविधाओं एवं पहाड़ के लोगों का विकास के लिए बनाए गए राज्य को एक बार फिर उक्रांद की जरूरत आन पड़ी है। लेकिन पिछले दो दशकों से राज्य को भाजपा एवं कांग्रेस ने बारी बारी लूटा है। लेकिन अब पहाड़ की पीड़ा एवं दर्द को समझने के लिए सभी को आगे आना होगा। इसी क्रम में अन्य वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप रावत ने कहा कि एक बार फिर लूट खसोट करने वाले दोनों पार्टियों से राज्य को मुक्ति दिलानी है। जिसके लिए उन्होंने सभी से पार्टी को समर्थन देने की बात कही। यहां आयोजित सभा में अन्य वक्ताओं ने कहा कि जब तक राज्य की राजधानी गैरसैंण नहीं बनाई जाती है तब तक संघर्ष जारी रहेगा। इसके साथ ही राज्य के युवाओं को नौकरी, महिलाओं को कानूनी सुरक्षा, राज्य की भूमि को माफियाओं से सुरक्षा, जल, जंगल, जमीन की लड़ाई जारी रहेगी। इस मौके पर संयोजक गैरसैंण राजधानी विनोद रतूड़ी, महिला जिलाध्यक्ष पूजा मेहरा, विधान सभा अध्यक्ष मयंक चौबे, जिला पंचायत सदस्य भास्कर बोरा, वरुण चंदोला, ब्लाक अध्यक्ष कपकोट जगदीश कुमार, महामंत्री केंद्रीय सैनिक प्रकोष्ठ मनोज चौहान, जिला संरक्षक हीरा बल्लभ भट्ट, नगर अध्यक्ष कैलाश पांडे, गोबिंद सिंह, दीप पहाड़ी, विनोद साह, गिरीश कोरंगा, सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता भुवन कांडपाल ने किया।

उत्तराखण्ड पावर कार्पोरेशन लिमिटेड
कार्यालय अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड, काशीपुर
दूरभाष 05949-282200 कार्पोरेट आई.डी. संख्या U40109UR2001SGC025867
पत्रांक 1252 / वि.वि.ख.(का.) निविदा सूचना दिनांक 20-02-2026
विद्युत वितरण खण्ड, काशीपुर के अंतर्गत अधोलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
1.	48/ 2025-26	33/11 केवीo विद्युत उपकेन्द्र इटौवा के विभिन्न स्थानों पर वितरण परिवर्तकों को स्थापित करने का कार्य।	1180/-	44,800/-	14.93/-		
2.	49/ 2025-26	33/11 केवीo विद्युत उपकेन्द्र फौजी कालोनी के विभिन्न स्थानों पर वितरण परिवर्तक को स्थापित करने का कार्य।	1180/-	44,700/-	14.87/-		
3.	50/ 2025-26	33/11 केवीo विद्युत उपकेन्द्र [illegible] के विभिन्न स्थानों पर वितरण परिवर्तक को स्थापित करने का कार्य।	1180/-	44,700/-	14.88/-		
4.	51/ 2025-26	33/11 केवीo विद्युत उपकेन्द्र केलाखेड़ा के विभिन्न स्थानों पर वितरण परिवर्तक को स्थापित करने का कार्य।	1180/-	44,700/-	14.87/-		
5.	52/ 2025-26	33/11 केवीo विद्युत उपकेन्द्र पिपलिया के विभिन्न स्थानों पर वितरण परिवर्तक को स्थापित करने का कार्य।	1180/-	44,900/-	14.96/-	16.03.2026 (11.00 बजे तक)	17.03.2026 (12.00 बजे से)
6.	53/ 2025-26	33/11 केवीo विद्युत उपकेन्द्र दोराहा के विभिन्न स्थानों पर विद्युत पोलों को स्थापित करने का कार्य।	1180/-	44,700/-	14.89/-		
7.	54/ 2025-26	33/11 केवीo विद्युत उपकेन्द्र [illegible] से पोषित होने वाले 11 केवीo [illegible] पोषक का तार बदलने का कार्य।	1180/-	43,600/-	14.53/-		
8.	55/ 2025-26	33/11 केवीo विद्युत उपकेन्द्र मण्डी के विभिन्न स्थानों पर विद्युत पोलों को स्थापित करने का कार्य।	1180/-	44,600/-	14.87/-		

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट www.uktenders.gov.in पर अवलोकित किया जा सकता है। 'राष्ट्रहित में बिजली बचायें', बिजली बिलों के 24x7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें।
Customer Toll Free No. 18004190405
अधिशासी अभियंता
विद्युत वितरण खण्ड, काशीपुर

रमज़ान मुबारक

सरवर अली
सभासद वार्ड नंबर-03
नगर पालिका कालाढूंगी
जिला नैनीताल
+91 63988 36682

रमज़ान मुबारक

मोहम्मद हसनैन ख़तीबी
(पूर्व उपाध्यक्ष)
उत्तराखण्ड मदरसा बोर्ड
उत्तराखंड सरकार
हल्द्वानी (नैनीताल)
मो. 9719824399

माह-ए-रमज़ान मुबारक

बासित खान
(सदर)
जामा मस्जिद कमेटी
काठगोदाम
जिला - नैनीताल
मो० 9412085347

मून सर्विस प्वाइंट
फ्रिज, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर
रिपेयर एंड स्पेयर पार्ट्स
(एयर कंडीशनर किराये पर उपलब्ध हैं)

Zubair Khan Najeeb Khan
Near-Axis Bank ATM, Church Compound
Nainital Raod Haldwani Mo: 9837036176, 9837314505

रमज़ान माह की दिली मुबारकबाद

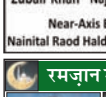

इसरार हुसैन
प्रदेश उपाध्यक्ष
भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, उत्तराखण्ड।

रमज़ान मुबारक
जनसेवा एकता कमेटी

अध्यक्ष अलीम खान
उपाध्यक्ष अनवर उर्फ मुन्नू
कार्यालय: बरेली रोड, उजाला नगर, हल्द्वानी
मो. 9837519829

रमज़ान माह की दिली मुबारकबाद

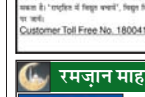

मोकिन सैफी
(विधानसभा अध्यक्ष)
यूथ कांग्रेस, हल्द्वानी-नैनीताल
पार्षद पुत्र वार्ड 33, नगर निगम हल्द्वानी

फायरिंग के तीन आरोपी गिरफ्तार

दो पिस्टल, एक तमंचा व पांच कारतूस बरामद, पुरानी रंजिश के चलते की थी वारदात

शाह टाइम्स ब्यूरो

कालाढूंगी/हल्द्वानी। एक सप्ताह पूर्व बेलपड़ाव क्षेत्र में हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को बीती रात्रि गड़प्पू बैरियर के पास से गिरफ्तार किया है। जिनके पास से दो अवैध पिस्टल एक तमंचा व 5 कारत. ूस बरामद किए।

तीनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया जहां से तीनों को जेल भेज दिया। शुक्रवार को एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने फायरिंग मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बीते 14 फरवरी को 112 के माध्यम से सूचना मिली की बेलपड़ाव के पास कुछ लोगों के बीच मारपीट की गई जिसके बाद फायरिंग की घटना को भी अंजाम दिया गया। एसएसपी ने बताया कि सूचना पर तुरंत पुलिस फोर्स पहुंचा और घटनास्थल का जायजा लिया तो वहां से पुलिस को 11 खोखे 32 बोर के और दो खोखे 22 बोर के बरामद हुए। जिसके बाद 16 फरवरी को बलजीत कौर पत्नी लवप्रीत सिंह निवासी ग्राम बच्चीनगर कालाढूंगी ने नामजद तहरीर सौंपी। नामजद तहरीर के आधार पर धारा 109(1), 126(1), 352, 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया और बीते गुरूवार की रात्रि गडप्पू बैरियर के पास फायरिंग करने वाले तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरा. ेपी में गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी पुत्र निर्मल सिंह निवासी ग्राम शेखपुरा थाना स्वर रामपुर, रंजीत सिंह पुत्र दर्शन सिंह निवासी बेलपोखरा कालाढूंगी, मनदीप सिंह उर्फ मंगा पुत्र मलकीत सिंह निवासी उदयपुर बेलपड़ाव शामिल है। जिनके पास से पुलिस ने दो देशी पिस्टल, एक 22 बोर का तमंचा व पांच कारतूस बरामद किए। पूछताछ में पकड़े गए आरो. पियों ने बताया कि वादिनी के पति लवप्रीत के दोस्त हरभजन की रंजीत से रंजिश थी। घटना की रात हरभजन ने आरोपियों को घटनास्थल पर बुलाया, जहां गाली-गलौच और मारपीट के बाद आरोपियों ने फायरिंग की। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से तीनों को जेल भेज दिया। एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने गुडवर्क करने वाली टीम को 1500 रूपये ईनाम की घोषणा की है। टीम में कालाढूंगी कोतवाल अरूण सैनी, एसएसआई पंकज जोशी, एसएस दीपक बिष्ट, एसआई राजवीर सिंह, एसओजी प्रभारी राजेश जोशी, एसआई देवेन्द्र राणा, कांस्टेबल अखिलेश तिवारी, स्वरूप सिंह, उमेश राम, मिथुन कुमार, संजय दोसाद, प्रीतम सिंह, अमनदीप सिंह शामिल रहे।

सिंथिया के बच्चों ने किया नाम रौशन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित आईआईटी जेईई परीक्षा में कक्षा 12 में अध्ययनरत छात्र शौर्य कत्युरा ने 97.38 पर्सेंटाइल तथा भावेश जोशी ने 91.11 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. प्रवीन्द्र कुमार रौतेला ने छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और अभिभावकों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। छात्रों की इस उपलब्धि पर एससी मिश्रा, महेश जोशी, अकादमिक कोऑर्डिनेटर बीबी जोशी, नीमा पांडेय, प्रदीप मित्रा, आईडी जोशी, प्रकाश शर्मा, एसएस कपकोटी, कोमल बिष्ट, मंजू जोशी आदि मौजूद रहे।

भूमि विवादः न्यायालय के आदेश पर मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लामाचौड़ क्षेत्र में भूमिधरी जमीन को लेकर विवाद गंभीर रूप ले चुका है। पालम सिटी निवासी प्रफुल्ल गुप्ता ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि कथित भू-माफिया गिरोह ने उनकी 70 वर्षीय मां की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की और लाखों रुपये खर्च कर विकसित की गई संपत्ति को चोरी कर लिया। पीड़ित ने द्वितीय न्यायिक दंडाधिकारी हल्द्वानी की अदालत को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि उनकी मां दुर्गा देवी ने वर्ष 2005 में ग्राम जयपुर पाडली, लामाचौड़ क्षेत्र में 0.670 हेक्टेयर भूमि खरीदी थी, जिस पर परिवार द्वारा बगीचा लगाया गया था। उनकी मां के स्वास्थ्य कारणों से अब इस जमीन की देखभाल की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी।

आरोप है कि वर्ष 2018-19 में भूमाफियाओं ने जेसीबी मशीन से बाउंड्री वाल और कमरा ध्वस्त कर दिया था। इस बारे में प्रशासन और राज्य महिला आयोग में शिकायत की गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। वर्ष 2020 में लॉकडाउन के दौरान भूमाफियाओं ने आम के आठ बड़े पेड़ भी काट दिए। 16 सितंबर 2021 को एक बार फिर बाउंड्री तोड़े जाने की कोशिश की गई। इसके बाद न्यायालय में वाद दायर किया गया, और 19 जुलाई 2023 को कोर्ट ने अतिक्रमण से रोकते हुए निषेधाज्ञा पारित की। गुप्ता ने सुरक्षा के लिए 10-12 लाख रुपये खर्च कर निर्माण सामग्री, सीसीटीवी कैमरे, लोहे का फ्रेम, टिनशेड, और अन्य सुविधाएं बनवायीं। हालांकि 27 अगस्त 2024 को जब गुप्ता उस स्थल पर पहुंचे, तो वहां रखी सारी सामग्री, जैसे लोहे का ढांचा, टिनशेड, कैमरे, फर्नीचर, और अन्य निर्माण सामग्री गायब थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में धमकियां देने वाले रमेश पलड़िया, कन्नू पलड़िया, मयंक शर्मा और ललित प्रताप सिंह रावत ने मिलकर यह कृत्य किया। घटना के बाद गुप्ता ने लामाचौड़ चौकी और 28 अगस्त 2024 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ईमेल से शिकायत भेजी, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई। अब न्यायालय के आदेश पर मुखानी थाना में भूमाफियाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

खेलों के महानायक घनश्याम लाल साह का निधन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड के खेलों के महानायक कुमाऊं विश्वविद्यालय के रिटायर्ड प्रो. और क्रीड़ाधिकारी घनश्याम लाल साह का निधन हो गया। बता दें कि नैनीताल मल्लीताल निवासी घनश्याम साह का हृदयाघात के कारण दिल्ली के सेना चिकित्सालय में निधन हुआ। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घनश्याम साह एक अंतरराष्ट्रीय सीनियर टेनिस खिलाड़ी थे और उन्होंने जिला टेनिस एसोसिएशन, नैनीताल के संरक्षक के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने अपनी खेल यात्रा में टेनिस के साथ-साथ फुटबॉल, हाकी, चौस और अन्य खेलों में भी शानदार प्रदर्शन किया। कुमाऊं विश्वविद्यालय में क्रीड़ाधिकारी के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने खेल गतिविधियों के नए मानक स्थापित किए और कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। वह शारदा संघ के सचिव भी थे और पहले विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी रह चुके थे। उनका निधन पूरे खेल जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। आज, 20 फरवरी को नैनीताल के पाइंस स्वर्ग द्वार में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके कनिष्ठ पुत्र कर्नल भाष्कर साह ने दी। उनके निधन पर परिवार, मित्र और खेल जगत से जुड़े तमाम लोग शोकित हैं। डिस्ट्रिक्ट टेनिस एसोसिएशन, नैनीताल ने दिवंगत घनश्याम साह की याद में शीघ्र ही एक टेनिस प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया है।

न्यायालय में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

हाई-लेवल ऑडिट और विशेष टीम का गठन, सुरक्षा प्रबंधों का व्यापक ऑडिट

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। न्यायालय की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को हल्द्वानी न्यायालय परिसर में उच्चस्तरीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत जोशी, जिला मजिस्ट्रेट ललित मोहन रयाल, एसएसपी नैनीताल डा. मंजुनाथ टीसी, अपर जिला जज सुजीत कुमार, मुख्य न्याय मजिस्ट्रेट रवि प्रकाश, एडीएम विवेक राय और एसपी सिटी हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल ने संयुक्त रूप से परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का स्थलीय ऑडिट किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मौजूदा सुरक्षा प्रबंधों की गहन समीक्षा की और परिसर की सुरक्षा

को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए मैनपॉवर, उपकरणों की उपलब्धता और समन्वय व्यवस्था पर विचार-विमर्श किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत बनाए रखने के लिए एसपी सिटी हल्द्वानी की अध्यक्षता में एक विशेष सुरक्षा ऑडिट टीम गठित की जाए। इस टीम में न्यायालय परिसर के नामित प्राधिकारी, अभिसूचना इकाई के अधिकारी, स्थानीय थाना पुलिस और प्रतिसार निरीक्षक शामिल होंगे। टीम नियमित रूप से सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण और समन्वय सुनिश्चित करेगी और रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित करेगी। इस अवसर पर एसएसपी नैनीताल ने जनपद की सभी पुलिस फोर्स को निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और सभी अधिक. ारी/कर्मचारी उच्च सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का पालन करें।

100 नई बसों को सीएम ने दिखाई हरी झंडी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नववर्ष के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई 100 नई बसों में से दो बसें बीते गुरुवार रात हल्द्वानी डिपो पहुंच गई। जीपीएस व सीसीटीवी से लैस ये बसें पहाड़ी मार्गों पर यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव कराएंगी। हल्द्वानी डिपो के एआरएम संजय पांडे ने बताया कि 37 सीटर अत्याधुनिक बसें 174 व्हील बेस पर आधारित है, जिन्हें पहाड़ी मार्गों के अनुरूप तैयार किया गया है। फिलहाल बसों का पंजीकरण देहरादून में है। हल्द्वानी आरटीओ में रजिस्ट्रेशन और परमिट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इनका नियमित संचालन शुरू किया जाएगा। नई बसों का संचालन मुख्य रूप से हल्द्वानी-पिथौरागढ़ मार्ग पर प्रस्तावित है। इनमें जीपीएस ट्रैकिंग, सीसीटीवी कैमरे, ई-टिकटिंग सिस्टम, फ्लीट मॉनिटरिंग और समयबद्ध रखरखाव जैसी सुविधाएं उपलब्ध है जिससे बस संचालन अधिक पारदर्शी व प्रभावी होगा। बता दें कि जनवरी माह में हल्द्वानी डिपो को दो नई बसें मिली थी जिनका संचालन हल्द्वानी-गंगोलीहाट मार्ग पर किया जा रहा है।

आर वन और रामराज फाइनल में

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बागेश्वर की ओर से आयोजित जिला क्रिकेट लीग के अंतर्गत सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए, जिनमें आर वन क्रिकेट क्लब और रामराज क्रिकेट क्लब ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। पहला सेमीफाइनल मुकाबला एमएस क्रिकेट ग्राउंड गौलापार में आर वन क्रिकेट क्लब और बागनाथ क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आर वन क्रिकेट क्लब ने 50 ओवर में सभी विकेट खोकर 288 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बागनाथ क्रिकेट क्लब की टीम 40वें ओवर में 206 रन पर सिमट गई। आर वन क्रिकेट क्लब ने यह मुकाबला 82 रन से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। शानदार प्रदर्शन के लिए अरुण को मैन

ऑफ-द मैच चुना गया। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला वैंडी क्रिकेट ग्राउंड में रामराज क्रिकेट क्लब और नीरज राठौर रेड क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नीरज राठौर रेड की टीम 32 ओवर में 145 रन पर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राम. राज क्रिकेट क्लब की टीम ने आदित्य सिंह के नाबाद 67 रन और हितैष के 43 रनों की बदौलत 17वें ओवर में 147 रन बनाकर आठ विकेट से आसान जीत दर्ज की। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए हितैष को मैन ऑफ-द मैच चुना गया। इस दौरान जिला क्रिकेट एसोसिएशन बागेश्वर के अध्यक्ष रामदत्त पांडेय, सचिव रमेश दानू, क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के पूर्व संयुक्त सचिव सुरेश सोनियाल आदि मौजूद रहे।

एसबीआई ने छात्रों को दी साईकिल

शाह टाइम्स ब्यूरो

काठगोदाम। भारतीय स्टेट बैंक की काठगोदाम शाखा ने अपनी कॉर्पोरेट सामा. जिक उत्तरदायित्व सीएसआर गतिविधियों के तहत नगर निगम इंटर कॉलेज काठगोदाम में कक्षा 10 की छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। इस दौरान

एसबीआई के शाखा प्रबंधक हेमंत पुजारी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उनके विद्यालय आने-जाने की सुविधा को सुगम बनाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के समग्र विकास की आधारशिला है। उन्होंने छात्राओं को निरंतर परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी। विद्यालय प्रशासन ने इस पहल के लिए भारतीय स्टेट बैंक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार का सहयोग छात्राओं में आत्मनिर्भरता और शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाएगा। इस मौके पर बैंक के काठगोदाम शाखा प्रबंधक हेमंत पुजारी, क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य प्रबंधक अजय सिंह, विद्यालय की प्रधानाचार्या पुष्पा गोस्वामी, स्थानीय पार्षद बबली वर्मा सहित शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएँ मौजूद रहे।

विज्ञान व कला का रंगीन प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लिटिल फ्लावर स्कूल में आयोजित सर्व-विषयक प्रदर्शनी में छात्रों ने विज्ञान, गणित, संस्कृति और तकनीकी नवाचार के रंगीन मॉडल्स पेश किए। प्रदर्शनी में बच्चों ने जेस. ीबी, रिंग टोपोलॉजी, सुडोकू, चंद्रयान-3, वैक्यूम क्लीनर, सौरमंडल, केदारनाथ मंदिर, वायु प्रदूषण, एआई प्रदर्शन, विद्युत प्रवाह, उत्तराखंड संस्कृति, गणित का जादू, वर्णमाला, कंप्यूटर और पानी में आग लगाने जैसे अनेक मॉडल प्रस्तुत किए। विशेष रूप से कक्षा 8 के छात्रों द्वारा बनाए गए वर्किंग मॉडल्स को सर्वोत्तम घोषित किया गया। अन्य कक्षाओं के छात्रों में कुनाल बिष्ट, आदित्य, सौरभ, महिमा, हार्दिक उन्नति, कार्तिकेय, निहित, तेजस्विनी, आरुष, सानवी आदि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रदर्शनी में

विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक और प्रधानाचार्य भी उपस्थित रहे और उन्होंने बच्चों की रचनात्मकता और नवाचार की जमकर सराहना की। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों को भी इस सफलता के लिए धन्यवाद दिया। समारोह के अंत में प्रधानाचार्या शांति जीना ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान की सराहना की। इस प्रदर्शनी ने बच्चों की सृजनात्मकता, तकनीकी कौशल और सांस्कृतिक ज्ञान को उजागर किया और दर्शकों के लिए मनोरंजक व शिक्षाप्रद अनुभव प्रदान किया।

कैडेट्स का रंगारंग सम्मान समारोह

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी में छात्र संघ की महिला उपाध्यक्ष ज्योति दानू के नेतृत्व और पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष नीरज बिष्ट के संयोजन में एनसीसी, एनएसएस और आरआर कैडेट्स का भव्य और मनमोहक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि यूकेडी के केंद्रीय युवा अध्यक्ष आशीष नेगी और प्राचार्य एनएस बनकोटी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुई, इसके बाद कुमाऊनी, गढ़वाली, राजस्थानी, पंजाबी, देशभक्ति और बॉलीवुड गीत-संगीत ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। कार्यक्रम में दिल्ली परेड, आरडीसी कैम्प और अन्य महत्वपूर्ण प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को ट्रॉफी और प्रमाण

पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि आशीष नेगी ने कहा कि छात्र अनुशासन, ईमानदारी, जिम्मेदारी और देशभक्ति के साथ उत्तराखंड के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देकर अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं। उन्होंने कहा, आज के युवाओं को अपनी शक्ति और सामर्थ्य समझनी होगी। कार्यक्रम का संचालन नेहा बिष्ट ने किया। इस अवसर पर पूर्व दर्जा राज्य मंत्री ललित जोशी, केंद्रीय युवा उपाध्यक्ष कुलदीप रावत, सीए वरुण चंदोला, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष कुलदीप कुलयाल, पार्षद शैलेन्द्र सिंह दानू, सांस्कृतिक प्रभारी मनोज बोरा, पंखुड़ियाँ अध्यक्ष रिम्पी बिष्ट, एएनयू सदस्य कनिष्का, एएनयू सदस्य ज्योति, रिया मटियाली, करन पंत, मंजू दानू, कपिल मेहता, करन डोभाल, सुरेंद्र कोटलिया मौजूद रहे।

हाईकोर्ट में पुलिस संग एटीएस रही तैनात

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस और एटीएस की टीम ने कोर्ट परिसर में चेकिंग अभियान चलाया, लेकिन कोई बम या संवेदनशील सामग्री नहीं मिली। कोर्ट परिसर में अब बिना आईडी और चेकिंग के किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। इससे पहले, नैनीताल जिला कोर्ट को भी तीन बार धमकी मिल चुकी थी। मामले में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है और सुरक्षा के लिए एटीएस को तैनात किया गया है। शुक्रवार को भी पुलिस बल और एटीएस के साथ सघन चेकिंग जारी रही।

ईईएसएल टीम को बंधक बनाया, ढाई घंटे धरना

स्ट्रीट लाइट की समस्या पर आक्रोश, नगर आयुक्त ने हस्तक्षेप कर मामला सुलझाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। स्ट्रीट लाइट सहित छह माह से अधूरी शिकायत पूरी ना होने से नाराज पार्षद मनोज जोशी शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय पहुंचे और ईईएसएल की विद्युत टीम को कमरे में बंद कर दरवाजे के समक्ष धरने में बैठ गए। ढाई घंटे तक चले इस हंगामें के बाद नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने मौके पर पहुंचकर पार्षद मनोज जोशी को आश्वासन दिया और शीघ्र ही सभी समस्याओं का निस्तारण की बात कहीं। जिसके बाद पार्षद मनोज ने अपना धरना समाप्त किया और चेताया अगर शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह उग्र आंदोलन को बाध्य होगे। नगर निगम

कार्यालय में धरने में बैठे तल्ली हल्द्वानी वार्ड-58 के पार्षद मनोज जोशी ने बताया कि वार्ड में लगे कई ओपन बटन पिछले छह माह से बदलने का अनुरोध किया जा रहा था, लेकिन कर्मचारियों की ओर से सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहा। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में फायर स्टेशन में हुए एक बड़े हादसे के बाद लाइट कुछ ही दिनों के लिए जली और फिर बंद हो गई। धरने के दौरान जब विद्युत कार्य शुरू हुआ, तब क्षेत्र की जनता ने वीडियो कॉल और कॉल के माध्यम से संतोष व्यक्त किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर आयुक्त ने स्वयं हस्तक्षेप किया और पार्षद को धरने से उठाया। इस दौरान ईईएसएल के कर्मचारियों ने कहा कि बटन लगाना हमारा काम नहीं है, जिस पर पार्षद ने नोक-झोंक की। कर्मचारियों ने अपनी गलती स्वीकार की और मामला शांत हुआ। पार्षद मनोज जोशी ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि ईईएसएल टीम पार्षदों या जनता को गुमराह करेगी, तो वे पुनः उग्र आंदोलन करेंगे और इसके लिए विभाग जवाबदेह होगा। उन्होंने कहा कि जनता के हित में काम करवाना उनका प्रमुख कर्तव्य है और किसी भी बाधा को वे नज़रअंदाज़ नहीं करेंगे।

सड़क चौड़ीकरण कार्य को गति देने के निर्देश, मंडी पुलिस चौकी शिफ्टिंग की प्रक्रिया तेज

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रशासन ने तीन पानी चौराहे से नरीमन तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण कार्य को तेज़ गति से पूरा करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी ने मंडी पुलिस चौकी के स्थानांतरण को लेकर पुलिस क्षेत्राधिकारी, मंडी सचिव और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

इस बैठक में मंडी पुलिस चौकी को सड़क से शीघ्र स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि जिला. धिकारी द्वारा प्राधिकरण विकास मद से 25 लाख रुपये की राशि मंडी

पुलिस चौकी के निर्माण के लिए स्वीकृत की गई है, जिसे लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया है। अब यह निर्माण कार्य मंडी परिषद द्वारा किया जाएगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को आद. ेश दिया कि इस धनराशि को शीघ्र मंडी परिषद को सौंपा जाए, ताकि निर्माण कार्य में कोई देरी न हो। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पुलिस विभाग की आवश्यकताओं के अनुसार पुलिस चौकी भवन में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे और विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) मंडी परिषद को भेजकर टेंडर प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाएगा। सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा कि तीन पानी चौराहे से नरीमन तक सड़क चौड़ीकरण कार्य तेज़ी से प्रगति पर है। पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह परियोजना उच्च प्राथमिकता पर पूरी की जा रही है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि यह महत्वपूर्ण परियोजना समयबद्ध रूप से पूरी हो सके।

पेयजल निगम कर्मचारियों का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। उत्तराखंड पेयजल निगम के कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार से धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। कर्मचारियों का कहना है कि पिछले तीन महीनों से वेतन का भुगतान नहीं हुआ, जिससे उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। समिति के अध्यक्ष कैलाश सिंह ने बताया कि नियमित वेतन न मिलने से कर्मचारियों को रोजमर्रा के खर्चों, बच्चों की पढ़ाई, चिकित्सा और ऋण किस्तों की समस्या उत्पन्न हो गई है। समिति की प्रमुख मांग है कि पेयजल निगम को राजकीय विभाग घोषित किया जाए, ताकि वेतन और पेंशन के भुगतान में स्थिरता आए। इसके अलावा, वेतन का भुगतान सीधे कोषागार से करने की व्यवस्था की जाए। कर्मचारियों ने सरकार से शीघ्र समाधान की अपील की है। धरने में अधिशासी अधिकारी विपिन कुमार, किशन सिंह, चंदन सिंह समेत कई कर्मचारी मौजूद रहे।

27 को चीड़ बंधन, 4 मार्च को खेली जाएगी होली

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। होली पर्व को लेकर शुक्रवार को रामलीला कमेटी संचालन समिति की बैठक नगर मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमे होली पर्व के आयोजन पर चर्चा की गई। साथ ही शहर के प्रबुद्ध ब्राह्मण समाज

के निर्णय के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि होली पर्व पर 27 फरवरी की सुबह 9 बजे होली ग्राउंड, सिंधी चौराहा एवं पटेल चौक पर चीर बंधन होगा। 2 मार्च को शाम 5 बजे भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। साढ़े 8 बजे हो. लिका दहन पूजन सिंधी चौराहा पर किया जाएगा। 4 मार्च को होली खेली जाएगी। रामलीला कमेटी के व्यास पं. गोपाल दत्त भट्ट, पं. विवेक शर्मा, पंडित गणेश जोशी, रामलीला कमेटी के रिसीवर एवं सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी, मनोज गुप्ता, बिंदेश गुप्ता, एनबी गुणवंत, तनुज गुप्ता, योगेश शर्मा, विवेक कश्यप, दिनेश गुप्ता, अमित जोशी, अरुण अग्रवाल, भवानी शंकर नीरज थे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सुरक्षा को लेकर न्यायालयों में बढ़ाई चौकसी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल ने सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस प्रशासन की नींद उड़ा रखी है। जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के निर्देशन में आज शुक्रवार को जनपद

■ न्यायालय परिसर में चला सघन चेकिंग अभियान

के सभी न्यायालय परिसरों में एक व्यापक और सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

इस अभियान की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी ने स्वयं रुद्रपुर न्यायालय परिसर में उपस्थित रहकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सर्चिंग ऑपरेशन का नेतृत्व किया। चेकिंग अभियान में बीडीएस (Bomb Disposal Squad) और डॉग स्क्वाड की टीमों ने पूरे न्यायालय परिसर के कोने-कोने की बारीकी से तलाशी ली। न्यायालय परिसर में आने और जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गहनता से चेकिंग और फ्रिस्किंग की गई।

एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। एसएसपी अजय गणपति ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को निर्देशित किया कि संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए और परिसर में प्रवेश करने वाले वाहनों की भी नियमित जांच सुनिश्चित की जाए।

बीमा कम्पनी को दिया पांच लाख क्षतिपूर्ति का आदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। अध्यक्ष स्थायी लोक अदालत बृजेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रार्थी दर्शन सिंह, रुद्रपुर, ऊधम सिंह नगर द्वारा स्थायी लोक अदालत. ऊधम सिंह नगर में आईसीआईसीआई लोमबार्ड के विरूद्ध मामले के निस्तारण हेतु प्रार्थना पत्र दाखिल किया था जिसमें वादी द्वारा अवगत कराया गया कि प्रार्थी की कार को 20 दिसम्बर, 2023 को वादी का भतीजा विरेन्द्र अजीत एवं रविन्द्र के साथ रुद्रपुर से किच्छा बाजार के लिए जा रहे थे।

समय करीब 01 बजे से 01.30 बजे के मध्य जब वह मुमताज गेट, शिमला पिस्तौर के पास पहुंचे तो उनकी कार का बाया टायर फट गया, टायर फटने से कार अनयंत्रित होकर डिवाईडर के दूसरी तरफ चली गयी और सामने से आ रहे ट्रक से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गयी। यह एक इत्तेफाकिया घटना थी, जिसकी सूचना वादी द्वारा तत्काल विपक्षी बीमा कंपनी के कस्टमर केयर नम्बर पर दे दी गयी थी। जिनके निर्देशानुसार प्रार्थी द्वारा क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से विपक्षी द्वारा बताये गये संबंधित के प्रतिष्ठान में दिखाया गया जिन्होंने कार को पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त बताया तथा कार क्लेम फार्म भरकर बीमा कंपनी को भेज दिया गया। जिसके बाद बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लोमबार्ड द्वारा ड्राईवर के पास वैध लाईसेंस ना होना व ड्राईवर प्रतिस्थापित करने की बात कहकर क्लेम देने से मना कर दिया गया।

वाद की सुनवाई उपरांत स्थायी लोक अदालत, ऊधम सिंह नगर अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह व सदस्य अब्दुल नसीम एवं सदस्या अर्चना पीयूष पंत की पीठ द्वारा बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लोमबार्ड को कार की क्षतिपूर्ति के रूप में पांच लाख रुपये देने का आदेश सुनाया गया है।

एक नजर

रमजान का पहला अशरा रहमतों का पैगामः सावेद अंसारी

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। माह-ए-रमजान के मुकद्दस आगाज पर गदरपुर के युवा समाजसेवी सावेद अंसारी ने नगरवासियों को पहले अशरे की दिली मुबारक. बाद पेश की। उन्होंने कहा कि रमजान का पहला अशरा "रहमत" का अशरा होता है, जिसमें अल्लाह तआला अपने बंदों पर खास करम और बरकतें नाजिल फरमाता है।

सावेद अंसारी ने बताया कि रोजा महज भूखा-प्यासा रहने का नाम नहीं, बल्कि सब्र, तकवा और परहेजगारी का दर्स देता है। इस पाक महीने में इबादत, तिलावत-ए-कुरआन, नमाज-ए-तरावीह, जिक्र-ओ-अजकार और दुआओं का खास एहतमाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रमजान इंसान को गुनाहों से तौबा कर नेकियों की राह पर चलने का पैगाम देता है। उन्होंने अवाम से अपील की कि जकात, सदका-ए-फित्र और खैरात के जरिए गरीबों और मोहताजों की मदद करें ताकि कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे। आखिर में उन्होंने दुआ की कि अल्लाह तआला सभी रोजेदारों की इबादतें कबूल फरमाए और मुल्क में अमन-ओ-अमान कायम रखे।

वेतन वृद्धि एवं अनुभव बोनस का लाभ और बकाया वेतन की मांग को सीडीओ को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। संविदा तथा आउटसोर्स कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि एवं अनुभव बोनस का लाभ और बकाया वेतन की मांग को लेकर मुख्य विकास अधिकारी को पत्र सौंपा।

सीडीयों को दिए पत्र में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखण्ड अनुबन्ध कार्यदायी संस्था M/s M.S. Vigilant Security, placement & Detective Services Pvt.Ltd. के माध्यम से एनएचए में 182 कार्मिक कार्यरत हैं। जनपद उधमसिंह नगर में आउटसोर्स एजेन्सी द्वारा कार्यरत कार्मिक विगत पांच वर्षो से निरंतर कार्य कर रहे हैं। जिसमें कार्मिकों को वार्षिक वेतन वृद्धि एवं अनुभव बोनस का लाभ अभी तक नहीं दिया गया है। नियमानुसार भारत सरकार द्वारा समस्त एनएचएम कार्यरत कार्मिकों को लाभदेयक हैं। आउटसोर्स एजेन्सी द्वारा कार्यरत कार्मिक द्वारा कोरोना महामारी के समय से विभागीय कर्मचारियों के समान कार्यों के दावित्यों का निर्वाहन किया गया, किन्तु विभागीय संविदा कर्मचारियों तथा आउटसोर्स एजेती द्वारा कार्यरत कार्मिकों के मध्य लगातार आर्थिक भेदभाव किया जा रहा है। समान कार्य करने के बावजूद भी समान वेतन लाभ नहीं मिल पा रहा है। जनपद उधम सिंह नगर में आउटसोर्स एजेन्सी द्वारा कार्यस्त कार्मिको पिछले दो माह से वेतन भुगतान ससमय नहीं हुआ है, जिससे समस्त कार्मिकों की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अवगत हो कार्यदायी आउटसोर्स एजेन्सी द्वारा कार्मिको का अनुबंध 31 जनवरी 2026 तक ही था। हम समस्त कार्मिक किस कार्यदायी संस्था में कार्यरत हैं अभी तक हमें अवगात नहीं कराया गया। साथ ही विस्तारीकरण का पत्र पृथक रूप से अभी तक अप्राप्त है, जिसमें कार्मिकों के वेतन का विवरण होता है। साथ ही कार्यदायी आउटसोर्स एजेन्सी द्वारा कार्मिकों को माह फरवरी 2025 से पीएफ एवं ईएसआईसी प्राप्त नहीं हो रहा है। कर्मचारियों ने शीघ्र समस्या का समाधान कराए जाने की मांग की।

दुकान के गोदाम में खून से लथपथ मिला जूता व्यापारी

■ सिर में लगी गोली, जांच में जुटी पुलिस

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। एक जूता व्यापारी देर रात अपनी दुकान में खून से लथपथ घायल अवस्था में मिला। घायल को रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे दिल्ली के मैक्स में रेफर कर दिया गया है। घायल की पहचान 25 वर्षीय ध्रुव चावला पुत्र अनिल चावला के रूप में हुई है, जो सिविल लाइन रोड पर पार्टनरशिप में "शू विला" नाम से जूतों की दुकान संचालित करता है। युवक को सिर में गोली लगी है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार रात करीब साढ़े आठ बजे ध्रुव का पार्टनर दुकान से चला गया था और वह अकेला दुकान पर मौजूद था। जब देर रात करीब साढ़े नौ बजे तक वह घर नहीं पहुंचा तो उसकी मां एकता ने उसे फोन किया। ध्रुव ने बताया कि वह दुकान पर है और कुछ देर में घर आ जाएगा। इसके बाद रात करीब सवा

दस बजे दोबारा फोन करने पर कॉल रिसीव नहीं हुआ। चिंतित मां ने ध्रुव के पार्टनर हरजिंदर को फोन किया। पौने 11 बजे के करीब जब हरजिंदर दुकान पहुंचा तो ध्रुव गोदाम में खून से लथपथ बेहोश पड़ा मिला। उसके सिर में गोली लगी थी। तत्काल परिजन और साथी उसे रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां हालत गंभीर देखते हुए उसे दिल्ली के मैक्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

इधर शुक्रवार को सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से एक पिस्टल बरामद हुई है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को घेरकर साक्ष्य जुटाए और जांच शुरू कर दी है। एसएसआई केसी आर्या ने बताया कि मामले की जांच आत्महत्या के प्रयास और जानलेवा हमले दोनों पहलुओं से की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। हालांकि दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे रात करीब साढ़े आठ बजे बंद हो गए थे, जिससे जांच और जटिल हो गई है।

शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि घटना के समय शोरूम के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे बंद थे। आसपास के दुकानदार भी अपनी दुकानें बंद करके जा चुके थे, जिसके कारण किसी ने गोली चलने की आवाज नहीं सुनी। पास के अन्य कैमरों की फुटेज खंगालने पर ध्रुव रात 8:11 बजे दुकान के बाहर खड़ा दिखाई दे रहा है, लेकिन उसके बाद क्या हुआ, यह अभी रहस्य बना हुआ है। व्यापारी पर गोली चलने की खबर फैलते ही शहर के व्यापार जगत में हड़कंप मच गया। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा और विजय फुटेला सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौके पर एकत्र हो गए और घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की। पुलिस का कहना है कि ध्रुव के होश में आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

कोश्यारी ने 'त्रिशूल चौक' की भव्यता देख महापौर की पीठ थपथपाई

■ बोले यह ऐतिहासिक कार्य कर रुद्रपुर का गौरव बढ़ाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। त्रिशूल चौक की स्थापना से रुद्रपुर की पहचान को नई गरिमा मिलने लगी है। पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस पहल पर महापौर विकास शर्मा की सराहना की थी, वहीं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने चौक का भव्य अवलोकन करने के बाद भावुक होकर महापौर की पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि विकास शर्मा ने यह ऐतिहासिक कार्य कर रुद्रपुर का गौरव बढ़ाया है और सच मायनों में "विकास" को साकार किया है।

रुद्रपुर प्रवास के दौरान श्री कोश्यारी गांधी पार्क में आयोजित यूएस नगर कार्निवल एवं सरस आजीविका मेले में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। मेले का अवलो. कन करने के पश्चात उन्होंने महापौर विकास शर्मा के साथ नवनिर्मित 'त्रिशूल चौक' का निरीक्षण किया। त्रिशूल चौक की भव्यता और संकल्पना को देख श्री कोश्यारी अभिभूत हो उठे। उन्होंने महापौर का नाम लेते हुए प्रसन्नता व्यक्त की और कहा, "विकास ने वास्तव में विकास का कार्य किया है।" उन्होंने इस चौक को आस्था, शक्ति और आधुनिक विकास का अद्भुत संगम बताते हुए महापौर तथा रुद्रपुर की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर की जनता ने सदैव अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोकर रखा है और त्रिशूल चौक जैसे प्रतीक आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों और गौरवशाली संस्कृति से जोड़ने में मील का पत्थर सिद्ध होंगे। इससे पूर्व गांधी पार्क में सजे भव्य मेले की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल व्यापारिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की विविध संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम बन गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से दूरदराज के स्वयं सहायता समूह और ग्रामीण शिल्पकार मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, जो 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, सुरेश कोली, धीरेंद्र मिश्रा, हिमांशु शुक्ला, जेबी सिंह, राकेश सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

'हिंदू सम्मेलन' को लेकर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले "हिंदू सम्मेलन" की तैयारियों को लेकर गदरपुर भाजपा के प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा के कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लेकर कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की।

गुंजन सुखीजा ने कहा कि संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने का यह ऐतिहासिक अवसर समाज को एकजुट करने और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश देने का है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को जोड़कर राष्ट्र निर्माण की भावना को सशक्त किया जाएगा। बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, जनसंपर्क अभियान तथा अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। आयोजकों ने जानक. ारी दी कि "हिंदू सम्मेलन" का आयोजन 22 फरवरी को प्रातः 10 बजे डॉ. हेडगेवार पार्क, आवास विकास, गदरपुर में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 28 फरवरी को प्रातः 10 बजे सनातन धर्म मंदिर, गदरपुर में भी कार्यक्रम आयोजित होगा। बैठक के अंत में समस्त नगरवासियों से इन आयोजनों में सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई। आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि गदरपुर की जनता उत्साहपूर्वक सहभागिता कर इस ऐतिहासिक आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान करेगी।

माह-ए-रमजान रहमतों और बरकतों का महीनाः रिजवान अल्वी

शाह टाइम्स संवाददाता

केलाखेड़ा। माह-ए-रमजान के मुकद्दस मौके पर केलाखेड़ा के रिजवान अल्वी ने तमाम अहल-ए-इस्लाम को दिली मुबारकबाद पेश की। उन्होंने कहा कि रमजानुल मुबारक अल्लाह तआला की रहमतों, बरकतों और मगफिरत का बेमिसाल महीना है, जिसमें बंदों पर खास करम नाजिल होता है। यह महीना इबादत, सब्र और तकव्वा के जरिए अपनी जिंदगी को संवारने का बेहतरीन मौका प्रदान करता है।

रिजवान अल्वी ने कहा कि रोजा इंसान को सिर्फ भूख और प्यास बर्दाश्त करना नहीं सिखाता, बल्कि नफ्स पर काबू पाना, गुनाहों से तौबा करना और नेक अमल की तरफ बढ़ना सिखाता है। इस पाक महीने में नमाज-ए-पांचगाना, नमाज-ए-तराव. ीह, तिलावत-ए- कुरआन, जिक्र-ओ-अजकार और दुआओं का खास एहतमाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रमजान का हर लम्हा रहमत से भरपूर है और इसमें की गई एक नेकी का सवाब कई गुना बढ़ा दिया जाता है। उन्होंने अवाम से अपील की कि जकात, सदका-ए-फित्र और खैरात के जरिए गरीबों, यतीमों और मिस्कीनों की मदद करें ताकि समाज में भाईचारा और हमदर्दी कायम रहे। आखिर में उन्होंने दुआ की कि अल्लाह तआला सभी रोजेदारों की इबादतें कबूल फरमाए और मुल्क में अमन-ओ-अमान और खुशहाली अता फरमाए।

पुलिस लाइन में हुआ साप्ताहिक परेड का आयोजन

■ नवनियुक्त एसएसपी ने जवानों के साथ लगाई दौड़

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंह नगर अजय गणपति के निर्देशन में आज शुक्रवार को पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत आयोजित इस पहली परेड के माध्यम से एसएसपी ने जनपद के पुलिस बल की दक्षता, अनुशासन और टर्न-आउट का सूक्ष्म अवलोकन किया।

परेड के दौरान जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, फायर सर्विस और विभिन्न शाखाओं के पुलिसकर्मी मौजूद रहे। एसएसपी द्वारा टोलीवार परेड का निरीक्षण किया गया तथा विभिन्न टोलियों के बीच अनुशासन और आपसी सामंजस्य हेतु सभी टोलियों से ड्रिल करवाई गई। परेड के पश्चात एसएसपी द्वारा पुलिस लाइन परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया गया।

इस दौरान उन्होंने भोजनालय में खाने की गुणवत्ता और साफ-सफाई की जांच की तथा अभिलेखों का रखरखाव गार्द रजिस्टर, आदेश कक्ष और विभिन्न शाखाओं के रिकॉर्ड्स का विधिवत मिलान किया। गार्द कमांडरों को मुल्जिम कमान ड्यूटी और सुरक्षा ड्यूटी के संबंध में कड़े दिशा-निर्देश दिए।

देश की छवि धूमिल कर रही है कांग्रेसः बिष्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष चंदन सिंह बिष्ट ने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश की छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने शुक्रवार को कहा कि विश्व देश की प्रगति, तकनीकी क्षमता और वैश्विक नेतृत्व सराहना कर रहा है। एआई इम्पैक शिखर सम्मेलन में विश्व भारत से सीख ले रहा है, लेकिन कांग्रेस देश की व्यवस्थाओं पर सवाल उठा रही है। कहा कि पार्टी राष्ट्रहित, देश की एकता और सम्मान के प्रश्न पर किसी भी प्रकार की राजनीति को

स्वीकर नहीं करेगी। उन्होंने कांग्रेस माफी मांगने को कहा है।

नृत्य प्रतियोगिता में नेशनल पब्लिक स्कूल की टीम बनीं विजेता

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। गांधी पार्क में आयोजित सरस आजीविका मेले में सातवें दिन शुक्रवार को विद्यालयी शिक्षा विभाग की नृत्य प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।

समूह नृत्य प्रतियोगिता में विकासखण्ड रुद्रपुर, गदरपुर एवं सितारगंज के विभिन्न विद्यालयों की 15 टीमों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य प्रतियोगिता के दौरान देशभक्ति गीत, प्रेरणा गीत एवं लोक गीतों पर उत्कृष्ट समूह नृत्य का प्रदर्शन किया गया।

निर्णायक मण्डल द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर नृत्य प्रतियोगिता में नेशनल पब्लिक स्कूल रुद्रपुर की टीम प्रथम स्थान, सनातन धर्म कन्या इण्टर कालेज रुद्रपुर की टीम ने द्वितीय स्थान एवं इएलपीएस रुद्रपुर व पुलिस मॉर्डन स्कूल टीमों ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समूह नृत्य प्रतियोगिता की निर्णायक सुमन ब्यास ने सभी टीमों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता की समाप्ति के पश्चात् प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त टीमों को पुरस्कृत किया गया तथा समस्त प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर पीडी हिमांशु जोशी, सहायक निदेशक मत्स्य संजय कुमार छिमवाल, खण्ड विकास अधिकारी शेखर चन्द्र जोशी, प्रतियोगिता के कार्यक्रम समन्वयक मोहन उपाध्याय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता का संचालन संयुक्त रूप से विभु कृष्णा, हरीश दनाई एवं संजीव बुधौरी द्वारा किया गया।

पुलिस ने घर से भटकी बच्ची को परिजनों से मिलाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। घर से भटकी हुई तीन वर्षीय बच्ची को पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद उसके परिजनों से मिलाये जाने का सराहनीय कार्य किया।

शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन पर रोटी बिखलती हुई भटकती हुयी एक बच्ची को लेकर कोतवाली पहुंचे व महिला डेक्स में तैनात कांस्टेबल रेशु को सोंप कर चले गये। बच्ची अपना नाम अनबिया, पिता का नाम उस्मान, माता का नाम रेशमा, अपनी टीचर का नाम आरजू बता रही थी मगर घर का पता नही बता या रही थी। कोतवाली के मुंशी शेखर बिष्ट, कांस्टेबल संजय सिंह व महिला कांस्टेबल रेशु के द्वारा परिचितों के जरिये सोशल मीडिया में काफी पोस्ट डलवाई गयी तथा कांस्टेबल सजंय सिंह बच्ची को लेकर उसके द्वारा नामो को खोजते रहे बाद में उनकी मेहनत कामयाब हुई और ग्राम पूँछड़ी में बच्ची के पिता मिल गया। पिता ने बताया कि वह बच्ची को रेलवे स्टेशन स्थित उसकी नानी के घर छोड़कर आया था। फिलहाल बच्ची के परिजन मिलने पर उसके पुलिस ने राहत की सांस ली।

घर के सामने कूड़े का ढेर लगाए जाने से परेशान परिवार ने नगर पंचायत से लगाई गुहार

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर/सुल्तानपुर पट्टी। मोहल्ला शिव नगर, सुल्तानपुर निवासी मुकर्रम पुत्र हैदर खाँ ने शुक्रवार को नगर पंचायत सुल्तानपुर में शिकायती पत्र देकर घर के सामने कूड़े-कचरे का बड़ा ढेर लगाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष, नगर पंचायत सुल्तानपुर से मामले में कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, पिछले लगभग दो वर्षों से पड़ोस में रहने वाली दो महिलाओं द्वारा उनके घर के आंगन के सामने करीब एक ट्रॉली कूड़ा डाला जा रहा है। आरोप है कि कूड़े के ढेर के कारण घर में सांप-बिच्छू घुसने की घटनाएं बढ़ गई हैं।

विरोध करने पर विवाद और मारपीट की नौबत आने का भी आरोप लगाया गया है। मुकर्रम का कहना है कि गंदगी और दुर्गंध के कारण परिवार को गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों में डेंगू, एलर्जी और प्लेटलेट्स कम होने जैसी स्वास्थ्य समस्याएं सामने आ रही हैं।

घर के आसपास फैली बदबू से सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। इसके अतिरिक्त शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित लोगों द्वारा लगाया गया एक पुराना और बड़ा पेड़ भविष्य में गिरकर जानमाल का नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे आसपास के निवासियों में भय का माहौल है। और मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा मोहल्ले को गंदगी से मुक्त कराने की मांग की है।

बाबा साहेब पर अभद्र टिप्पणी करने वाला दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर । जसपुर क्षेत्र ग्राम आसपुर निवासी एक लड़के द्वारा संविधान रचयिता डॉ भीमराव अंबेडकर के विषय में अभद्र भाषा का प्रयोग कर वीडियो वायरल कर दिया, जिस कारण क्षेत्र में और शांति फैल गई। पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए वीडियो वायरल करने वाले युवक को त्वरित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार कल विमल कुमार अन्य साथियों के साथ तहरीर देकर अवगत कराया था की अनिकेत चौहान नामक लड़के ने बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर को अपशब्दों से अपमा. नित करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल की है, जिससे क्षेत्र के लोगों में बेहद आक्रोश है। अनिकेत के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही की मांग करते हुए कठोर कार्यवाही किए जाने हेतु अनुरोध किया गया था।

तहरीर के आधार पर कोतवाली जसपुर में मुदकमा पंजीकृत कर अभियुक अनिकेत कुमार को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

विधायक ने सहायता राशि के चेक बांटे

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने मुख्यमंत्री के विवेकाधीन कोष से स्वीकृत 35 पात्र परिवारों को सहायतार्थ के लिए चार लाख,तेरानब्बे हजार की सहायता राशि के चेक भाजपा कार्यकर्ताओं और राजश्व निरीक्षकों के साथ वितरित किये।विधायक ने कहा की हमारी सरकार अन्तिम छोर में खडे व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजना पहुंचाने को संकल्पित है।

इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व पालिकाध्यक्ष भगीरथ लाल चौधरी,भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, बलदेव रावत, किशोरी लाल, धनेश्वरी घिड़ियाल, गमोहन सिंह बिष्ट, मनमोहन बिष्ट, इंदर लाल,कपिल रावत, लक्ष्मण सिंह रावत, नरेंद्र बिष्ट, पृथ्वी रावत,विकास अग्रवाल अनुज कुमार,देवेंद्र सिंह, प्रकाश थापा,राजस्व उप निरीक्षक राहुल आर्य आदि मौजूद रहे।

विधायक के कैंप ऑफिस पर अतिक्रमण नोटिस चस्पा

■ खुद विधायक पत्र लिख कर बोले, सरकारी जमीन हो तो कब्जा लो!

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। विधायक अरविंद पांडेय एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार मामला बयानबाजी का नहीं, बल्कि कथित अतिक्रमण का है। क्षेत्र के वार्ड नंबर 3, गुलरभोज स्थित उनके कैंप कार्यालय को लेकर प्रशासन ने अतिक्रमण का नोटिस थमा दिया था नोटिस संख्या 2654, दिनांक 19 जनवरी 2026 के आधार पर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हुई। जिसमें प्रशासन ने 15 दिन का समय देते हुए खुद अतिक्रमण हटाने का नोटिस चश्पा किया था, जिसे लगभग एक माह बीत गया।

दिलचस्प बात यह है कि विधायक ने खुद शुक्रवार को प्रशासन को पत्र लिखकर स्पष्ट कहा है कि उनके कार्यालय और आवास का उनकी उपस्थिति में सीमांकन कराया जाए और यदि सरकारी भूमि पाई जाए तो तत्काल कब्जे में ले लिया जाए। अरविंद पांडे विधायक ने पत्र 19 फरवरी 2026 को जारी किया गया, जिसमें उन्होंने यह भी लिखा कि उन्हें और उनके वारिसों को किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होगी।

मामला गदरपुर विधानसभा का है जहां प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच अक्सर जमीन संबंधी विवाद चर्चा में रहते हैं। ऐसे में यह कदम राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर रहा है। क्या यह पारदर्शिता का संदेश है या फिर सियासी दांव? चर्चाओं का बाजार गर्म है। राजनी. तिक गलियारों में माना जा रहा है कि इस पहल से पांडेय ने विरोधियों को सीधा जवाब देने की कोशिश की है। अब निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं। क्या सीमांकन के बाद सच्चाई सामने आएगी या मामला ठंडे बस्ते में जाएगा?

गुलदार की खाल के साथ तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। उत्तराखंड के चम्पावत जिले में पुलिस एवं वन विभाग को बड़ी कामयाबी मिली है। वन विभाग की टीम ने गुलदार की खाल के साथ वन्य जीव तस्कर को गिरफ्तार किया। चल्थी पुलिस चेक पोस्ट पर चेकिंग के दौरान वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने एक व्यक्ति को गुलदार की खाल के साथ गिरफ्तार किया है।

एसपी चंपावत रेखा यादव के निर्देश में क्षेत्राधिकारी वंदना वर्मा के नेतृत्व में एसओजी द्वारा कार्यवाही करते हुए चम्पावत के चल्थी में पुलिस व वन विभाग की टीम के साथ चल्थी क्षेत्र से चैकिंग के दौरान अभियुक्त ईश्वर राम उर्फ दीपक पुत्र लछराम निवासी तल्ली खटोली चम्पावत को एक गुलदार की खाल के साथ गिरफ्तार किया है। गुलदार के खाल कीलंबाई करीब 162 सेंटीमीटर के आसपास है। मामले में रेंज कार्यालय सुखीढांग में एसओजी प्रभारी कमलेश भट्ट घ्द्वारा सुसगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया। पूछताछ में आरोपी ईश्वर राम उर्फ दीपक के द्वारा बताया गया उसके और ताऊ के लड़के चन्दन राम पुत्र खुशराम ने लगभग डेढ़ साल पहले जंगली जानवरों को पकड़ने के लिए फंदा लगाया गया था पर गलती से गुलदार फंदे में फंस गया था, जिस कारण उसकी मौत हो गई थी। जिसकी बाद में उनके द्वारा खाल निकाल ली गई थी। वन विभाग ने आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 (संशोधित 2002) की विभिन्न धाराओं में केस संख्या 08/बूम/2025-26 के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीवों के अवैध शिकार एवं तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस टीम में कमलेश भट्ट एसओजी प्रभारी, राकेश कठायत, हेका ललित श्रीवास्तव, तपेन्द्र जोशी, का. ललित चौधरी,राजकुमार, सूरजकुमार, उमेश राज, नासिर हुसैन, कमलनाथ गोस्वामी शामिल रहे।

एक नजर

मेयर कल्पना देवलाल ने इंजी. ललित शौर्य को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। सीमांत के चर्चित साहित्यकार एवं उद्घोषक इंजी. ललित शौर्य को मेयर कल्पना देवलाल ने उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए नगर निगम कार्यालय में सम्मानित किया। सम्मानित करते हुए मेयर देवलाल ने कहा कि साहित्यकार शौर्य अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न उपलब्धियां प्राप्त कर रहे हैं। बरेली, दिल्ली, राजधानी देहरादून में आयोजित हुए लोक संस्कृति के उत्सवों में ललित के संचालन की सभी ने प्रशंसा की है। ललित शौर्य को ये उपलब्धियां जनपद को गौरवान्वित करने वाली हैं। इस अवसर पर साहित्यकार लक्ष्मी आर्या, पार्षद त्रिलोक महर, मोनू चौसाली, राहुल लुंठी, ललित भट्ट, भावना नगरकोटी आदि लोग उपस्थित थे।

लघु रोजगार मेला 27 फरवरी को

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जिला सेवायोजन कार्यालय, पिथौरागढ़ द्वारा कार्यालय परिसर में एक दिवसीय लघु रोजगार मेले का आयोजन 27 फरवरी को प्रात: 11:00 बजे किया जा रहा है। उक्त रोजगार मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा अस्थायी पदों पर नियुक्ति हेतु प्रतिभाग किया जाएगा।

रोजगार मेले में प्रतिभाग करने वाले प्रमुख नियोजकों में Tata Motors, MRF, Tata Electronics, Utkarsh Small Finance Bank, Barbeque Nation, Blinkit rFkk HDFC Life Insurance सहित अन्य प्रतिष्ठान सम्मिलित हैं। रोजगार मेले के अंतर्गत अपरेंटिस ट्रेनी, ऑपरेटर ट्रेनी, कलेक्शन ऑफिसर, गेस्ट सर्विस एसोसिएट, ब्रांच डेवलपमेंट मैनेजर, बीमा सखी/अभिकर्ता आदि विभिन्न पदों पर लगभग 1500 से अधिक रिक्त पदों पर चयन किया जाएगा। इन पदों हेतु शैक्षिक योग्यता 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक एवं बी.टेक (यांत्रिक/इलेक्ट्रॉनिक्स आदि) निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों की आयु सीमा सामान्यत: 18 वर्ष से 35 वर्ष तक निर्धारित है, जबकि कुछ पदों हेतु अधिकतम आयु 50 वर्ष तक निर्धारित की गई है।

इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), आधार कार्ड, चार पासपोर्ट साइज फोटो एवं अद्यतन बायोडाटा के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर रोजगार मेले का लाभ उठा सकते हैं।

न्याय पंचायत चहज में लगा शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद पिथौरागढ़ में "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखण्ड गंगोलीहाट की न्याय पंचायत चहज में राइका चहज परिसर में शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आशीष पुनेठा, परियोजना निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण द्वारा की गई।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में फकीर राम टम्टा विधायक गंगोलीहाट, ब्लॉक प्रमुख गंगोलीहाट विनोद प्रसाद सहित कुल 25 जनप्रतिनिधि एवं 73 अधिकारी/कार्मिक उपस्थित रहे। शिविर में लगभग 520 व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 516 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से लाभ प्रदान किया गया। शिविर के दौरान कुल 141 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 112 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 29 शिकायतों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। शिविर में जनसंवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा पेयजल, सड़क, विद्युत लाइन, आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं आदि से संबंधित समस्याएं रखी गईं। परियोजना निदेशक द्वारा प्रत्येक समस्या की गंभीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों को त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर परियोजना निदेशक द्वारा सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से आगामी न्याय पंचायतों में आयोजित होने वाले शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया गया, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। साथ ही समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिविर में स्वयं उपस्थित रहकर अधिकतम समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करें तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को संतृप्त किया जाए।

हर शिकायत का हो समयबद्ध निस्तारण: डीएम

■ महिलाओं की सुरक्षा पर सख्त रुख

■ वन स्टॉप सेंटर में डीएम ने की औचक जांच

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विकासखंड विण स्थित वन स्टॉप सेंटर का आज जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगाई द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, व्यवस्थाओं एवं पीड़ित महिलाओं को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र में स्थापित C-DAC द्वारा संचालित 181 महिला हेल्पलाइन कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली की जानकारी विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्राप्त की। उन्होंने कॉल सेंटर में प्राप्त शिकायतों की प्रकृति, पंजीकरण प्रक्रिया, त्वरित कार्रवाई एवं निस्तारण की स्थिति की गहन समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 181 हेल्पलाइन पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का संवे. दनशीलता, गोपनीयता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को आपातकालीन सहायता, कानूनी परामर्श, चिकित्सा सुविधा, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग तथा अस्थायी आश्रय जैसी समेकित सेवाएं प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अत: केंद्र की कार्यप्रणाली में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा पीड़ित महिलाओं को त्वरित राहत उपलब्ध कराई जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने रिकॉर्ड पंजिकाओं, शिकायत रजिस्टर, आगंतुक पंजि. का, काउंसलिंग विवरण सहित अन्य अभिलेखों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अभिलेख सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखे जाएं। साथ ही केंद्र में स्वच्छता, सुरक्षा एवं गोपनीय वातावरण बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

इस अवसर पर सीडीपीओ मूनाकोट ज्योति महर सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

करोड़ों के लंबित मनरेगा के भुगतान के लिए निवर्तमान प्रधान व बीडीसी परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। विकासखंड खटीमा के ग्रामीण क्षेत्र में वर्ष 2024-25 में भारत सरकार की मनरेगा योजना से किए गए कार्यों का अभी तक भुगतान नहीं हो सका है। भुगतान के लिए निवर्तमान ग्राम प्रधान व क्षेत्र समिति सदस्य खंड विकास अधिकारी, जिला प्रशासन सहित विधायक, सांसद एवं मुख्यमंत्री दरबार तक चक्कर लगा रहे हैं।

ग्राम पंचायत बिरिया के निवर्तमान ग्राम प्रधान ने अपना वीडियो वायरल कर भुगतान न मिलने पर आत्महत्या की धमकी तक दी थी। वर्ष 2024ख्25 के दौरान विकासखंड क्षेत्र के ग्रामीण जनप्रति. निधि ने भारत सरकार की मनरेगा योजना के तहत खुरली, बकरी, मुर्गी वाडे, संपर्क मार्ग, पशु चारा नॉद आदि विकास कार्य संपन्न कराए थे। लेकिन इनका लगभग 8 करोड़ से अधिक का भुगतान अभी तक नहीं हो सका है। मनरेगा के भुगतान को लेकर ग्राम प्रधानों का एक शिष्टमंडल शासन प्रशासन सहित सांसद अजय भट्ट से हल्द्वानी मिल चुका है। ग्रामीण जनप्रतिनिधि रहे कई लोगों ने यह भी बताया कि उनके द्वारा भुगतान को लेकर मामला सीएम पोर्टल पर भी भेजा गया है। लेकिन भुगतान नहीं हो सका। मनरेगा का भुगतान नहीं होने से निवर्तमान ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य शासन प्रशासन का चक्कर काट रहे हैं।

8.73 करोड़ मध्ये 46 लाख का भुगतान मिल चुका है : बीडीयो संजय गांधी

खटीमा। मनरेगा के लंबित भुगतान के संबंध में खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गांधी ने बताया कि 8 करोड़ 73 लाख लंबित भुगतान मध्ये 46 लाख का भुगतान मिल चुका है। शेष भुगतान के जल्दी मिलने की उम्मीद है।बीडीयो गांधी ने बताया कि मनरेगा के लंबित भुगतान के इस संबंध में 19 फरवरी को ब्लॉक सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंत्री गणेश जोशी जी सहित जिला प्रशासन के समक्ष वार्ता हुई है। बीडीयो गांधी ने बताया कि अब मनरेगा का लंबित भुगतान शीघ्र मिलने की उम्मीद है।

बाजपुर चीनी मिल मैदान में 24 को होगा हिंदू महासम्मेलन व महायज्ञ

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। नगर के बाजपुर चीनी मिल मैदान में आगामी 24 फरवरी को आयोजित होने वाले हिंदू महासम्मेलन एवं महायज्ञ को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के तहत आयोज. कों द्वारा नगर में शुक्रवार को व्यापक स्तर पर पत्रक एवं धार्मिक सामग्री वितरित कर जनसम्पर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान आयोजकों ने घर-घर जाकर नगरवासियों से महायज्ञ एवं महासम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की।

आत्महत्या करने जा रही नाबालिग छात्रा को पुलिस ने बचाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। मुरादाबाद उत्तर प्रदेश की रहने वाली एक नाबालिग छात्रा कोसी बैराज रामनगर में आत्महत्या करने जा रही थी।कोतवाली पुलिस के जवानों ने छात्रा को बचा लिया।गुरुवार रात को कांस्टेबल प्रीतम चौधरी और कांस्टेबल नरेंद्र कुमार आईआरबी फर्स्ट बैलपड़ाव रामनगर कोतवाली रामनगर से इनकी ड्यूटी कोसी बैराज पर लगी थी।उसी समय रात में वह छात्रा आत्महत्या करने जा रही थी। दोनों सिपाहियों ने उसको पकड़कर इसकी जान बचाकर रामनगर कोतवाली में ले आए। पूछताछ करने पर उसने मुरादाबाद निवासी बताया। उसने बताया कि उसका नाम प्रिया पुत्री राजकुमार है।उसकी उम्र 14 वर्ष और 9 कक्षा में मुरादाबाद में पढ़ती है। कोतवाली पुलिस द्वारा उसके परिजनों को मुरादाबाद सूचना देकर उसके परिवार को बुलाकर परिजनों के सुपुर्द किया गया

तलवार फॉर्म भूमि विवाद मामले में जोरदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। भारत नेपाल सीमा से सटे स्वतंत्रता आंदोलन में शहीद परिवार तलवार फॉर्म की 125 एकड़ भूमि में खड़ी फसल को प्रशासन की मौजूदगी में बिना किसी वैधानिक आदेश के लगभग 30 ट्रैक्टरों से जोतकर बर्बाद करने के मामले में 20 दिन बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर क्षेत्र के सैकड़ों आक्रोशित किसानों, ग्रामीणों व कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विधायक व उप नेता प्रतिपक्ष भुवन चंद्र कापड़ी के नेतृत्व में दोषियों व सरकार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया तथा सैकड़ों आक्रोशित ग्रामीण, किसान व कांग्रेसी कार्यकर्ता विशाल जुलूस के साथ नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर पहुंचे। जहां पर भी उन्होंने सरकार व दोषियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं उन्होंने तहसील परिसर में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गीता गौतम के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच, दोषी अधिकारियों व संबंधित भूमाफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने हेतु स्पष्ट प्रशासनिक दिशा निर्देश जारी करने तथा तलवार परिवार के साथ न्याय की मांग की। वहीं आक्रोशित लोगों ने बताया कि प्रशासन व पुलिस की मौजूदगी में 125 एकड़ में खड़ी फसल को जोतना बेहद चिंता जनक है। उन्होंने कहा कि इस घटना से क्षेत्र में अभी तक भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। वहीं खटीमा विधायक भुवन चंद्र कापड़ी ने प्रकरण की निष्पक्ष जांच व दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। इस दौरान अमरीक सिंह, छिंद्रपाल सिंह, सतनाम सिंह मल्ली, निर्मल सिंह, सुरजीत सिंह, बलदेव सिंह, दीपक कुमार, नरेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, बॉबी राठौर, नरेंद्र आर्य, सत्यजीत सिंह, मलकीत सिंह, कुलदीप सिंह, गुरविंदर सिंह गोवा सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

ओवरलोडिंग के खिलाफ अभियान तेज, जिले में 17 वाहन सीज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। ऊधमसिंह नगर में बढ़ते ओवरलोडिंग डंपरों के कारण सड़क हादसों की रोकथाम को लेकर व्यापक स्तर पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। वहीं 24 ओवरलोड वाहनों के चालान किए गए। इनमें से 17 वाहनों को सीज किया गया, जबकि 14 वाहनों के विरुद्ध न्यायालय में चालान प्रेषित किए गए। कोतवाली काशीपुर क्षेत्र में दो वाहनों पर कार्रवाई करते हुए दोनों को सीज कर कोर्ट चालान किया गया।

आईटीआई कोतवाली में एक वाहन का चालान कर न्यायालय भेजा गया। केलाखेड़ा क्षेत्र में दो वाहनों को सीज कर उनके कोर्ट चालान किए गए। पंतनगर में दो वाहनों को सीज किया गया। कोतवाली कच्छा में तीन वाहनों के चालान, दो सीज और एक कोर्ट चालान की कार्रवाई की गई। थाना पुलभट्टा में तीन वाहनों के चालान कर तीनों को सीज किया गया और न्यायालय भेजा गया।

सितारगंज में पांच वाहनों के चालान कर उन्हें सीज किया गया। यातायात रुद्रपुर इकाई ने छह वाहनों के चालान किए, जिनमें एक को सीज और पांच के कोर्ट चालान किए गए।

भाजयुमो का प्रदर्शन, राहुल गांधी का पुतला फूंका

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। 16 फरवरी से 20 फरवरी तक नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के दौरान कथित हंगामे के विरोध में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने शुक्रवार देर सायं बेरिया तिराहा पर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राहुल गांधी का पुतला दहन किया।

भाजयुमो मंडल अध्यक्ष शुभम पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में वक्ताओं ने कहा कि एआई समिट देश को तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर भारत की भागीदारी मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। कार्यक्रम में विभिन्न देशों की बड़ी कंपनियों और सॉफ्टवेयर इंजीनियरों ने हिस्सा लिया है, जो भारत के तकनीकी विकास में सहयोग कर रहे हैं। भाजपा नेताओं का आरोप है कि समिट के दौरान कांग्रेस से जुड़े कुछ युवाओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कार्यक्रम को लेकर आपत्तिजनक बयानबाजी की गई, जिससे समिट की भावना आहत हुई। मंडल अध्यक्ष सुमन पांडे ने कहा कि विकास के महाकुंभ में अराजकता फैलाना कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा रह गया है, जो देश के प्रति उनकी निष्ठा पर प्रश्नचिह्न लगाता है। प्रदर्शन में उशांत सब्बरवाल, विक्की राजहंस, गौरव शर्मा, अमन भारद्वाज, मयंक पाण्डेय, राहुल सैनी, दीपांशु पटेल, ऋषांक द्विवेदी, अंकित पाण्डेय, उत्कर्ष, विवेक, गौरव, रुद्र ठाकुर, तेजश्वी सहित दर्जनों युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रीठाखाल में जल्द लगेगा एटीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। जनपद के दूरस्थ रीठाखाल क्षेत्र में एटीएम स्थापित करने की मांग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। जिलाधिकारी के निर्देश के बाद लीड बैंक कार्यालय, चम्पावत ने इस संबंध में औपचारिक पत्र जारी कर संबंधित बैंक से आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है।

भारतीय स्टेट बैंक के लीड बैंक कार्यालय, महालक्ष्मी मार्केट, चम्पावत द्वारा जारी पत्र में नैनीताल बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक को रीठाखाल क्षेत्र में एटीएम स्थापित किए जाने के संबंध में निर्देशित किया गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि जिलाधिकारी चम्पावत को प्राप्त अनुरोध के क्रम में विकास खंड पाटी के रीठाखाल क्षेत्र में एटीएम की आवश्यकता बताई गई है, ताकि स्थानीय जनता को नगद निकासी के लिए दूर-दराज न जाना पड़े। वर्तमान में क्षेत्र के लोगों को बैंकिंग सुविधा के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है।

जंगल में वनाग्नि की रोकथाम को की चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कार्बेट टाइगर रिजर्व के सभागार रामनगर में वनाग्नि की रोकथाम में आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग के संबंध में वन विभाग के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कार्बेट के डायरेक्टर डॉक्टर साकेत बडोला ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण एवं वन अग्नि प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की सहायता से वनाग्नि की घटनाओं में कमी लाना और जल्द सूचना प्रणाली को सुदृढ़ बनाना है।

बैठक में उन्होंने बताया कि वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर इंडिया द्वारा एक अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर डैशबोर्ड विकसित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से वनाग्नि की निगरानी, विश्लेषण एवं त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। इस डैशबोर्ड के उपयोग से वनाग्नि की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में सहायता मिलेगी। इस दौरान कॉर्बेट डायरेक्टर डा. साकेत बडोला, डिप्टी डायरेक्टर राहुल मिश्रा, डीएफओ प्रकाश चन्द्र आर्या, ध्रुव मर्तोलिया, बिन्दर पाल, संदीप गिरी, अंकित बडोला, डा. आरेन्द्र, डॉक्टर आरेंद्र, डा. अनिल, डा. मिराज, विभौर वर्मा. कृष्णा राज, संजय पाण्डे, नवीन चन्द्र पाण्डे आदि थे।

डी-सीआरजी बैठक में एचआईवी कार्यक्रम की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

> बाजपुर और सितारगंज में आईसीटीसी सेंटर के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

रुद्रपुर। ऊधमसिंह नगर में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को डी-सीआरजी (एचआईवी-एड्स) कार्यक्रम की बैठक हुई। बैठक में एचआईवी-एड्स कार्यक्रम के तहत संचालित गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई और बाजपुर और सितारगंज में आईसीटीसी सेंटर के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए।

सीडीओ दिवेश शाशनी ने उच्च जोखिम समूह से आए सामुदायिक प्रतिनिधियों के साथ संवाद करते हुए उनके समुदाय के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों व भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने समुदाय आधारित हस्तक्षेपों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। बैठक में जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी व जिला नोडल अधिकारी (एचआईवी-एड्स) कार्यक्रम ने एचआईवी जांच सेवाओं, परामर्श सुविधाओं व एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) दवाओं की उपलब्धता की जानकारी दी। सीडीओ के ओर से बाजपुर व सितारगंज में आईसीटीसी सेंटर खोले जाने को लेकर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए और उच्च जोखिम समुदायों को आजीविका से जोड़ने के लिए क्षमता वर्धन कार्यक्रम संचालित करने पर भी बल दिया गया।

बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेन्द्र मलिक, डॉ. श्वेता दीक्षित (क्लस्टर कार्यक्रम प्रबंधक), डॉ. जयंत नंद जोशी (क्लिनिकल सर्विस ऑफिसर), आराधना श्रीवास्तव (डाटा व डॉक्यूमेंटेशन ऑफिसर), कृष्णा, आशा, पिंकी, ललित पंत व मुकेश सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एचआईवी मरीज़ को चिकित्सा आधार पर ज़मानत

हत्या के प्रयास के आरोपी को हाईकोर्ट ने मानवीय निर्णय लेकर दी राहत

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट एक महत्वपूर्ण मानवीय निर्णय लेते हुए हत्या के प्रयास के मामले में सजा काट रहे एक कैदी जो कि एचआईवी पीड़ित है को चिकित्सा आधार पर जमानत दे दी है। बता दें न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की एकल पीठ ने अपीलकर्ता बिजेंद्र सिंह (काल्पनिक नाम) की गंभीर स्वास्थ्य स्थिति, विशेष रूप से उसके एचआईवी पॉजिटिवश होने और जेल में उचित उपचार की कमी की दलीलों को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। मामला कुमाऊं मंडल के ऊधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर थाने से संबंधित है। ट्रायल कोर्ट (तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश) रुद्रपुर ने 7 जनवरी 2025 को उक्त आरोपी और अन्य को भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत

दोषी ठहराया था। कोर्ट ने उन्हें 10 साल के कठोर कारावास और 20 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई थी जिसके खिलाफ अपीलकर्ताओं ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अपीलकर्ता के अधिवक्ताओं ने अदालत को बताया कि याची एचआईवी पॉजिटिव है और उसकी स्थिति जेल में रहने के दौरान लगातार बिगड़ रही है। उन्होंने तर्क दिया कि एड्स जैसी बीमारी के लिए निरंतर और विशेष चिकित्सा देखरेख की आवश्यकता होती हैए जो जेल परिसर में मुहैया नहीं हो पा रही है। इस लाप. रवाही का असर उसके जीवन पर पड़ सकता था। कोर्ट के निर्देश पर राज्य सरकार की ओर से आरोपी की मेडिकल रिपोर्ट पेश की गई। सरकारी वकील ने कोर्ट में तर्क दिया कि जेल प्रशासन द्वारा कैदी को पर्याप्त चिकित्सा सहायता दी जा रही है और जरूरत पड़ने पर उसे उच्च चिकित्सा केंद्रों में भी रेफर किया गया है। हालांकिए कोर्ट ने अपीलकर्ता की बीमारी की गंभीरता को देखते हुए उसे निरंतर और अबाधित इलाज की सुविधा देना आवश्यक समझा। कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि एच आई वी पॉजिटिव होने के कारण निरंतर और विशेष उपचार की आवश्यकता को देखते हुए जमानत के पर्याप्त आधार मौजूद हैं। मामले की अगली सुनवाई अब 11 मई सोमवार को निर्धारित की गई है।

पार्षद नितिन त्यागी के विरुद्ध जांच की कार्यवाही पर अंतरिम रोक

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने नगर निगम हरिद्वार के एक पार्षद नितिन त्यागी के विरुद्ध जिलाधिकारी द्वारा शुरू की गई जांच की कार्यवाही पर अंत. रम रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने इस मामले में राज्य सरकार और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक संबंधित जांच प्रक्रिया स्थगित रहेगी। यह विवाद अपीलकर्ता द्वारा नगर पालिका चुनाव के दौरान नामांकन पत्र में दिए गए विवरणों और खुलासों से जुड़ा है। एक निजी शिकायत के आधार पर जिला. धिकारी हरिद्वार ने इन खुलासों की सत्यता की जांच के आदेश दिए थे। अपीलकर्ता ने इसे चुनौती देते हुए तर्क दिया कि जिलाधिकारी के पास इस प्रकार की जांच का कोई कानूनी अधिकार नहीं है विशेषकर तब जब चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी हो। इस मामले में केवल चुनाव याचिका दायर हो सकती है। इस मामले में एकलपीठ ने पूर्व में याचिकाकर्ता के तर्को को अस्वीकार किया था । जिसके बाद उन्हें जांच समिति के समक्ष पेश होने के लिये 28 नवंबर 2025 को नोटिस जारी हुआ था। खण्डपीठ ने एकलपीठ के आदेश को त्रुटिपूर्ण माना है। इस मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च मंगलवार को होगी।

एनएसएस शिविर सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। चंद्रावती तिवारी कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें दिन लाइव सेट एप्लीकेशन के फाउंडर अमृतेश पार्थ द्वारा लाइव सेट विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस विषय के अंतर्गत स्वयंसेवियों को ऐप डाउनलोड एवं रजिस्ट्रेशन, प्लेसमेंट, सोशल मीडिया, इवेंट, अलर्ट सिस्टम, इंटरनलशिप, आदि की जानकारी दी गई। सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन मुख्य अतिथि मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. सिद्धांत माथुर के करकमलों से हुआ। शिविर समापन में स्वयंसेवियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, सड़क सुरक्षा पर आधारित नुक्कड़ नाटक, कुमाऊंनी, गढ़वाली हरियाणवी, शास्त्रीय नृत्य, एवं लक्ष्य गीत आदि प्रस्तुत किये। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कीर्ति पन्त ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। मंच का संचालन डॉ. वंदना सिंह द्वारा किया गया।

एक नजर

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

नैनीताल। शहीद श्री खेमचंद डौर्बी राजकीय महाविद्यालय बेतालघाट में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य विनय कुमार विद्यालंक. ार द्वारा की गई। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि एनएसएस के शिविर हमें समाज के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। आगामी शिविरों में प्रतिभाग के लिए उत्साहित किया। प्रथम सत्र में स्वयंसेवियों ने महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई की तथा परिसर में लगे पौधों की गुड़ाई की द्वितीय सत्र में एनएसएस सदस्य डा. निर्मला ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की एक सौ पचासवीं जयंती के अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मडंल की भूमिका में डा. ईप्सिता व डा. दीपक रहे। प्रतियोगिता में छाया, बबीता, निधि तिवारी, उर्मिला तथा आरती ने प्रतिभाग किया।

छात्र-छात्राओं को पिछौड़ा बनाने का प्रशिक्षण

नैनीताल। माता जिया रानी महिला अध्ययन केंद्र कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल में छात्र-छात्राओं ने पिछौड़ा बनाने का प्रशिक्षण लिया। इस दौरान माता जिया रानी महिला अध्ययन केंद्र में केयूआईआईसी की टीम द्वारा पारंपरिक कला पिछौड़ा बनाने पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में केयूआईआईसी की टीम की प्रो. गीता तिवारी और डा. पेनी जोशी के मार्गदर्शन में छात्र छात्राओं को पिछौड़ा बनाने की बारीकियां सिखाई गईं। कार्यक्रम में 60 से अधिक छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पारंपरिक डिज़ाइन, रंग संयोजन तथा बनाने की तकनीक को व्यावहारिक रूप से जाना। डा. किरन तिवारी ने बताया कि पिछौड़ा कुमाऊँ की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे संरक्षित करना समय की आवश्यकता है। प्रोफेसर नीता बोरा शर्मा माता जिया रानी महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक हैं जिनके संरक्षण में रंग .वाली पिछौड़ा की सफल प्रशिक्षण का कार्य भी विगत वर्ष से किरन तिवारी और उनकी टीम के द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर राकेश, सचिन, सरिता और निकिता भी उपस्थित रहे।

भवाली व मंगोली में हिन्दू सम्मेलन कल

नैनीताल। नैनीताल जिले के भवाली तथा मंगोली में 22 फरवरी यानी रविवार को भव्य हिंदू सम्मेलन होगा। बता दें भवाली में यह आयोजन पालि. का मैदान में होगा। आयोजन को लेकर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं और इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक संजय वर्मा ने बताया कि यह विराट हिन्दू सम्मेलन देव भूमि धर्म जागरण समिति के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। दूसरी ओर मंगोली/खुर्पाताल श्रीराम हिन्दू सेवा समिति के तत्वाधान में रविवार को श्रीरामलीला मैदान मंगोली में विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य धार्मिक आयोजन किया जा रहा है जिसमें सुन्दर काण्ड समेत भण्डारा कार्यक्रम होना सुनिश्चित हुआ है। कार्यक्रम सुबह 8 बजे से शुरु होगा। मुख्य वक्ता स्वामी श्री सच्चिदानंद चित्रकूट महाराज होंगे। जबकि अध्यक्षता जिला पंचायत नैनीताल की उपाध्यक्षा देवकी बिष्ट करेंगी।

उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षाएं आज से

नैनीताल। नैनीताल के परगना मजिस्ट्रेट नवाजिश खलिक ने बताया कि जनपद में उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर द्वारा आयोजित परिषदीय की हाईस्कूल तथा इण्टरमीडियट परीक्षाएं 21 फरवरी से शुरु हो रही हैं जो आगामी 20 मार्च 2026 तक परीक्षा केन्द्रो में आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि उपरोक्त परीक्षाओं को सुचारू एवं शन्तिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने हेतु उचित प्रशासनिक एंव पुलिस कानून व्यवस्था बनाये जाने हेतु नैनीताल के भा.श.सै.इं.का, सीआरएसटीइंका, मोला. साबाविमइंका, राइंका ज्योलीकोट, गोबपइंका भवाली, राकइंका भवाली, राइंका मंगोली तथा राइंका बगड में धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू किया जाता है। उन्होंने कहा कि अवांछित तत्व उक्त परीक्षाओं के दौरान शान्ति व्यवस्था की स्थिति को भंग करने का प्रयास ना करें जिस कारण उक्त परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्र के आसपास लगभग 200 मीटर की परिध में कानून एवं शान्ति व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा उद्घोषणा की जानी आवश्यक है।

मातृभाषा उत्सव एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की मानविकी विद्याशाखा में अंत. रराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की पूर्व संध्या पर मातृभाषा उत्सव एवं विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लो. हनी ने कहा कि मातृभाषाओं का सम्मान वोकल फॉर लोकल को मजबूती देता है। भाषाई संप्रभुता की स्वीकार्यता से ही विश्वबंधुत्व की भावना विक. सित होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में प्राकृत, पालि, अपभ्रंश के साथ स्पेनिश, चीनी व जापानी भाषाओं के पाठ्यक्रम शीघ्र शुरू होंगे। लिस्बन यूनिवर्सिटी पुर्तगाल के भाषाविद डा. शिव कुमार सिंह ने बताया कि मातृभाषा का अर्थ केवल अपनी भाषा नहीं है, मातृभाषा के विस्तार में वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा शामिल है। आज मातृभाषा केवल बाजार की भाषा नहीं है बल्कि भावनाओं की संलग्नता एवं आत्मीयता का विषय है। हैम्बर्ग विश्वविद्यालय जर्मनी के भाषाविद डा. रामप्रकाश भट्ट ने कहा कि भाषा की मुख्य भूमिका सामाजिक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, शैक्षणिक संदर्भ, औपनिवेशिक एवं राजनीतिक संदर्भ को समझने से जुड़ा हुआ है।

तिब्बती समुदाय ने मनाया नव वर्ष लोसर

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल में तिब्बती समुदाय की ओर से तीन दिनी नव वर्ष लोसर का शुक्रवार को भव्य समापन हो गया। लोसर के तीसरे दिन प्रात: 10 बजे सभी पारंपरिक तिबबबती वस्त्र पहनकर पूरे परिवार के साथ सुख निवास स्थित बौद्ध मठ में एक त्र हुए, वहां पर बारी बारी से सभी लोगों ने मठ के मुख्य मन्दिर में जाकर पूज्य परम पावन दलाई लामा की तस्वीर पर खातक (तिब्बती पारंपरिक सिल्क स्कार्फ) चढ़ाकर उनका आशीर्वाद लिया और देवी देवताओं के प्रतिमाओं पर भी खातक चढ़ाकर नववर्ष की हार्दिक बधाई देते हुए अपने मनोकामनाएं पूर्ण होने की आशीर्वाद भी लिया। सभी सदस्य एक दूसरे को लोसर की बधाई देते हुए दिखाई दिए। इस दौरान बोध मठ में तिब्बती और भोटिया समुदाय के लोगों ने विश्व शांति, नगर की उन्नती, शांति, खुशी और भाईचारा के

लिए सामूहिक पूजा किया। पूजा में परम पूज्य दलाई लामा जी की दीर्घायु, मंगल स्वस्थ और मंगलक. ामनाएं पूर्ण होने के लिए प्रार्थना भी किया गया। पारंपरिक तौर पर मठ के आगे लगे हुए बड़ा ध्वज को भी बदला गया। मठ के और से सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप ड्रेसिल (मीठा चावल) और चाय परोसा गया। एक बजे सभी श्रद्धालुओं ने मठ में बने पारंपरिक भोजन का भी आनंद लिया। लोसर के शुभ अवसर पर तिब्बती और भोटिया मार्केट तीन दिन के लिए पूर्ण रूप से बन्द रहे। दुकानें शनिवार यानी खुलेगी। सामूहिक पूजा की अध्यक्षता बौद्ध मठ के मुख्य पुजारी गेशे लोबसांग यांगफेल द्वारा किया गया। सामूहिक पूजा में स्थानीय तिब्बती समुदाय के वरिष्ठ सदस्य तुल्कु लांगदोंग रिनपोछे, तिब. बती मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष येशी थुप्तेन, तिब्बती संघर्ष समिति के सचिव तेनजिन धोनयोए, तेनजिन छिरींग, स्थानीय तिब्बती युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष टाशी तोपग्याल, कुंगा छौडोन, स्थानीय तिब्बती महिला संगठन के अध्यक्ष केलसंग छूकी, सचिव रिंजिन छोएजोम समेत ल्हाकपा गयालपो, पेमा छोमफेल, छिरींग तोपग्याल, रिंचेन नमगयाल, निर्मल सिंह भोटिया, पान सिंह भोटिया, तेनजिन गादेन, तेनजिन यिगा, छिरींग पेलकी, तेनजिन नार्जोम, केलसंग वांगमो, केलसंग यांगडोन, छिरींग डोल्मा, टाशी डोल्मा, गुंडुली, निर्मला देवी, डोल्मा खिमाल और पासंग खिमाल आदि मौजूद रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद नैनीताल का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा, हर्ष बहादुर चंद से मुलाकात कर प्रारंभिक शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने अवशेष देयकों के भुगतान में देरी को लेकर चिंता व्यक्त की और कहा कि यदि बजट कालातीत होता है, तो संबंधित पटल सहायक और आहरण वितरण अधिकारी की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी अवशेष देयकों का भुगतान मार्च से पहले किया जाए। इसके अलावा पदोन्नति को लेकर संगठन ने नाराजगी जाहिर की। उनका कहना था कि निदेशालय द्वारा पदोन्नति के लिए आदेश जारी करने से पहले किसी भी न्यायिक आदेश में टीईटी के बिना पदोन्नति करने का निर्देश नहीं था। संगठन ने निदेशालय से इस मामले में स्पष्टता की मांग की और कहा कि यदि आवश्यक हुआ, तो संगठन निदेशालय के खिलाफ कार्रवाई करेगा। संगठन ने अन्य महत्वपूर्ण मांगें भी उठाईं, जिनमें वित्तीय वर्ष के अंतर्गत लंबित सभी देयकों का भुगतान, जनपद के सभी शिक्षकों का स्थाईकरण, औपबंधिक एवं शिक्षामित्रों को बोनस का भुगतान, सभी विद्यालयों में शिक्षक संख्या का मानक के अनुसार होना और दुर्गम क्षेत्रों में वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को सुगम क्षेत्रों में स्थानांतरित करना शामिल था। शिष्टमंडल में जिला अध्यक्ष मनोज तिवारी, जिला महामंत्री बंशीधर कांडपाल, जिला कोषाध्यक्ष नवीन चंद थे।

प्रो. गीता तिवारी व प्रो. ललित तिवारी देव भूमि उत्कृष्टता सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर नैनीताल की रसायन विज्ञान के प्रोफेसर गीता तिवारी तथा वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष

प्रो. ललित तिवारी को देव भूमि उत्कृष्टता सम्मान 2026 से शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत द्वारा सम्मानित किया गया है। बता दें इस पुरस्कार को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु यह सम्मान दिया गया है। प्रो. गीता तिवारी के 110 उच्च कोटि के रिसर्च पेपर प्रकाशित हो चुके हैं तथा 8 शोध छात्र पीएचडी कर चुके है वहीं प्रो. ललित तिवारी निदेशक विजिटिंग प्रोफेसर तथा पूर्व निदेशक शोध के साथ ही विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान हैं उनके 210 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं तथा 47 विद्यार्थी उनके निर्देशन में शोध कर चुके हैं तथा डा. तिवारी को उत्तराखंड रत्न सहित कई पुरस्कार पूर्व में भी मिल चुके हैं। कुमाऊं विवि परिवार ने दोनों गुरुजनों के सम्मान मिलने पर खुशी जताई है।

सत्ता के हर षड़यंत्र को जनता ने किया खारिज: मैखुरी

भाकपा मामले ने बिन्दुखत्ता राजस्व गांव की मांग पर उमड़े जनसैलाब को बताया अभिव्यक्ति

शाह टाइम्स संवाददाता

लालकुआं। भाकपा माले बिंदुखत्ता कमेटी की बैठक पार्टी कार्यालय दीपक बोस भवन कार रोड बिंदुखत्ता में हुई। बैठक में बिंदुखत्ता संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले राजस्व गांव की मांग पर हजारों की संख्या में उतरे बिंदुखत्ता वासियों की एकता को राजस्व गांव की दिशा में ऐतिहासिक महत्व का कदम बताते हुए जनता को एकता दिखाकर सत्ता के हर षड़यंत्र को खारिज करने के लिए धन्यवाद दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि राजस्व गांव की मांग पर उतरा जनसैलाब बार बार भाजपा सरकार की वादाखिलाफी से तंग जनता के गुस्से की अभिव्यक्ति है। बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा (माले) राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी ने कहा कि

बिंदुखत्ता की संघर्षशील जनता की एकजुटता ने भाजपा के बुलडोजर राज को मजबूती चुनौती दी है। बिंदुखत्ता का संघर्षों का गौरवशाली इतिहास रहा है और यहां लोगों ने सभी कुछ संघर्षों से हासिल किया है। छल-प्रपंच-षड़यंत्रों की राजनीति के खिलाफ जन संघर्षों की राजनीति बिंदुखत्ता की पहचान रही है और जन संघर्षों की राजनीति के परचम को बुलंद रखा जाना चाहिए। इंद्रेश मैखुरी ने कहा कि उत्तराखंड समेत पूरे देश में ही भाजपा गरीबों और भूमिहीनों को उजाड़ने पर अमादा है। भाजपा धर्म-संप्रदाय के नाम पर लोगों में फूट डाल कर गरीबों-भूमिहीनों को बेदखल करके बेशकीमती जमीनें अपने चहेते पूंजीपतियों को देना चाहती है। भाकपा माले नैनीताल जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि भाजपाई लालकुआं विधायक ने जिस तरह से जनता को धमकी देने के वीडियो जारी कर रो. कने की कोशिश की उसे बिंदुखत्ता की एकता ने मुँहतोड़ जवाब देने का काम किया है। बैठक में माले राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी के अतिरिक्त डा. कैलाश पाण्डेय, भुवन जोशी, किशन बघरी, पुष्कर दुबड़िया, विमला रौथाण, गोविंद जीना, नैन सिंह को. रंगा, धीरज कुमार, बिशन दत्त जोशी, निर्मला शाही, कमल जोशी, अंबा दत्त बसखेती, आनंद दानू, त्रिलोक राम, अमित, डीएस मेहरा, प्रमोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

नैनीताल में विराट हिन्दू सम्मेलन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में शुक्रवार को मां नैना देवी विराट हिंदू सम्मेलन समिति की ओर से डीएसए मैदान में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता साध्वी प्राची ने कहा कि राजनीति समाज को तोड़ने का काम करती है जबकि धर्म केवल सनातन है जो पूरे विश्व को दिशा देता है। उन्होंने कहा कि गद्दारों का भारत में कोई स्थान नहीं है और जो भी देश से गद्दारी करेगा उसे देश छोड़ना होगा।

उन्होंने जनसंख्या असंतुलन पर चिंता जताते हुए नारा दिया कि घटेंगे तो कटेंगे। उन्होंने कहा कि आज कई प्रांत हिंदू विहीन होते जा रहे हैं। उन्होंने देवभूमि उत्तराखंड सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य से अवैध मदरसों और मजारों को हटाने का कार्य सराहनीय है। साध्वी ने लव जिहाद से बेटियों को बचाने की अपील की और कहा कि काली बनो-कल्याणी बनो-लेकिन बुर्के वाली कभी मत बनो। यूजीसी के संबंध में उन्होंने कहा कि यदि घर के मुखिया से कोई गलती हो जाती है तो उसका सम्मान करना चाहिए उस पर कीचड़ उछालना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ किसी भी प्रकार की टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इससे पूर्व सममेलन की शुरुआत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुई। उसके बाद कार्यक्रम में स्वामी सच्चिदानंद ने भी मंच से अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विधायक सरिता आर्य, दर्जाधारी शांति मेहरा, दिनेश आर्य, प्रो. ललित तिवारी, प्रो. एसएस बर्गली, कमलेश, हेम आर्य, कामेश्वर प्रसाद काला, निर्माण मुखर्जी, भूपेंद्र बिष्ट, मोहित साह, अरविंद सिंह पडियार, विक्की वर्मा, प्रेमा अधिकारी तथा ज्योति ढौंडियाल तथा डा. प्रगति जैन आदि कई लोग मौजूद रहे।

पेयजल निगम को राजकीय विभाग घोषित करने की मांग

अल्मोड़ा। वेतन भुगतान समेत तमाम मांगों के निराकरण को लेकर पेयजल निगम कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को अधिकारियों और कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ धरना देकर जमकर प्रदर्शन किया। पेयजल निगम को राजकीय विभाग घोषित करने की मांग उठाई। धरना स्थल पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि निगम के अधिकारी व कर्मचारी अपने कार्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उनको समय से वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। कहा कि दो माह से निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। जिससे उनके समक्ष आर्थिक संकट गहरा गया है।

बाइपास निर्माण होगा तो जाम से मिलेगी निजात

सांसद अजय भट्ट ने पुल और कैंचीधाम बाइपास निर्माण का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल-ऊधमसिंहनगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट द्वारा शुक्रवार को नैनीताल जिले के भवाली बाईपास पर 546.75 लाख की लागत से बन रहे नव निर्मित पुल के साथ ही कैंचीधाम बाईपास का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

इस दौरान उन्होंने कैंचीधाम में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया जिसमें 39 करोड़ की लगता से बनाई जा रही वाहन पार्किंग एव अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने कहा कि मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कैंचीधाम में

बहुमंजिला पार्किंग आदि बन जाने से श्रद्धालुओं को पार्किंग सुविधा का लाभ मिलेगा साथ ही भवाली-अल्मोड़ा हाईवे पर लगने वाले जाम से भी बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि भवाली- रातीघाट-बाईपास के निर्माण से भी यातायात सुगम और सुविधाजनक हो जाएगा है जिससे कुमाऊं के पहाड़ी इलाकों को जाने वाले आम जनमानस को जाम से निजात मिलेगी। इस दौरान उन्होंने कैंची धाम में बन रही बहुमंजिला पार्किंग के कार्यों को पूरी गुणवत्ता एव मानकों के अनुसार कार्य करने के निर्देश कार्यदाई संस्था के अधिका. रियों को दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों में कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान श्री भट्ट स्थानीय लोगों से भी मिले। इसके उपरांत उन्होंने बाबा नीम करौरी के भी दर्शन किए। निरीक्षण के दौरान सांसद प्रति. निधि गोपाल सिंह रावत, पूर्व चैयरमैन भवाली संजय वर्मा समेत भावना मेहरा, शिवांशु जोशी, प्रकाश आर्या, हिमांशु बिष्ट, आशु चंदोला, अखिलेश सेमवाल, नीरज बिष्ट, शुभम कुमार, वैभव आनंद, धीरज तिवाड़ी, मदन मोहन सिंह कैड़ा, उपजिलाधिकारी मोनिका समेत ईई लोक निर्माण विभाग कृष्ण कुमार तथा रत्नेश सकसेना आदि मौजूद रहे।

नारी सेवा समिति के होलीकोत्सव में होली गीतों की धूम

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगर की प्रतिष्ठित नारी सेवा समिति मल्लीताल नैनीताल के तत्वावधान में शुक्रवार को होलीकोत्सव- 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान होल्यारों ने एक से बढ़कर एक होली गीत गाकर दर्शकों को मंत्र मुगध कर दिया। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति निदेशालय उत्तराखंड के सहयोग से किया गया। समिति की अध्यक्ष सरोज हर्ष ने बताया कि महिला होलियारों द्वारा कुमाऊँनी पारंपरिक होली गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। ढोल-मंजीरे की मधुर थाप पर महिलाओं ने पारंपरिक होली गाकर वातावरण को भक्तिमय और उत्सवमय बना दिया। महिला होल्यारों ने सिद्धि को दाता..., फागुनआ रंग भर लायो..., अंबा के

भवन में खेले होली..., बाहर आ जाओ बांके बिहारी-होली हो रही हमारी तुमहारी.. जैसे कई होली गीत गाए। कार्यक्रम में लता, मुन्नी, बसंती, दया, शोभा, शांति, रेखा, पूजा, हिमानी एवं ललिता सहित अनेक महिला होलियारों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पारंपरिक रीति से होली उत्सव मनाया तथा सामूहिक नृत्य गायन से कार्यक्रम को सफल बनाया। नैनीताल शहर की बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

जिला कोर्ट में रही सुनसानी

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल के जिला कोर्ट को तीन बार बम से उड़ाने की धमकी के बाद से दहशत का माहौल बना हुआ है। जिसको देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के लिए दो गेटों पर ताले जड़कर दो गेटों पर मेटल डिटेकटर के साथ पुलिस तैनात की है जो कोर्ट में आने वाले की चेकिंग के साथ उसके कोर्ट में आने का कारण भी पूछ रहे हैं। बता दें कि बीते 16 और 17 फरवरी को जिला कोर्ट के जिला जज की आधिकारिक ईमेल पर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिला था। सूचना के बाद पुलिस ने कोर्ट परिसर में डॉग स्क्वायड व बीडीएस के साथ चेकिंग अभियान चलाया लेकिन कोई बम या कोई संवेदनशील सामग्री नहीं मिली। लेकिन धमकी से कोर्ट परिसर तथा अधिवक्ताओं व वादकारियों में भय बना हुआ था। वहीं वीरवार को की सुबह तीसरे मेल ने दहशत और बढ़ा दी। जिससे न्यायिक कार्य भी बाधित हुए। जिसके चलते कई लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लगातार मिली धमकियों के बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन मुकदमे दर्ज कर दिए हैं। वहीं जिला कोर्ट में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है साथ ही कमिश्नरी व तहसील से कोर्ट परिसर में आने वाले रास्तों के गेटों को भी ताला जड़कर बंद कर दिया है। वहीं कोर्ट के दो मुखय गेटों पर मेटल डिटेक्टर लगाकर कोर्ट ने वालों की चेकिंग कर उनके आने का कारण पूछा जा रहा है। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवत प्रसाद ने बताया कि कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकियों के बाद भय का माहौल है। कोर्ट से इस दौरान मामलों में एक पक्षीय कार्रवाई, वारंट व आदेश न करने की अपील की है। सीओ रविकांत सेमवाल ने बताया कि जिला कोर्ट की सुरक्षा के लिए पुलिस व एलआईयू तैनात की गई है। संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। कोर्ट में आने वालों की तलाशी के साथ उनके आने का कारण पूछा जा रहा हैं। बिना केस या बिना कार्य के कोर्ट परिसर में लोगों को प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है।

शिविर का 260 लोगों ने लिया फायदा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। जन जन की सरकार-जन-जन के द्वार अभियान के तहत शुक्रवार को विधायक नैनीताल सरिता आर्या की अध्यक्षता में तथा उपजिलाधिकारी नवाजिश खलिक के संचालन में सीआरएसटी इंटर कालेज नैनीताल में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में कुल 18 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शिविर का 260 लोगों द्वारा लाभ लिया गया। शिविर में नगर पालिका नैनीताल के तहत स्टानले कमाउंड, रामलीला मैदान सात नंबर, स्टाफ हाउस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट, पेयजल, मार्ग सुधारीकरण की मांग क्षेत्र से आए लोगों द्वारा प्राथमिकता से रखी गई। इस संबंध में उपजिलाधिक. ारी द्वारा संबंधित विभागों को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। शिविर में पुराना घोड़ा स्टैंड में महिला समूहों

हेतु पूर्व में बनाई गई दुकानों जो सड़क चौड़ीकरण में हट गई थी पुन: निर्माण करने की मांग की गई इस संबंध में ईओ नगर पालिका को कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त शिविर में पेयजल एवं विद्युत आदि से संबंधित समस्या प्राप्त हुई जिनके निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देश दिए गए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा उपस्थित जनता को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा अपने अपने स्टालों के माध्यम से योजनाओं का लाभ जनता को प्रदान किया गया। शिविर बाल विकास विभाग द्वारा 8 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट प्रदान किए गए। शिविर में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका नैनीताल रोहिताश शर्मा, सदस्य मंडी परिषद मनोज जोशी, भाजपा नगर अध्यक्ष नितिन कार्की, दयाकिशन पोखरिया सहित विभिन्न जन प्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक व विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खेल समाचार

अमांडा अनिसिमोवा ने दुबई चैंपियनशिप में मीरा एंड्रीवा को हराया

दुबई, वार्ता। दुबई टेनिस चैंपियनशिप में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने डिफेंडिग चैंपियन मीरा एंड्रीवा के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गुरुवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी अनिसिमोवा को रूस की मीरा एंड्रीवा पर मुश्किल से 2-6, 7-5, 7-6(4) से जीत मिली। मैच के बाद अनिसिमोवा ने कहा कि यह बहुत मुश्किल मुकाबला था, और मुझे लगा कि हमने जबरदस्त टेनिस खेला। मीरा को इस तरह नीचे गिरते देखना, समझ में आता है। हम दोनों ने आज बहुत मेहनत की और उसे इस तरह देखकर मैं भावुक हो गई। वह बहुत अच्छा खेल रही थी, वह डिफेंडिग चैंपियन है और मुझे लगता है कि हम दोनों आज कोर्ट पर जीत गए। इस तरह के मैचों में, यह हमेशा मुश्किल होता है कि आखिर में किसी को हारना पड़े।

खाचानोव को हराकर अल्काराज सेमीफाइनल में पहुंचे

दुबई, वार्ता। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने रूस के करेन खाचानोव को हराकर कतर ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। विश्व के नंबर वन अल्काराज ने गुरुवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में जोरदार वापसी करते हुए खाचानोव पर 6-7 (3/7), 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। अल्काराज अब सेमीफाइनल में रूस के एंड्री रुबलेव से भिड़ेंगे। मैच के बाद अल्काराज ने कहा कि यह वास्तव में एक बहुत ही करीबी और कड़ा मुकाबला था। मुझे लगता है कि करेन शानदार खेल रहा था, लेकिन मुझे पता था कि मुझे भी अवसर मिलेगा। पहले सेट में मैं उनका फायदा नहीं उठा पाया इसलिए अबऔर संघर्ष जारी रखने का समय था।

भारत 'ए' ने श्रीलंका'ए' को हराया

एशिया कप राइजिंग स्टार्स

● **टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया**

बैंकॉक, वार्ता। राधा यादव (चार विकेट और नाबाद 31 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ए महिला टीम ने शुक्रवार को महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स के पहले सेमीफाइनल में श्रीलंका ए पर 39 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। राधा यादव को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। 119 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए महिला टीम ने 13.3 ओवर में पांच विकेट पर 119 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। भारत के लिए दिनेश वृंदा ने 20 गेंदों में आठ चौके लगाते हुए 42 रनों की पारी खेली। अनुष्का शर्मा ने 18 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 27 रन बनाए। नंदिनी कश्यप (13), मिन्नू मनी (दो) और तेजल हसबनिस तीन रन बनाकर आउट हुई। कप्तान राधा यादव ने 18 गेंदों में सात चौके लगाते हुए नाबाद 31 रनों की पारी खेली। राधा यादव ने 14वें ओवर की तीसरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई। श्रीलंका ए महिला टीम के लिए शशिनी गिम्हानी ने दो विकेट लिए। यशंती निर्मंथिका ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ए महिला टीम के लिए हंसिमा करुणारत्ना और संजना कविदी की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 36 रन जोड़े। पांचवें ओवर में तनुजा कंवर ने हंसिमा करुणारत्ना (14) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ही ओवर में मिन्नू मनी ने कप्तान अनुष्का संजीवनी (पांच) का शिकार कर लिया। 11वें ओवर में प्रेमा रावत ने संजना कविदी (31) को आउटकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। सत्या संदीपनी (15) और शशिनी गिम्हानी (22) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद राधा यादव के गेंदबाजी आक्रमण के आगे श्रीलंकाई बल्लेबाज टिक नहीं सके और अपने विकेट गंवाते चले गए। राधा यादव ने 20वें ओवर की चौथी गेंद पर यशंती निर्मंथिका (शून्य) को आउट कर 118 के स्कोर पर श्रीलंका की पारी का अंत किया। श्रीलंका के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत ए महिला टीम के लिए राधा यादव ने चार विकेट लिए।

हरमनप्रीत कौर बनी सबसे अधिक मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर

भारत के लिए सभी प्रारुपों में अपना 356 वां मैच खेलकर उपलब्धि हासिल की

कैनबरा, वार्ता। भारत की महिला विश्व कप विजेता टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी-20 में खेलने के साथ ही सबसे अधिक मैच खेलने वाली अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेटर बन गई। हरमनप्रीत कौर ने भारत के लिए सभी प्रारुपों में अपना 356वां मैच खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। इसी के साथ उन्होंने न्यूजीलैंड की महान सूजी बेट्स के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मैच के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि हरमन भारत के लिए एक खास खिलाड़ी रही हैं। मैं उन्हें खेल के इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी बनने की बड़ी कामयाबी के लिए बधाई देना चाहता हूं। कौर ने 2009 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पर्दापण करने के बाद से छह टेस्ट मैच, 161 एकदिवसीय और 189 अंतर्राष्ट्रीय टी-20 मैच खेले हैं। आईसीसी के अनुसार, वह भारत में महिला क्रिकेट क्रांति का एक बड़ा हिस्सा रही हैं और पिछले साल उन्होंने टीम को पहली बार विश्व चैंपियनशिप जिताई। बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाली कौर ने 140 एकदिवसीय पारियों में 37-05 की औसत से 4409 रन बनाए हैं, टेस्ट में 200 रन और टी-20 में 3820 रन बनाए हैं। उन्होंने भारत के लिए आठ शतक और 38 अर्द्धशतक बनाए हैं। कौर ने अपनी इस उपलब्धि को लेकर कहा कि यह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उम्मीद है मैं कड़ी मेहनत करती रहूंगी और जितना हो सके उतना खेलती रहूंगी।

बांग्लादेश महिला'ए' ने पाक को हराया

● **कप्तान फाहिमा खातून ने नाबाद 40 रन व संजीदा अख्तर मेघला ने तीन विकेट की बदौलत बांग्लादेश ने पाकिस्तान को हराकर महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स के दूसरे सेमीफाइनल पहुंची**

बैंकॉक, वार्ता। कप्तान फाहिमा खातून (नाबाद 40) के बाद संजीदा अख्तर मेघला (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत बांग्लादेश ए महिला टीम ने शुक्रवार को महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 54 रनों से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला भारत ए महिला टीम से होगा। 111 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ए महिला टीम के बल्लेबाज बांग्लादेशी गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सके उनकी पूरी टीम 16-4 ओवरों में 56 रन पर ढेर हो गई। शवाल जुल्फिकार ने सर्वाधिक 14 रन बनाए। कप्तान हफ्सा खालिद (12) और युसरा आमिर (11) रन बनाकर आउट हुई। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बांग्लादेश के लिए संजीदा अख्तर मेघला ने तीन विकेट लिए। फाहिमा खातून ने दो विकेट लिए। फरजाना यासमीन, फरीहा तृस्ना और फातिमा जहां ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां पाकिस्तान ए महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ए महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 110 रनों का स्कोर बनाया। कप्तान फाहिमा खातून ने 32 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए नाबाद 40 रनों की पारी खेली। सरमिन सुल्ताना (15), शमीमा सुल्ताना (13) और इश्मा तंजीम ने 12 रनों का योगदान दिया। बांग्लादेश के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके।

बीसीबी केन्द्रीय अनुबंध में तस्कीन, मुशफिकुर का डिमोशन

ढाका, वार्ता। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने राष्ट्रीय पुरुष क्रिकेटरों के लिए 2026 के केन्द्रीय अनुबंध में तस्कीन अहमद और मुशफिकुर रहीम को निचले ग्रेड में डिमोट कर दिया है। तस्कीन 2025 में ए -प्लस वर्ग में अकेले खिलाड़ी थे। लेकिन अब बोर्ड ने उनका डिमोशन करते हुए टेस्ट, एकदिवसीय और टी-20 कप्तानों नजमुल हुसैन शान्तो, मेहदी हसन मिराज और लिटन दास के साथ ए वर्ग में डाल दिया हैं। यह बीसीबी की ग्रेडेशन पॉलिसी का दूसरा टियर है। इस बार बोर्ड ने किसी भी खिलाड़ी को एक प्लस कैटेगरी में नहीं रखा गया है। यह साफ नहीं है कि गेंद से अच्छे प्रदर्शन के बावजूद तस्कीन को डिमोट क्यों किया गया है। टीम प्रबंधन ने आम तौर पर तीनों प्रारुपों में उनके असर को बनाए रखने के लिए उनका काम का बोझ कम कर दिया है। इस बीच, मुशफिकुर, जिन्होंने 2025 में एकदिवसीय से संन्यास ले लिया था, पिछले साल ए ग्रेड में थे, लेकिन अब उन्हें बी ग्रेड में शामिल किया हैं। इस कैटेगरी में दस और खिलाड़ी हैं, जिनमें टेस्ट स्पेशलिस्ट मोमिनुल हक, तैजुल इस्लाम और शादमान इस्लाम शामिल हैं। शादमान उन चार खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें ग्रेड सी से बी में प्रमोट किया गया है, उनके साथ तनजीद हसन, रिशाद हुसैन और महेदी हसन भी हैं। बीसीबी ने पिछले साल से ग्रेड डी को भी बढ़ाया है, इस कैटेगरी में पहले केवल दो क्रिकेटर थे। इस बार इसमें सैफ हसन और नूरुल हसन समेत सात खिलाड़ी हैं। बांग्लादेश 12, 14 और 16 मार्च को घर पर पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलना फिर से शुरू करेगा।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सफेद गेंद सीरीज के लिए महिला टीम की घोषणा की

वेलिंगटन, वार्ता। न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी सफेद गेंद सीरीज के लिए स्टार ऑल-राउंडर मेली कर की अगुवाई में 15 सदस्ईय महिला टीम की घोषणा की। न्यूजीलैंड महिला टीम: फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिग, पॉली इंग्लिस (केवल टी-20), जेस केर, मेली केर, केली नाइट (केवल टी-20), एम्मा मैकलियोड (केवल एकदिवसीय), रोजमेरी मैयर, नेन्सी पटेल, मौली पेनफोल्ड (केवल एकदिवसीय) जॉर्जिया प्लिमर और इजी शार्प।

कोलगेट ने राहुल द्रविड़ को किया नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त

मुंबई, वार्ता। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड ने दिग्गज क्रिकेटर और भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ को कोलगेट टोटल का नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। इस अवसर पर कोलगेट टोटल के ब्रांड एंबेसडर राहुल द्रविड़ ने कहा कि खेलों में प्रदर्शन की बात हो तो हर छोटी चीज मायने रखती है। मौखिक स्वास्थ्य भी ऐसा ही एक अहम पहलू है। इतना कि दुनिया भर की कई टीमें और हंसी फ्लिक जैसे कोच अब खिलाड़ियों के लिए डेंटल चेक-अप अनिवार्य करते हैं। मेरे लिए कोलगेट टोटल इसलिए खास है क्योंकि यह 8 डेंटल समस्याओं को रोकता है और आपको वह प्रोएक्टिव बढ़त देता है।

कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड के मार्केटिंग, ईवीपी, गुंजित जैन ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य हमेशा से खेल प्रदर्शन से जुड़ा रहा है। नींद, व्यायाम और पोषण के बारे में सभी जानते हैं, लेकिन जिस छिपे हुए पहलू पर अब तक बात नहीं हुई, वह है मौखिक स्वास्थ्य। मुंह के जर्म्स शरीर में जाकर सूजन बढ़ा सकते हैं, मसल रिकवरी को धीमा कर सकते हैं और स्टैमिना को प्रभावित कर सकते हैं। राहुल द्रविड़ जैसे निरंतरता और विश्वसनीयता के प्रतीक के साथ साझेदारी कर, हम इस वैज्ञानिक तथ्य को मुख्यधारा में ला रहे हैं और कोलगेट टोटल की श्रेष्ठ तकनीक को उजागर कर रहे हैं, जो जर्म बिल्ड-अप से तीना गुना बेहतर लड़ती है और 8 डेंटल समस्याओं से बचाव करती है।

चिन्नास्वामी नहीं, हुबली में होगा रणजी फाइनल मुकाबला

चेन्नई, वार्ता। कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) इस बार मंगलवार को कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के बीच होने वाले रणजी ट्रॉफी का फाइनल की मेजबानी करेगा और यह मुकाबला चिन्नास्वामी स्टेडियम की जगह हुबली में खेला जाएगा। केएससीए के पास इस मैच को बेंगलुरू या हुबली में से एक जगह कराने का विकल्प था। हालांकि, गृह मंत्रालय की एक्सपर्ट कमिटी द्वारा सुझाए गए बदलावों के निर्माण कार्य अभी जारी होने के कारण ही मैच को हुबली स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है। केएससीए के एक प्रवक्ता ने कहा कि दर्शकों के प्रवेश और कई जरूरी जगहों पर काम जारी है और उन रास्तों को चौड़ा किया जा रहा है। इसके अलावा भी कई अहम कार्य हो रहे हैं। इन निर्माणों के बीच रणजी फाइनल को जिस तरह की सुविधा मिलनी चाहिए वो दे पाना संभव नहीं था। उत्तराखंड को पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर मात देने वाली आठ बार की चैंपियन कर्नाटक 2014-15 सीजन के बाद पहली बार खिताब जीतने मैदान में उतरेगी।

हार्दिक सिंह की अगुवाई में भारत नई एनर्जी के साथ उतरेगा

नई दिल्ली, वार्ता। हार्दिक सिंह की अगुवाई में 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया हॉकी सेंटर में होने वाले एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट लेग में भारतीय हॉकी नई एनर्जी के साथ उतरेगी। टूर्नामेंट में भारतीय टीम स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

उत्तराखण्ड पावर कार्पोरेशन लि0
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड सितारगंज, ऊधमसिंह नगर

पत्रांक: 652/वि0वि0ख0(खा0) **विद्युत बाधित सूचना** दिनांक: 20/02/2026

उपखण्ड अधिकारी विद्युत वितरण उपखण्ड सितारगंज प्रथम के कार्यालय पत्रांक 101 विद्युत वितरण उपखण्ड (सितारगंज) प्रथम दिनांक 17/02/2026 के क्रम में दिनांक 22.02.2026 को 33/11 बरा उपसंस्थान का शट डाउन चाहा गया है। 33/11 के0वी0 बरा उपसंस्थान के यार्ड में अनुरक्षण सम्बन्धित कार्य प्रस्तावित है उपरोक्त क्रम में 33/11 के0वी0 उपसंस्थान बरा से पोषित समस्त श्रेणी के सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 22.02.2026 को समय प्रात: 09:00 बजे से 17:00 तक सम्पूर्ण बरा उपसंस्थान से पोषित क्षेत्र के समस्त श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति आंशिक / पूर्ण रूप से बाधित रहेगी।

कृपया सूचना जानें एंव उक्त समय पर अपने स्तर से वैकल्पिक व्यवस्था बनाये रखें। असुविधा के लिये खेद है।

राष्ट्रहित में बिजली बचायें।

(ई0 सी0 एस0 बस्नेत)
अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड उपाकालि
सितारगंज

शादाब खान के भारत को नहीं हराया वाले बयान पर शाहिद अफरीदी का पलटवार

कराची, वार्ता। टी-20 विश्वकप 2026 के बीच पाकिस्तान क्रिकेट में बवाल मच गया है। टी-20 विश्वकप में हिस्सा ले रहे खिलाड़ी और पूर्व खिलाड़ियों के बीच बयानबाजी का दौर जारी है।

दरअसल, शादाब खान ने शाहिद अफरीदी और मोहम्मद यूसुफ समेत पूर्व खिलाड़ियों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि पूर्व खिलाड़ी वो नहीं कर पाए, जो उन्होंने किया है। शादाब ने कहा था कि उनकी टीम ने भारत को विश्वकप में हराया है, जबकि पूर्व खिलाड़ी कभी ऐसा नहीं कर पाए। अब इस बयान पर शाहिद अफरीदी का पलटवार आया है। टी-20 विश्व कप 2026 में भारत से मिली हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में घमासान का दौर जारी है। टीम के ऑलराउंडर शादाब खान पूर्व खिलाड़ियों के निशाने पर आए थे।

अफरीदी और यूसुफ समेत पूर्व खिलाड़ियों ने टीम से बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और शादाब को ड्राप करने की मांग की थी। अफरीदी और यूसुफ ने प्लेइंग-11 में इनकी जगह पर सवाल उठाए थे। इसके जवाब में शादाब ने कहा था कि कम से कम वह उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने आईसीसी टूर्नामेंट में भारत को हराया, जो पिछली पीढ़ी नहीं कर सकी थी। यही बयान अब विवाद की जड़ बन गया है। कोलंबो में 15 फरवरी को भारत के खिलाफ पाकिस्तान की हार के बाद, पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने टीम प्रबंधन से खराब प्रदर्शन के कारण बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और शादाब खान जैसे सीनियर खिलाड़ियों को बाहर करने की मांग की थी। दूसरी ओर, मोहम्मद यूसुफ ने भी इसी तरह की टिप्पणी करते हुए कहा कि बाबर, शाहीन और शादाब का समय अब खत्म हो चुका है और टीम प्रबंधन को बेंच स्ट्रेंथ आजमाते हुए युवा खिलाड़ियों को प्लेइंग इलेवन में मौका देना चाहिए।

कोलंबो में खेले गए मुकाबले में पाक ने नामीबिया को हराया। इस मैच में शादाब ने 22 गेंदों पर 36 रन बनाए और तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन मैच के बाद दिए गए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया।

एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में बदलने के उद्देश्य से विज्ञापन
फॉर्म नं. INC-25A
क्षेत्रीय निदेशक, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, उत्तरी क्षेत्र, निदेशालय II, चंडीगढ़ के समक्ष कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 (1) कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 41 के साथ पठित (चौथा संशोधन नियम, 2018) के मामले में
और
प्रकृति हिमटेड [illegible] लिमिटेड (CIN: U45400UR2009PLC010336), जो कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत निगमित एक कंपनी है और जिसका पंजीकृत कार्यालय राम मंदिर मार्ग, रामनगर, [illegible], नैनीताल- 244715, उत्तराखंड, भारत में स्थित है, के मामले में
...आवेदक कंपनी
आम जनता को सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 14(1) के तहत [illegible] नियमों के अनुसार क्षेत्रीय निदेशक को आवेदन करने का प्रस्ताव रखती है और 13 फरवरी, 2026 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार एक निजी लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित होना है, ताकि कंपनी ऐसे कार्यान्वयन को प्रभावी कर सके।
कोई भी व्यक्ति जिसका हित कंपनी के प्रस्तावित परिवर्तन/स्थिति से प्रभावित होने की संभावना है, वह अपने हितों की प्रकृति और विरोध के कारणों को बताते हुए हलफनामे के साथ अपनी आपत्तियां संबंधित क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, निदेशालय II, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, कॉर्पोरेट भवन, प्लॉट संख्या 4बी, सेक्टर 27बी, मध्य मार्ग, चंडीगढ़ -160019 को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह (14) दिनों के भीतर प्रस्तुत कर सकता है या करवा सकता है या पंजीकृत डाक द्वारा भेज सकता है, साथ ही आवेदक कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को भी इसकी एक प्रति भेज सकता है जो नीचे दिए गए पते पर स्थित है।
राम मंदिर मार्ग, रामनगर, [illegible], नैनीताल 244715, उत्तराखंड
प्रकृति हिमटेड [illegible] लिमिटेड की ओर से
हस्ता./-
नीरज [illegible]
(निदेशक)
दिनांक: 19.02.2026 डीआईएन: 00682865
स्थान: रामनगर

न्यायालय श्रीमान अपर जिला मजिस्ट्रेट नजूल महोदय उधम सिंह नगर।
वाद सं० 274/2025
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-14 सरफेसी अधिनियम
मैसर्स हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लि०, कार्यालय आम्रपाली कॉम्पलेक्स, बरेली रोड हल्द्वानी, नैनीताल-263139 (उत्तराखण्ड) ...याचिकाकर्ता
बनाम
(1) श्रीमती एकता रानी पत्नि रोहित कुमार
निवासी मझरा सेमल कालोनी, वसुन्धरा कालोनी, ऊधमसिंहनगर रूद्रपुर 263153
(2) श्री रोहित कुमार पुत्र श्री दर्शन लाल, निवासी मझरा सेमल कालोनी, वसुन्धरा कालोनी ऊधमसिंहनगर रूद्रपुर-263153 ...जवाबकर्ता
चूंकि याचिकाकर्ता कंपनी ने सुनवाई के लिए आपके खिलाफ उपरोक्त धारा 14 सरफेसी अधिनियम 2002 याचिका शुरू की है इसलिए आपको इसका जवाब देने के लिए 23-02-2026 को प्रात: 10 बजे व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होने के लिए बुलाया जाता है ऐसा न करने पर उक्त याचिका का एक पक्षीय निपटारा कर दिया जाएगा।
दिनांक 13/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मोहर के तहत दिया गया।
अपर जिला मजिस्ट्रेट,
न्यायालय का आदेश, न्यायालय एडीएम नजूल रूद्रपुर।

न्यायालय श्रीमान अपर जिला मजिस्ट्रेट नजूल महोदय उधम सिंह नगर।
वाद सं० 279
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-14 सरफेसी अधिनियम
मैसर्स हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लि०, कार्यालय आम्रपाली कॉम्पलेक्स, बरेली रोड हल्द्वानी, नैनीताल-263139 (उत्तराखण्ड) ...याचिकाकर्ता
बनाम
(1) मो० आलम अंसारी पुत्र रजा बक्स
ग्राम- पपेड़ा, सितारगंज, उत्तराखण्ड, 262308, मो० सं० 9354442942 ...जवाबकर्ता
चूंकि याचिकाकर्ता कंपनी ने सुनवाई के लिए आपके खिलाफ उपरोक्त धारा 14 सरफेसी अधिनियम 2002 याचिका शुरू की है इसलिए आपको इसका जवाब देने के लिए 23-02-2026 को प्रात: 10 बजे व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होने के लिए बुलाया जाता है ऐसा न करने पर उक्त याचिका का एक पक्षीय निपटारा कर दिया जाएगा।
दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मोहर के तहत दिया गया।
अपर जिला मजिस्ट्रेट,
न्यायालय का आदेश, न्यायालय एडीएम नजूल रूद्रपुर।

न्यायालय श्रीमान अपर जिला मजिस्ट्रेट नजूल महोदय उधम सिंह नगर।
वाद सं० 291
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-14 सरफेसी अधिनियम
मैसर्स हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लि०, कार्यालय आम्रपाली कॉम्पलेक्स, बरेली रोड हल्द्वानी, नैनीताल-263139 (उत्तराखण्ड) ...याचिकाकर्ता
बनाम
(1) सीमरन अरोरा पत्नि दीपक अरोरा
निवासी- शान्ति विहार कॉलोनी, उधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड - 263153 ...जवाबकर्ता
चूंकि याचिकाकर्ता कंपनी ने सुनवाई के लिए आपके खिलाफ उपरोक्त धारा 14 सरफेसी अधिनियम 2002 याचिका शुरू की है इसलिए आपको इसका जवाब देने के लिए 23-02-2026 को प्रात: 10 बजे व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होने के लिए बुलाया जाता है ऐसा न करने पर उक्त याचिका का एक पक्षीय निपटारा कर दिया जाएगा।
दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मोहर के तहत दिया गया।
अपर जिला मजिस्ट्रेट,
न्यायालय का आदेश, न्यायालय एडीएम नजूल रूद्रपुर।

न्यायालय श्रीमान अपर जिला मजिस्ट्रेट नजूल महोदय उधम सिंह नगर।
वाद सं० 271
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-14 सरफेसी अधिनियम
मैसर्स हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लि०, कार्यालय आम्रपाली कॉम्पलेक्स, बरेली रोड हल्द्वानी, नैनीताल-263139 (उत्तराखण्ड) ...याचिकाकर्ता
बनाम
(1) मो० रिजवान आदि, मो० रिजवान पुत्र अनवर हुसैन
निवासी- मोहल्ला टान्डा चौक, बहेड़ी, बरेली, उत्तर प्रदेश-243201 ...जवाबकर्ता
चूंकि याचिकाकर्ता कंपनी ने सुनवाई के लिए आपके खिलाफ उपरोक्त धारा 14 सरफेसी अधिनियम 2002 याचिका शुरू की है इसलिए आपको इसका जवाब देने के लिए 23-02-2026 को प्रात: 10 बजे व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होने के लिए बुलाया जाता है ऐसा न करने पर उक्त याचिका का एक पक्षीय निपटारा कर दिया जाएगा।
दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मोहर के तहत दिया गया।
अपर जिला मजिस्ट्रेट,
न्यायालय का आदेश, न्यायालय एडीएम नजूल रूद्रपुर।

न्यायालय श्रीमान अपर जिला मजिस्ट्रेट नजूल महोदय उधम सिंह नगर।
वाद सं० 293
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-14 सरफेसी अधिनियम
मैसर्स हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लि०, कार्यालय आम्रपाली कॉम्पलेक्स, निकट मोहन कनीपर, बरेली रोड हल्द्वानी, नैनीताल-263139 (उत्तराखण्ड) ...याचिकाकर्ता
बनाम
(1) दीपेश मल्होत्रा पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार मल्होत्रा
निवासी-हाउस नं० 567 वार्ड नं० 11 [illegible] काशीपुर उधम सिंह नगर उत्तराखण्ड
मो०- 9410334299 ...जवाबकर्ता
चूंकि याचिकाकर्ता कंपनी ने सुनवाई के लिए आपके खिलाफ उपरोक्त धारा 14 सरफेसी अधिनियम 2002 याचिका शुरू की है इसलिए आपको इसका जवाब देने के लिए 23-02-2026 को प्रात: 10 बजे व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होने के लिए बुलाया जाता है ऐसा न करने पर उक्त याचिका का एक पक्षीय निपटारा कर दिया जाएगा।
दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मोहर के तहत दिया गया।
अपर जिला मजिस्ट्रेट,
न्यायालय का आदेश, न्यायालय एडीएम नजूल रूद्रपुर।

न्यायालय श्रीमान अपर जिला मजिस्ट्रेट नजूल महोदय उधम सिंह नगर।
वाद सं० पत्रावली सं. 281 वर्ष 2026
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-14 सरफेसी अधिनियम
मैसर्स हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लि०, कार्यालय आम्रपाली कॉम्पलेक्स, बरेली रोड हल्द्वानी, नैनीताल-263139 (उत्तराखण्ड) ...याचिकाकर्ता
बनाम
(1) निरंजन पाल सिंह पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह
निवासी-रजपुरा नं. 1 राजपुर [illegible] रूद्रपुर उत्तराखण्ड मो० 8923794612
(2) सर्वजीत कौर पत्नि निरंजन पाल सिंह ...जवाबकर्ता
चूंकि याचिकाकर्ता कंपनी ने सुनवाई के लिए आपके खिलाफ उपरोक्त धारा 14 सरफेसी अधिनियम 2002 याचिका शुरू की है इसलिए आपको इसका जवाब देने के लिए 23-02-2026 को प्रात: 10 बजे व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होने के लिए बुलाया जाता है ऐसा न करने पर उक्त याचिका का एक पक्षीय निपटारा कर दिया जाएगा।
दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मोहर के तहत दिया गया।
अपर जिला मजिस्ट्रेट,
न्यायालय का आदेश, न्यायालय एडीएम नजूल रूद्रपुर।

जनसहभागिता से तैयार होगा आम जनता का बजट: सीएम

कहा, सुझावों को मिलेगा नीतियों में स्थान, रांसी में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हुआ व्यापक मंथन

शाह टाइम्स ब्यूरो

पौड़ी। जनपद पौड़ी के रांसी स्थित बहुउद्देश्यीय भवन में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए जनप्रतिनिधियों, कृषकों, उद्यमियों, व्यापारियों, महिला समूहों, पर्यटन व्यवसायियों, मत्स्य पालकों, कृषि वैज्ञानिकों, स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों ने सहभागिता करते हुए आगामी बजट के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा जनहितकारी बजट तैयार करना है, जो प्रदेश की जमीनी आवश्यकताओं, क्षेत्रीय विशेषताओं और जनअपेक्षाओं के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित उत्तराखण्ड के निर्माण का रोडमैप है, जिसमें प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

इस संवाद कार्यक्रम में शामिल होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव देने के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग जैसे पर्यटन व्यवसायियों, व्यापारियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, किसानों और उद्यमियों की अपेक्षाएं और आवश्यकताएं बजट में समुचित रूप से परिलक्षित हों। उन्होंने कहा कि इस संवाद के दौरान अनेक व्यावहारिक और दूरदर्शी सुझाव प्राप्त हुए हैं, जो राज्य के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमने बजट निर्माण की प्रक्रिया को पारदर्शी, सहभागी और जनोन्मुखी बनाने का संकल्प लिया है। सीमांत क्षेत्रों सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर जनता से संवाद कर सुझाव प्राप्त किए जा रहे हैं, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और प्रत्येक वर्ग की भागीदारी इसमें सुनिश्चित हो सके।संवाद के दौरान ग्रामीण विकास को गति देने के लिए अनुदान में वृद्धि, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था सुदृढ़ करने, सीवर लाइन एवं शौचालय निर्माण, पंचायतों को सशक्त बनाने, बंजर भूमि के उत्पादक उपयोग तथा ग्राम स्तर पर सोलर प्लांट संचालन जैसे सुझाव प्राप्त हुए। शहरी क्षेत्रों के लिए नगर निकायों के संसाधन बढ़ाने, सोलर सिटी की अवधारणा को बढ़ावा देने, पार्किंग व सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा शहरी आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण पर बल दिया गया।

- पर्वतीय विकास, रोजगार और आधारभूत संरचना पर केंद्रित रहा बजट पूर्व संवाद
- बजट निर्माण की प्रक्रिया को पारदर्शी, सहभागी और जनोन्मुखी बनाने का संकल्प
- पौड़ी में मुख्यमंत्री धामी की पहल, जनसहभागिता से आकार लेगा भविष्य का बजट, संवाद, सहयोग, सुझाव और सहभागिता उत्तराखण्ड की ताकत

वर्ष 2047 तक उत्तराखंड को आत्मनिर्भर एवं अग्रणी राज्य बनाने के संकल्प दोहराया

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2047 तक उत्तराखंड को आत्मनिर्भर एवं अग्रणी राज्य बनाने के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि प्रदेश ने वित्तीय अनुशासन और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहभागिता से तैयार होने वाला यह बजट राज्य की विकास यात्रा को और अधिक गति प्रदान करते हुए समृद्ध और सशक्त उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में इनकी रही मौजूदगी

बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम में स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी,वित्त सचिव दिलीप जावलकर ,जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम का संचालन अपर सचिव मनमोहन मैनाली द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कृषि, उद्योग, व्यापार, पंचायत, शहरी विकास आदि से जुड़े 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। जिला पंचायत पौड़ी की अध्यक्षा रचना बुटोला, मेयर गणर निगम श्रीनगर आरती भंडारी, ऋषिकेश शंभु पासवान, कोटद्वार शैलेन्द्र रावत, रुद्रकी अनीता देवी अग्रवाल, नगर पालिकाध्यक्ष पौड़ी हिमानी नेगी, आयुक्त गढ़वाल/सचिव उद्योग विनय शंकर पांडे, पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप, संयुक्त सचिव सुरेन्द्र सिंह रावत, आयुक्त ग्राम विकास अनुराधा पाल, अपर सचिव डॉ. आनंद श्रीवास्तव, डॉ. सौरभ गहरवार, अभिषेक रोहिला, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, जिलाध्यक्ष भाजपा कमल किशोर रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कृषक, उद्यमी, जनप्रतिनिधि तथा हितधारक मौजूद रहे।

उत्तराखंड निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर: मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और व्यापार, उद्योग, पर्यटन, कृषि एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। राज्य में होमस्टे, स्वरोजगार और निवेश के नए अवसर सृजित हुए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा मिला है।

सरकार का लक्ष्य किसानों को उद्यमी के रूप में विकसित करना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा राज्य की अर्थव्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट पूर्व संवाद के दौरान प्राप्त सभी सुझावों का गंभीरता से परीक्षण कर उन्हें आगामी बजट और नीतिगत निर्णयों में यथासंभव शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा बजट प्रस्तुत करना है, जो आकार में व्यापक, प्रभाव में ठोस और पूरी तरह जनहित पर केंद्रित हो, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सके।

बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम में कई बिंदुओं पर मिले अहम सुझाव

शाह टाइम्स ब्यूरो

पौड़ी। कृषि एवं उद्यान क्षेत्र में पर्वतीय कृषि को प्रोत्साहन, बागवानी एवं उच्च मूल्य वाली फसलों के उत्पादन, जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए प्रभावी उपाय, पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज एवं क्लस्टर आधारित खेती को बढ़ावा देने के सुझाव सामने आए। कृषकों के तकनीकी प्रशिक्षण, जिला स्तर पर प्रसंस्करण केंद्रों की स्थापना तथा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

उद्योग एवं एमएसएमई क्षेत्र में पर्वतीय क्षेत्रों में उद्योग स्थापना के लिए पूंजीगत सब्सिडी, ब्याज अनुदान, मशीनरी पर विशेष छूट, सेवा क्षेत्र आधारित उद्योगों को बढ़ावा तथा स्थानीय उत्पादों पर आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन की मांग रखी गई। आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों को उद्योगों से सीधे जोड़ने, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें और पलायन रुके, इस पर भी सुझाव दिए गए।

महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत प्रत्येक जनपद में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने, ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराने तथा स्थानीय सेवाओं में महिलाओं को प्राथमिकता देने की बात कही गई। गौशालाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराने, जैविक खाद उत्पादन को प्रोत्साहन देने तथा मत्स्य पालन के लिए आधुनिक तकनीकों एवं बायोफ्लॉक टैंकों को बढ़ावा देने के सुझाव भी प्रस्तुत किए गए।

- 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' विकसित करने पर भी दिया जोर

पर्यटन क्षेत्र में होमस्टे के लिए रियायती ऋण सुविधा, हैली सेवा का विस्तार, वैकल्पिक मार्गों का निर्माण, छोटे पर्यटन स्थलों का विकास, संस्कृत ग्रामों एवं सांस्कृतिक स्थलों को पर्यटक ग्राम के रूप में विकसित करने, नेचर एवं एग्री-टूरिज्म को बढ़ावा देने तथा स्थानीय उत्पादों के विपणन के लिए ठोस नीति बनाने की आवश्यकता बताई गई।

ऊर्जा क्षेत्र में ऊर्जा नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने, कृषि एवं उद्योग आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए कर एवं शुल्क में राहत तथा ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के सुझाव भी प्राप्त हुए।

अब एक क्लिक पर मिलेगी माय स्कीम पोर्टल पर योजनाओं की जानकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो चीफ

देहरादून। प्रदेश में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी को आमजन तक सरल, सुलभ और त्वरित रूप में पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए माननीय मुख्यमंत्री द्वारा माय स्कीम पोर्टल का अनावरण किया गया है।

माय स्कीम पोर्टल पर कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग द्वारा तैयार की गई "मेरी योजना" पुस्तकों में प्रकाशित समस्त योजनाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है। इस पोर्टल का उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं की अद्यतन जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है, जिससे पात्र लाभार्थी योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

- 'मेरी योजना' पुस्तिका की सभी योजनाएं ऑनलाइन, पारदर्शिता और सुगमता की ओर बड़ा कदम
- आमजन तक सुलभता से त्वरित और सरल जानकारी पहुंचाने की पहल

यह पोर्टल पारदर्शिता, सुशासन एवं डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके माध्यम से नागरिकों को योजनाओं की पात्रता, लाभ, आवेदन प्रक्रिया तथा संबंधित विभागीय जानकारी एक ही स्थान पर प्राप्त होगी।

संबंधित सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने स्तर पर माय स्कीम पोर्टल का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें तथा अधिक से अधिक नागरिकों को इससे जोड़ने का प्रयास करें। ताकि समन्वय एवं क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जा सके।

राज्य सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र नागरिक तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे और कोई भी लाभार्थी जानकारी के अभाव में वंचित न रहे।

पांच दिवसीय बजट सत्र पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश की पंचम विधानसभा का प्रथम बजट सत्र 9 से 13 मार्च तक आहूत किया गया है। विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग के 17 फरवरी 2026 के पत्र के अनुसार यह सत्र मात्र पाँच दिनों का होगा।9 मार्च को राज्यपाल का अभिभाषण निर्धारित है, जिससे प्रभावी कार्यवाही के लिए शेष बचते हैं केवल चार दिन।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सत्र की अवधि और उसकी प्रक्रियात्मक वैधता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। उनका कहना है कि प्रस्तावित समय-सारिणी न केवल व्यवहारिक दृष्टि से अपर्याप्त है, बल्कि विधानसभा की नियमावली और संसदीय परंपराओं की भावना के भी प्रतिकूल प्रतीत होती है। कहा कि यदि उत्तराखंड विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य-संचालन नियमावली, 2005 पर दृष्टि डाली जाए तो स्थिति और स्पष्ट होती है। नियम 20(3) के अनुसार राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के लिए चार दिन नियत हैं।

- क्या नियमों की भावना के अनुरूप है यह सत्र: आर्य
- नेता प्रतिपक्ष ने प्रक्रियात्मक वैधता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए

नियम 172 के अनुसार जिस दिन आय-व्ययक (बजट) प्रस्तुत किया जाएगा, उस दिन कोई चर्चा नहीं होगी। नियम 175(1) के अनुसार बजट प्रस्तुति के कम से कम दो दिन बाद सामान्य चर्चा प्रारंभ होती है, जो सामान्यतः चार दिन चलती है। ऐसी परिस्थिति में स्वाभाविक प्रश्न यह उठता है कि जब प्रभावी कार्यवाही के लिए केवल चार दिन उपलब्ध हों, तो अभिभाषण पर चर्चा, बजट प्रस्तुति, अनिवार्य अंतराल तथा सामान्य चर्चाक्षेत्रे सभी प्रक्रियाएँ किस प्रकार पूर्ण होंगी?

21 दिन का सत्र करने की मांग: यशपाल आर्य ने मांग की है कि बजट सत्र की अवधि न्यूनतम 21 दिन निर्धारित की जाए, ताकिज्ञ राज्यपाल के अभिभाषण पर समुचित चर्चा हो सके, बजट पर विस्तृत और सार्थक बहस सुनिश्चित हो, विधायकों के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर मिल सके, तथा प्रदेशवासियों के हितों की पूर्ण रक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवाद, विमर्श और जवाबदेही ही सबसे बड़ी शक्ति हैं। यदि बजट जैसे महत्वपूर्ण विषय पर पर्याप्त समय नहीं दिया जाएगा, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं माना जा सकता

लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता का प्रश्न

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य का कहना है कि यह केवल तकनीकी या प्रक्रियात्मक विषय नहीं है। आगामी बजट एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का होने जा रहा है, जो राज्य की आर्थिक दिशा, विकास योजनाओं और करोड़ों नागरिकों के भविष्य से सीधा जुड़ा हुआ है। इसके अतिरिक्त, सैकड़ों प्रश्न, जनहित के मुद्दे, नीतिगत निर्णय तथा विभिन्न विभागों से संबंधित विषय भी विचारणीय हैं। ऐसे में इतने महत्वपूर्ण विषयों को पाँच दिनों में सीमित करना लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता को कम करने जैसा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि नियमों की भावना का सम्मान नहीं किया जाएगा, तो विधानमंडल की गरिमा और संसदीय परंपराएँ कैसे सशक्त होंगी?

उत्तराखण्ड में अप्रैल माह में विशेष गहन पुनरीक्षण

- मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की एसआईआर तैयारियों के सम्बंध में समीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम ने शुक्रवार को सचिवालय में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों के संबंध में सभी जनपदों के जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में माध्यम समीक्षा बैठक की।

बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आगामी एसआईआर के दृष्टिगत सभी जनपदों की प्रशासनिक तैयारियों की जनपदवार समीक्षा कर कद विस्तृत जानकारी ली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आगामी अप्रैल माह में उत्तराखण्ड में एसआईआर प्रस्तावित है इस लिहाज से जनपद देहरादून, उधमसिंह नगर और नैनीताल में मतदाताओं की मैपिंग की प्रगति लक्ष्य के अनुरुप कम है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिन बूथों पर मैपिंग प्रतिशत कम है सम्बंधित ईआरओ और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जो भी अधिकारी एसआईआर के कार्य में लापरवाही करत हुए पाए गए तो उनपर ठोस कार्रवाई की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जनपदों को तय समयसीमा में एसआईआर की तैयारियों के बूथ अवेयरनेस ग्रुप के गठन के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिलाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा वर्तमान में 77 प्रतिशत बूथों पर कि बूथ लेवल एजेंट्स की तैनाती हो चुकी है, बीएलए की शत प्रतिशत तैनाती हेतु राजनैतिक दलों से पुनः बैठक कर दी जाए। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्र, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सभी जनपदों के डीएम, अपर जिलाधिकारी, ईआरओ वर्चुअल रुप से शामिल रहे।

देहरादून में फिल्म 'अजेय' की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित

देहरादून। सेवाल सामाजिक संस्था के तत्वावधान में माइक्रोसिनेप्लेक्स सिनेमा, द सिटी जंक्शन मॉल, आईएसबीटी, देहरादून में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित प्रेरणादायक फिल्म "अजेय" की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा कुसुम कंडवाल, संस्कृति एवं कला परिषद की अध्यक्षा मधु भट्ट , पुष्पा बर्थवाल, कंचन गुनसोला, आशा पैनुली, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष भावना डोभाल ,स्वामी एस. चंद्र, प्रदेश प्रवक्ता महिला मोर्चा जानकी नौटियाल, डॉ. स्वाति, पूर्व प्रदेश मंत्री ऋषभ रावत, प्रीति शुक्ला, राष्ट्रीय सेविका समिति से शारदा त्रिपाठी, तथा फिल्म के लेखक शांतनु गुप्ता सहित अनेक सम्मानित अतिथिगण उपस्थित रहे। फिल्म के लेखक शांतनु गुप्ता ने अपने संबोधन में फिल्म की पृष्ठभूमि, लेखन प्रक्रिया एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "अजेय" एक व्यक्तित्व की जीवनी मात्र नहीं, बल्कि संकल्प, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की प्रेरक यात्रा का चित्रण है।

कुर्क फ्लैटों को पहले ही बेचकर बिल्डर ने की धोखाधड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर जिला प्रशासन ने धोखाधड़ी करने वाले बिल्डर और उसके प्रतिनिधियों के विरुद्ध थाना राजपुर में मुकदमा दर्ज कराया है।

मामला जीएसटी बकाया न चुकाने और कुर्क की गई संपत्ति की जानकारी छिपाकर प्रशासन को गुमराह करने से जुड़ा है।

मैसर्स क्वींसटन रियलिटी प्रोजेक्ट्स एलएलपी, कैनाल रोड पर जीएसटी का बकाया चल रहा था। देय धनराशि जमा न करने पर तहसीलदार सदर ने कार्रवाई करते हुए 5 जनवरी को बिल्डर के दो फ्लैट (संख्या 303 और 403) कुर्क कर दिए थे। नीलामी की प्रक्रिया फर्म के प्रतिनिधि की उपस्थिति में पूरी की गई और उच्चतम बोलीदाता के पक्ष में फ्लैट आवंटित कर दिए गए।पूरी प्रक्रिया संपन्न होने के बाद यह तथ्य सामने आया कि बिल्डर ने इन फ्लैटों को 27 मई 2022 को ही पूजा संजय मिश्रा के हक में बेच दिया था और ये फ्लैट बैंक में बंधक भी थे। बिल्डर ने यह जानकारी तहसीलदार और नीलाम अधिकारी से छिपाकर धोखाधड़ी की। तथ्यों को छिपाने के आरोप में राजपुर थाना पुलिस ने कर्मवीर सिंह (निवासी मुंबई, महाराष्ट्र), आशीष राजेंद्र गर्ग (निवासी मुंबई, महाराष्ट्र), राजपुरोहित विक्रम सिंह (निवासी गुजरात) और उनके स्थानीय प्रतिनिधि अजय (निवासी काठबंगला, कैनाल रोड) के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

- प्रशासन ने दर्ज कराया मुकदमा

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शनिवार, 21 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

जरूरत रोजगार की

गुरुवार को जिस तरह सुप्रीम कोर्ट सरकारों द्वारा लोगों को दी जाने वाली मुफ्त योजनाओं पर भड़का है, उससे साफ है कि पानी अब सिर से गुजरता जा रहा है। हालांकि यह हमेशा से ही विवाद का विषय रहा है कि सरकार तरह-तरह के प्रलोभन देकर जनता को क्यों लुभाती है,जबकि वह अच्छी तरह जानती है कि वह इतनी अच्छी स्थिति में नहीं है, जो मुफ्त की योजनाओं का भार वहन कर सकें, लेकिन हम देखते हैं कि अपने राजनीतिक लाभ के लिए वह किसी भी सीमा तक पहुंच जाती है। विशेषकर मुफ्त बिजली पानी की चर्चा बहुत होती है। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने तमिलनाडु विद्युत वितरण निगम बनाम भारत सरकार केस की सुनवाई करते हुए कठोर टिप्पणी की। निगम को उपभोक्तों की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को मुफ्त बिजली देने के वादा करने के लिए फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश सवाल किया कि हम पूरे भारत में किस तरह का कल्चर बना रहे हैं। हालांकि उन्होंने माना कि यह तो समझ में आता है कि एक वेलफेयर सिस्टम के तहत उन लोगों को बिजली देनी चाहिए, जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो दे सकते हैं और जो नहीं दे सकते, उनके बीच फर्क किए बिना अगर बांटना शुरू करते हैं, तो क्या यह एक तरह की तुष्टिकरण पॉलिसी नहीं होगी। उन्होंने बेहद तीखे शब्दों में यह भी कहा कि कभी-कभी हम सच में परेशान हो जाते हैं। भले ही आप एक रेवेन्यू सरप्लस राज्य हों। इस समय बात तमिलनाडु की हो रही है, जो 50 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली देने की बात कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी बात पर टिप्पणी की है। कोर्ट का मानना है कि किसी की सहायता करना कोई बुरी बात नहीं, लेकिन जिनको सहायता की जरूरत है और जिनको नहीं, उनके बीच अंतर तो होना ही चाहिए। सबके साथ एकजैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता। कोर्ट की नजर में यह व्यवहारिक नहीं है। यूं भी यह बात केवल तमिलनाडु की नहीं है। करीब-करीब हर राज्य की है, यहां तक कि केंद्र सरकार भी इससे बची हुई नहीं है और इस सच्चाई से भी हर कोई वाकिफ है कि राजनीतिक लोग मुफ्त में कुछ भी नहीं देते। लोक लुभावन वादों में राजनीतिक दलों का अपना हित जुड़ा होता है। देखने में भी आता है जब-जब चुनाव नजदीक होते हैं, तभी मुफ्त योजनाओं की झड़ी लग जाती है। इस हमाम में सभी नंगे हैं। निश्चित रूप से भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस ओर सरकारों का ध्यान दिलाकर एक प्रशंसनीय कार्य किया है और उम्मीद जगाई है कि तमाम सरकारें इस ओर ध्यान देंगी और लोगों द्वारा दिए जा रहे राजस्व का पूरा ध्यान रखेंगी। सबसे बड़ी बात जो सुप्रीम कोर्ट ने कही वह यह कि फ्री की चीजें लोगों को आलसी बनाती हैं। इसलिए जरूरत फ्री की चीजों की नहीं बल्कि उनको रोजगार देने की है। रोजगारों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर बड़ा संदेश

एआई पर आयोजित विश्व सम्मेलन भारत की क्षमताओं का प्रभावशाली प्रदर्शन है, इसमें विश्व के बड़े नेताओं की मौजूदगी एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर बड़ा संदेश देने वाली है, राफेल सौदा रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता के लिए जरूरी है, इसमें बड़ी बात यह है कि राफेल के कुछ हिस्सों का निर्माण भारत में होना ज्यादा महत्वपूर्ण है, राफेल मामले में वह सरकार का समर्थन करते हैं, आई सम्मेलन के शुरुआती दिन बेहद सफल रहे हैं, कुछ छोटी-मोटी दिक्कतें आई, लेकिन बड़े आयोजनों में ऐसा होना आम बात है, विभिन्न मुल्कों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य विश्व नेताओं की मौजूदगी इस आयोजन में अत्यंत प्रभावशाली रही है।

-शशि थरूर, लोकसभा सदस्य, कांग्रेस

युवा स्वर और मातृभाषा: युवाओं की आवाज बने आधार

सही मायनों में इस दिवस को मनाए जाने की शुरूआत अपनी मातृभाषा के लिए बांग्ला भाषा बोलने वालों के प्यार के कारण ही हुई थी। 21 फरवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का सुझाव कनाडा में रहने वाले बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम द्वारा दिया गया था, जिन्होंने बांग्ला भाषा आन्दोलन के दौरान ढाका में 1952 में हुई नृशंस हत्याओं को स्मरण करने के लिए यह दिन प्रस्तावित किया था। भाषा के इस बड़े आन्दोलन में शहीद हुए युवाओं की स्मृति में ही यूनेस्को द्वारा वर्ष 1999 में निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष 21 फरवरी को दुनियाभर में मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भाषा तथा संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

मातृभाषा की मदद से न केवल क्षेत्रीय भाषाओं के बारे में जानने-समझने में सहायता मिलती है बल्कि एक-दूसरे से बातचीत करना भी आसान हो जाता है। यही वजह है कि भाषा की विविधता को विस्तार से जानने के लिए कई देशों ने इस विषय पर मिलकर काम करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत एक क्षेत्र का व्यक्ति किसी दूसरे क्षेत्र के व्यक्ति की मातृभाषा को न केवल जान पाएगा बल्कि उसे सीख भी सकेगा। मानव जीवन में भाषा महत्व को देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति व बौद्धिक विरासत की रक्षा करने, भाषाई तथा सांस्कृतिक विविधता एवं बहुभाषावाद का प्रचार करने और दुनियाभर की विभिन्न मातृभाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनके संरक्षण के लिए यूनेस्को द्वारा हर साल 21 फरवरी को वैश्विक स्तर पर 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' मनाता जाता है।

यह दिवस भाषाओं का जश्न मनाने का समय है, साथ ही यह भाषाओं की विविधता और बहुभाषिता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी समय है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का एक महत्वपूर्ण कारण बहुभाषिता को बढ़ावा देना भी है। बहुभाषिता एक से अधिक भाषा बोलने की क्षमता है, जो कई मायनों में फायदेमंद हो सकती है। यह लोगों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने में मदद कर सकती है और उन्हें बेहतर संचारक भी बना सकती है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रतिवर्ष एक महत्वपूर्ण थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 का विषय है 'बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की राय', जो भाषाई विविधता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी की रक्षा, पुनर्जीवन और उपयोग में युवाओं की आवश्यक भूमिका को उजागर करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि शिक्षा प्रणाली समावेश को बढ़ावा देने के लिए शिक्षार्थियों की मातृभाषाओं को पहचानती और उनका समर्थन करती है। 2025 में यह दिवस 'भाषाएं मायने रखती हैं, अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोह' विषय के साथ मनाया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024 और 2023 की थीम क्रमश: 'बहुभाषी शिक्षा अंतर पीढ़ीगत शिक्षा का एक स्तंभ है' तथा 'बहुभाषी शिक्षा: शिक्षा को बदलने की आवश्यकता' थी। इससे पहले 2022 की थीम 'बहुभाषी शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग: चुनौतियां और अवसर' थी जबकि 2021 के मातृभाषा दिवस की थीम थी 'शिक्षा और समाज में समावेशन के लिए बहुभाषावाद को प्रोत्साहन'। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया गया था। यूनेस्को द्वारा मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 17 नवम्बर 1999 को की गई थी और पहली बार वर्ष 2000 में इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया गया था। सही मायनों में इस दिवस को मनाए जाने की शुरूआत अपनी मातृभाषा के लिए बांग्ला भाषा बोलने वालों के प्यार के कारण ही हुई थी। 21 फरवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का सुझाव कनाडा में रहने वाले बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम द्वारा दिया गया था, जिन्होंने बांग्ला भाषा आन्दोलन के दौरान ढाका में 1952 में हुई नृशंस हत्याओं को स्मरण करने के लिए यह दिन प्रस्तावित किया था। भाषा के इस बड़े आन्दोलन में शहीद हुए युवाओं की स्मृति में ही यूनेस्को द्वारा वर्ष 1999 में निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष 21 फरवरी को दुनियाभर में मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भाषा तथा संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और शिक्षा तथा साहित्य से जुड़े लोग विभिन्न भाषाओं को लेकर चर्चा करने के साथ-साथ किसी भी भाषा को सरल व सुगम बनाने के लिए परामर्श भी देते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में बोली जाने वाली करीब सात हजार भाषाओं में से नब्बे फीसद भाषाएं बोलने वाले लोग एक लाख से भी कम हैं। चिंता की बात यह है कि दुनियाभर में बोली जाने वाली सभी भाषाओं में से अब 40 फीसद से अधिक भाषाएं लुप्तप्राय हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक केवल कुछ सौ भाषाओं को ही शिक्षा प्रणालियों और सार्वजनिक क्षेत्र में जगह मिली है और वैश्विक आबादी के करीब चालीस फीसदी लोगों ने ऐसी भाषा में शिक्षा प्राप्त नहीं की, जिसे वे बोलते अथवा समझते हैं। डिजिटल दुनिया में तो वैश्विक स्तर पर सौ से भी कम भाषाओं का उपयोग किया जाता है। वैश्वीकरण के इस दौर में बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए विदेशी भाषा सीखने की होड़ मातृभाषाओं के लुप्त होने के पीछे एक प्रमुख कारण माना जाता है। लुप्त हो रही भाषाओं के संरक्षण के लिए भारत में 'लुप्तप्राय भाषाओं की सुरक्षा और संरक्षण' योजना भी चलाई जा रही है। यूजीसी देश में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने तथा 'लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में केन्द्र की स्थापना' योजना के तहत कई केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को सहयोग करता है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषाओं के विकास पर काफी ध्यान दिया गया है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि जहां तक संभव हो, कम से कम पांचवीं कक्षा तक तो शिक्षा का माध्यम मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा ही होना चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार भी शिक्षा का माध्यम, जहां तक व्यावहारिक हो, बच्चे की मातृभाषा ही होनी चाहिए। दरअसल प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने से यह छात्रों को उनकी पसंद के विषय तथा भाषा को सशक्त बनाने में मददगार साबित होगा और यह भारत में बहुभाषी समाज के निर्माण, नई भाषाओं को सीखने की क्षमता इत्यादि में भी मदद करेगा। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधा के लिए संविधान के अनुच्छेद 350 ए में स्पष्ट है कि देश के प्रत्येक राज्य और स्थानीय प्राधिकारी का प्रयास होगा कि वह भाषाई अल्पसंख्यक समूहों के बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक चरण में मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करें। बहरहाल, हालांकि आज भारत सहित कई बड़े देशों में भाषा को सरल एवं सुगम बनाने के लिए कई प्रकार की योजनाएं तैयार की जा रही हैं और छात्रों को विभिन्न भाषाओं की जानकारी मिल सके, इस उद्देश्य से कई विश्वविद्यालयों में भाषा को लेकर नए कोर्स भी तैयार किए जा रहे हैं लेकिन भाषाओं के संरक्षण के लिए गंभीर वैश्विक प्रयासों की सख्त दरकार है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

दक्षिण भारत की फिल्टर कॉफी

इतालवी लोग कॉफी को कई तरह से बनाते हैं। मसलन एस्प्रेसो कॉफी में, उच्च दाब पर कॉफी पावडर से गर्मा-गरम पानी गुजारा जाता है। दक्षिण भारतीय फिल्टर कॉफी आम तौर पर गर्म दूध डाल कर पी जाती है। कॉफी में दूध मिलाने से उसका स्वाद और महक बढ़ जाते हैं। दरअसल, जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री के जनवरी 2023 के अंक में यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन, डेनमार्क के शोधकर्ताओं द्वारा प्रका. शित एक पेपर बताता है कि दूध वाली कॉफी पीना शोथ-रोधी असर दे सकता है। दूध में प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट की उपस्थिति रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा करने वाली कोशिकाओं को सक्रिय करने में मदद करती है।

वे बसाइट स्टेटिस्टा बताती है कि ब्राजील, वियतनाम, कोलंबिया, इंडोनेशिया, इथियोपिया और होंडुरास के बाद भारत दुनिया का छठवां सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक देश है। 2022-23 में भारत में करीब 4 लाख टन कॉफी का उत्पादन हुआ है।

डॉ. केटी अचया अपनी पुस्तक इंडियन फूड ए हिस्टोरिकल कम्पेनियन में लिखते हैं कि 14वीं-15वीं शताब्दी में कॉफी मध्य पूर्व से कोहा नाम से भारत आई और बाद में कॉफी कहलाने लगी। कुछ ब्लॉगर्स लिखते हैं कि औपनिवेशिक अंग्रेजों ने मैसूर से यूरोप तक भारतीय कॉफी का व्यावसाईकरण किया था। स्रोत के फरवरी 2020 के अंक में प्रकाशित अपने एक लेख में मैंने लिखा था कि कॉफी एक स्वास्थ्यवर्धक पेय है। मेटा-विश्लेषण से पता चलता है कि कॉफी में कई विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। इस तरह यह एक ऐसा स्वास्थ्यकारी पेय है जो हमारे आमाशय की को. शिकाओं को ऑक्सीकारक क्षति से बचाता है और टाइप-2 डायबिटीज और बढ़ती उम्र से जुड़ी कई बीमारियों के जोखिम को कम करता है, लेकिन इसकी अति से बचना चाहिए एक दिन में पांच कप से ज्यादा नहीं। दक्षिण भारतीय कॉफी वास्तव में भुने हुए कॉफी के बीज और भुनी हुई चिकरी की जड़ों के पावडरों का मिश्रण होती है। चिकरी की यह मिलावट ही दक्षिण भारतीय कॉफी को खास बनाती है, लेकिन चिकरी है क्या? यह मूलत: यूरोप और एशिया में पाई जाने वाली एक वनस्पति है। इसकी जड़ में इनुलिन नामक एक स्टार्ची पदार्थ होता है। यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। यह गेहूं, प्याज, केले, लीक (हरी प्याज सरीखी सब्जी), आर्टिचोक (हाथी चक) और सतावरी सहित विभिन्न फलों, सब्जियों और जड़ी-बूटियों में पाया जाता है। चिकरी की जड़ हल्का-सा विरेचक (दस्तावर) असर देती है और सूजन कम करती है। यह बीटा कैरोटीन का भी एक समृद्ध स्रोत है। यह कॉफी के मुकाबले कोशिकाओं को ऑक्सीकारक क्षति से बेहतर बचाता है। इसके अलावा, चिकरी में कैफीन भी नहीं होता, जिसके कारण बेचैनी और अनिद्रा की शिकायत होती है। दूसरी ओर कॉफी में कैफीन होता है। यही कारण है कि दक्षिण भारतीय तरीके से (कॉफी और चिकरी पाउडर मिलाकर) कॉफी बनाना एक अच्छी परम्परा लगती है- इस मिश्रण में 70 प्रतिशत कॉफी और 30 प्रतिशत चिकरी पावडर मिलाते हैं। स्वादानुसार ए प्रतिशत अलग भी हो सकते हैं। भारत में कॉफी बागान कहां-कहां हैं?

इसके अधिकतर बागान कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के पहाड़ी क्षेत्रों में हैं। फिर आंध्र प्रदेश (अरकू घाटी) और ओडिशा, मणिपुर, मिजोरम के पहाड़ी क्षेत्रों में और पूर्वोत्तर भारत के सेवन सिस्टर्स पहाड़ों में कॉफी के बागान हैं। चिकरी मुख्यत: उत्तर प्रदेश और गुजरात में उगाई जाती है। दिलचस्प बात यह है कि इन दोनों राज्यों में ज्यादातर लोग चाय पीते हैं, कॉफी नहीं। अच्छी बात यह है कि तुलनात्मक रूप से प्रति कप चाय में भी कम कैफीन होता है। दुनिया के कई हिस्सों में लोग बिना दूध वाली ब्लैक कॉफी पीते हैं। इतालवी लोग कॉफी को कई तरह से बनाते हैं। मसलन एस्प्रेसो कॉफी में, उच्च दाब पर कॉफी पावडर से गर्मा-गरम पानी गुजारा जाता है। दक्षिण भारतीय फिल्टर कॉफी आम तौर पर गर्म दूध डाल कर पी जाती है। कॉफी में दूध मिलाने से उसका स्वाद और महक बढ़ जाते

हैं। दरअसल, जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री के जनवरी 2023 के अंक में यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन, डेनमार्क के शोधकर्ताओं द्वारा प्रकाशित एक पेपर बताता है कि दूध वाली कॉफी पीना शोथ-रोधी असर दे सकता है। दूध में प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट की उपस्थिति रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा करने वाली कोशिकाओं को सक्रिय करने में मदद करती है। दूध वाली कॉफी के स्वास्थ्य पर प्रभावों का अध्ययन करने के लिए शोधकर्ताओं ने मनुष्यों पर परीक्षण शुरू कर दिए है। इसमें कोई संदेह नहीं कि कॉफी के शौकीन भारतीय लोग इस ट्रायल में जरूर शामिल होना चाहेंगे।

शीतलन पर शोध : सिर्फ शरीर को ठंडा करके चल जाएगा काम

समस्या तब शुरू होती है जब गर्मी के दिनों में बाहर का परिवेश शरीर की तुलना में गर्म हो जाता है, और शरीर पर्याप्त ऊष्मा नहीं बिखेर पाता। एकमात्र तरीका होता है कि पसीना आए जिसके वाष्पीकरण के माध्यम से शरीर की गर्मी बाहर निकल सके, लेकिन आसपास का परिवेश उमस (नमीं भरा हो तो पसीना आना कारगर नहीं होता है बल्कि बेचैनी बढ़ जाती है क्योंकि पसीने का वाष्पीकरण नहीं हो पाता। प्रोसिडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में शोधकर्ताओं ने जिस तरीके का उपयोग किया है उसमें उन्होंने कमरे में एक विशेष रूप से निर्मित पर्याप्त ठंडी सतह लगाई है जो मानव शरीर द्वारा उत्सर्जित ऊष्मा को अवशोषित तो करेगी लेकिन उसे पर्यावरण में वापस नहीं छोड़ेगी, यानी यह एकतरफा रास्ते (वन-वे) की तरह काम करेगी। तो सवाल है कि कोई भी ठंडी सतह यह काम क्यों नहीं कर सकती? इसलिए कि कमरे की कोई भी साधारण सतह या चीज आसपास बहती गर्म हवा के संपर्क में आकर जल्दी गर्म हो जाएगी।

गर्मी से राहत पाने के लिए हम अपने कमरे या अपने आसपास की जगह को ठंडा करने का जो तरीका अपनाते हैं, उससे हम उन चीजों को भी ठंडा कर देते हैं जिन्हें ठंडा करने की जरूरत नहीं होती। किसी कमरे में मौजूद चीजों की ऊष्मा धारिता, जिन्हें एयर कंडीशनर (एसी) ठंडा कर देता है, लोगों की ठंडक की जरूरत की तुलना में कई गुना अधिक होती है। हाल ही में ETH इंस्टिट्यूट के सिंगापुर परिसर के एरिक टिटेलबौम और उनके दल ने प्रोसीडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में विकिरण शीतलन (रेडिएटिव कूलिंग) पर एक अध्ययन प्रकाशित किया है। इस तकनीक में शरीर की गर्मी बाहर निकलेगी और शरीर ठंडा तो होगा, लेकिन आसपास की चीजों को ठंडा करने में ऊर्जा जाया नहीं होगी। जिस तरह हम किसी वस्तु पर रंगीन रोशनी तो डाल सकते हैं, लेकिन हम उस पर अंधेरा नहीं डाल सकते, उसी तरह गर्म वस्तुएं अपनी गर्मी तो बाहर छोड़ती या बिखेरती हैं, लेकिन ठंडी चीजें अपनी ठंडक बाहर छोड़ती या फैलाती नहीं हैं, लेकिन ठंडी चीजें जितनी ऊष्मा उत्सर्जित करती हैं उसकी तुलना में अधिक ऊष्मा अवशोषित करती हैं और ठंडी चीजों की मौजूदगी गर्म चीजों को अपनी ऊष्मा खोने और ठंडी होने में मदद करती है, तो सवाल सिर्फ उन चीजों को शीतल करने का है जिन्हें ठंडा करने की जरूरत है। आम तौर पर हम गर्मी के मौसम में लोगों को ठंडक देने के लिए जिस तरीके का उपयोग करते हैं, वह है एयर कंडीशनिंग या वातानुकूलन। इसमें कमरों में ठंडी हवा छोड़ी जाती है और सर्दियों में लोगों को गर्माहट देने के लिए हम रेडिएटर्स या गर्म वस्तुओं का उपयोग करते हैं, जो कमरे की हवा को गर्म कर देते हैं, हालांकि लोग सीधे भी इन रेडिएटर्स की गर्मी को महसूस कर सकते हैं। ठंडा करने के लिए एकमात्र व्यावहारिक तरीका है कि हवा को शीतलक से गुजार कर ठंडा किया जाए और फिर इस ठंडी हवा को कमरे में फैलाया जाए (सिर्फ पंखे का उपयोग करें तो उसकी हवा से शरीर का पसीना वाष्पित होकर थोड़ी ठंडक महसूस कराता है)। इस तरह ठंडे किए जा रहे कमरे में लोग ठंडक या आराम महसूस करने लगें उसके पहले ठंडी हवा को दीवारों, फर्नीचर और फर्श को ठंडा करना पड़ता है। मानव शरीर का तापमान लगभग 37 डिग्री सेल्सियस रहता है। चूंकि आसपास का परिवेश आम तौर पर अपेक्षाकृत ठंडा होता है, तो शरीर के भीतर ऊष्मा उत्पादन और बाहर ऊष्मा ह्रास के बीच संतुलन रहता है। यह ऊष्मा ह्रास मुख्य रूप से विकिरण के माध्यम से होता है। इस प्रक्रिया में गर्म शरीर परिवेश से अवशोषित ऊष्मा की तुलना में अधिक ऊष्मा बिखेरता है। कुछ ऊष्मा ह्रास हवा के संपर्क से भी होता है, लेकिन इस तरह से बहुत ज्यादा ऊष्मा बाहर नहीं जाती है, क्योंकि हवा की ऊष्मा धारिता कम होती है। समस्या तब शुरू होती है जब गर्मी के दिनों में बाहर का परिवेश शरीर की तुलना में गर्म हो जाता है, और शरीर पर्याप्त ऊष्मा नहीं बिखेर पाता। एकमात्र तरीका होता है कि पसीना आए जिसके वाष्पीकरण के माध्यम से शरीर की गर्मी बाहर निकल सके, लेकिन आसपास का परिवेश उमस (नमीं भरा हो तो पसीना आना कारगर नहीं होता है बल्कि बेचैनी बढ़ जाती है क्योंकि पसीने का वाष्पीकरण नहीं हो पाता। प्रोसिडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में शोधकर्ताओं ने जिस तरीके का उपयोग किया है उसमें उन्होंने कमरे में एक विशेष रूप से निर्मित पर्याप्त ठंडी सतह लगाई है जो मानव शरीर द्वारा उत्सर्जित ऊष्मा को अवशोषित तो करेगी लेकिन उसे पर्यावरण में वापस नहीं छोड़ेगी, यानी यह एकतरफा रास्ते (वन-वे) की तरह काम करेगी। तो सवाल है कि कोई भी ठंडी सतह यह काम क्यों नहीं कर सकती? इसलिए कि कमरे की कोई भी साधारण सतह या चीज आसपास बहती गर्म हवा के संपर्क में आकर जल्दी गर्म हो जाएगी। इसके अलावा, हवा में मौजूद नमी ठंडी सतह पर संघनित हो जाएगी और संघनन की प्रक्रिया से अत्यधिक ऊष्मा मुक्त होती है। वातानुकूलन के मामले में, दरअसल, कमरे में प्रवाहित हो रही हवा को सुखाने में जितनी ऊर्जा लगती है, वह ऊर्जा उस हवा को ठंडा करने में लगने वाली ऊर्जा से कहीं अधिक होती है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने जो व्यवस्था बनाई है वह इन दोनों प्रभावों को ध्यान रखती है और ठंडी सतह को केवल उस पर पड़ने वाले विकिरण द्वारा ऊष्मा सोखने देती है। शोधकर्ताओं द्वारा बनाई गई यह व्यवस्था धातु की चादर लगी एक दीवार थी जिसे ठंडे किए गए पानी की मदद से 17 डिग्री सेल्सियस पर रखा गया था। इस व्यवस्था को उन्होंने सिंगापुर में एक तंबू को ठंडा करने में आजमाया, जिसका तापमान लगभग 30 डिग्री सेल्सियस था।

आम तौर पर, हवा (संवहन द्वारा) धातु की चादर को गर्म कर देती है, लेकिन यहां ऐसा न हो इसलिए इस व्यवस्था में एक कम घनत्व वाली पॉलीएथलीन झिल्ली को इंसुलेटर के रूप में धातु की चादर के ऊपर लगाया गया था। अध्ययन के अनुसार, हम ऊष्मा स्थानांतरण के इस अवांछित संवहन को हटा पाए। बहरहाल, यह झिल्ली विकिरण ऊष्मा के लिए पारदर्शी थी और तंबू में मौजूद लोगों के गर्म शरीर का ऊष्मा विकिरण इससे गुजर सकता था ताकि उसे अंदर की ठंडी सतह सोख सके। हवा से संपर्क वाली सतह को इन्सुलेशन झिल्ली ने अधिक ठंडा होने से बचाए रखा जिसकी वजह से संघनन नहीं हो पाया। परीक्षणों में देखा गया कि 6615 प्रतिशत आर्द्रता होने पर भी 23.7 डिग्री सेल्सियस (जिस तापमान पर संघनन शुरू होता है) पर भी दीवार की सतह पर कोई संघनन नहीं हुआ था। अध्ययन के अनुसार, दीवार के अंदर से गुजरता ठंडा पानी संघनन तापमान से भी कम, 1217 डिग्री सेल्सियस, तक भी ठंडा रखा जा सकता है। मानव आराम के बारे में क्या? सिंगापुर में 8 से 27 जनवरी के दौरान, जब वहां गर्मी का मौसम पड़ता है, 55 लोगों के साथ यह देखा गया कि उन्होंने कैसी ठंडक महसूस की। 55 लोगों में से 37 लोगों ने तंबू में तब प्रवेश किया था जब शीतलन प्रणाली चालू थी और बाकी 18 लोगों ने तब प्रवेश किया जब शीतलन प्रणाली बंद थी। जिस समूह ने शीतलन प्रणाली चालू रहते प्रवेश किया था, उन्होंने 79 प्रतिशत दफे तंबू में तापमान संतोषजनक बताया। यह देखा गया कि वहां मौजूद गर्म वस्तुओं ने अपनी गर्मी अवशोषक दीवार को दे दी थी और सबसे गर्म वस्तुएं मनुष्य थे और उन्होंने ही सबसे अधिक ऊष्मा गंवाई। हालांकि, हवा (या तंबू) का तापमान बमुश्किल ही कम हुआ था, 31 डिग्री सेल्सियस से घटकर यह सिर्फ 30 डिग्री सेल्सियस हुआ था। इस अंतिम अवलोकन से पता चलता है कि हवा को ठंडा करने में बहुत कम ऊर्जा खर्च हो रही थी, जबकि पारंपरिक शीतलन प्रणालियों में तापमान घटाने के लिए मुख्य वाहक हवा ही होती है। इस तरह इस अध्ययन में प्रस्तुत यह तकनीक एयर कंडीशनर की जगह बखूबी ले सकती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस तकनीक से ऊर्जा की खपत में 50 प्रतिशत तक कमी आ सकती है, सिर्फ ऊष्मा सोखने वाली दीवारों तक ठंडे पानी को पहुंचाने में ऊर्जा लगेगी। यह इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि विश्व की कुल ऊर्जा खपत में से एयर कंडीशनिंग की ऊर्जा एक बड़ा हिस्सा है और इसके बढ़ने की संभावना है। नई प्रणाली का एक अन्य लाभ यह है कि ठंडे किए जा रहे स्थान खुली खिड़की वाले, हवादार भी हो सकते हैं। एयर कंडीशनिंग में, किफायत के लिहाज से यह मांग होती है कि अधिकांश ठंडी हवा को पुन: कमरे में घुमाया जाता रहे। तब ऑफिस में यदि कोई व्यक्ति सर्दी-जुकाम (या ऐसे ही किसी संक्रमण) से पीड़ित हो तो पूरी संभावना है कि वह बाकियों को भी अपना संक्रमण दे देगा। विकिरण शीतलन (रेडिएंट कूलिंग) की तकनीक काम करती है क्योंकि मानव शरीर से निकलने वाली ऊष्मा आसपास की हवा द्वारा नहीं सोखी जाती है जिसे वापस मुक्त कर दिया जाए वह तो ठंडी सतह तक पहुंच सकती है। वैसे, धरती के पैमाने पर देखें तो वायुमंडल ऊष्मा को पृथ्वी से बाहर नहीं निकलने देता है, यही कारण है कि रात में पृथ्वी बहुत ठंडी नहीं होती है और इसलिए वायुमंडल में परिवर्तन वैश्विक तापमान बढ़ने का कारण बन रहे हैं। हालांकि, 8-13 माइक्रोमीटर तरंग दैर्ध्य के लिए हमारा वायुमंडल ऊष्मा के लिए पारदर्शी है। इस परास की तरंग दैर्ध्य वाला ऊष्मा विकिरण वायुमंडल से बाहर सीधे अंतरिक्ष में जाता है। इस तथ्य का फायदा उठाने के लिए वस्तुओं को ऐसी फिल्म या शीट से ढंका जाता है जो वस्तुओं से निकलने वाली गर्मी को वांछित रेंज की तरंग दैर्ध्य में परिवर्तित कर दें। नतीजा यह होता है कि धूप में रखी जाने पर ए वस्तुएं रेडिएटिव कूलिंग के माध्यम से परिवेश की तुलना में 4-5 डिग्री सेल्सियस तक ठंडी हो सकती हैं। यह तकनीक ग्रीन कोल्ड स्टोरेज और सौर ऊर्जा पैनल, जो गर्म होने पर कम कुशल हो जाते हैं, के लिए उपयोगी हो सकती है।

...साभार

इम्फाल। लैंगोल स्थित वैकल्पिक आवास परिसर में विस्थापित बच्चों से बातचीत करते मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद।

एपस्टीन फाइल्सः माकपा ने की हरदीप पुरी को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग

नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने 'एपस्टीन फाइल्स' के खुलासों का हवाला देते हुए शुक्रवार कोपेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को केंद्रीय मंत्रिमंडल से तुरंत हटाने की मांग की। माकपा पोलित ब्यूरो ने एक बयान में फाइलों की सामग्री को 'अत्यंत घृणित एवं वीभत्स' करार देते हुए आरोप लगाया कि ये फाइलें राजनेताओं, वित्तीय दिग्गजों, प्रौद्योगिकी जगत के नेताओं और मशहूर हस्तियों के शक्तिशाली वैश्विक नेटवर्क का पर्दाफाश करती हैं, जो यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े हैं। पोलित ब्यूरो ने कहा कि एपस्टीन फाइल्स की अत्यंत घृणित और वीभत्स सामग्री रोजाना सामने आ रही है। उन्होंने इसके साथ ही अमेरिकी अधिकारियों पर जानकारी दबाने के प्रयास का आरोप भी लगाया।

गाजा पर बोर्ड ऑफ पीस मीटिंग में भारत हुआ शामिल

गाजा के लिए 1.5 लाख करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान, 50 देशों के प्रतिनिधि पहुंचे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक में भारत ने आब्जर्वर देश के तौर पर हिस्सा लिया। यह बैठक वाशिंगटन डीसी में हुई। भारत की तरफ से भारतीय दूतावास में तैनात चार्ज द'अफेयर्स (सीनियर अधिकारी) नमग्या सी खम्पा ने हिस्सा लिया। भारत ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह बोर्ड का फुल टाइम मेंबर बनेगा या नहीं।

भारत ने पिछले महीने दावोस में इसके लान्च कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया था। बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में गाजा के पुनर्निर्माण के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज का ऐलान किया गया है। ट्रम्प ने कहा कि 9 सदस्य देश गाजा राहत पैकेज के लिए 63 हजार करोड़ रुपये (7 अरब डालर) देंगे। जबकि, अमेरिका खुद 90 हजार करोड़ रुपये (10 अरब डालर) देगा। वहीं, 5 देशों ने युद्ध से तबाह फलस्तीनी इलाके में सैनिक तैनात करने पर सहमति दी है। वाशिंगटन में हुई इस बैठक में करीब 50 देशों के अधिक. रों शामिल हुए। इनमें से 27 देश बोर्ड के सदस्य हैं, जिनमें अजरबैजान, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, इंडोनेशिया, इजरायल, जार्डन, मोरक्को, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, उज्बेकिस्तान और वियतनाम शामिल हैं। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) सहित बाकी देश आब्जर्वर के तौर पर शामिल हुए। ट्रम्प ने कहा कि यह रकम युद्ध पर होने वाले खर्च के मुकाबले बहुत छोटी है। उन्होंने सदस्य देशों से कहा कि अगर सभी देश साथ आएं तो उस इलाके में स्थाई शांति लाई जा सकती है, जो सदियों से युद्ध और हिंसा झेलता आया है।

ट्रम्प ने कहा कि गाजा पर खर्च किया गया हर डालर इलाके में स्थिरता लाने और बेहतर भविष्य बनाने में निवेश है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि कितने सैनिक भेजे जाएंगे, वे कब तैनात होंगे और दी गई रकम का इस्तेमाल किस तरह किया जाएगा। 5 देशों ने युद्ध से तबाह फलस्तीनी इलाके में सैनिक तैनात करने पर सहमति दी है। ट्रम्प ने यह भी साफ किया कि यह बोर्ड अब दुनिया भर के संघर्ष सुलझाने में भी भूमिका निभाएगा। ट्रम्प ने कहा, बोर्ड संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की निगरानी करेगा और सुनिश्चित करेगा कि वह ठीक से काम कर रहा है। वहीं, श्बोर्ड ऑफ पीसश की पहली बैठक से ठीक पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक हुई। इसमें वेस्ट बैंक में इजरायल के नियंत्रण बढ़ाने की कोशिशों की आलोचना की गई। बैठक में भारत समेत ज्यादातर देशों ने सीनियर अधिकारियों को भेजा। वहीं पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली और हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर आर्बन खुद पहुंचे। जर्मनी, इटली, नार्वे, स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन उन देशों में हैं, जो बोर्ड में शामिल नहीं हुए हैं, लेकिन आब्जर्वर के तौर पर भाग लिया।

9 सदस्य देश गाजा राहत पैकेज के लिए 63 हजार करोड़ रुपये देंगे

मैंने भारत-पाक को 200 प्रतिशत टैरिफ की चेतावनी दी तब लड़ाई रोकने के लिए माने: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वाशिंगटन में फिर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। इसके बाद वे संघर्ष रोकने के लिए माने। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ये बात 'बोर्ड ऑफ पीस' कार्यक्रम में कही। ट्रम्प ने कहा कि उस समय दोनों देशों के बीच हालात बहुत खराब थे, लड़ाई तेज हो गई थी और विमान गिराए जा रहे थे। मैंने दोनों नेताओं (मोदी और शहबाज शरीफ) को फोन किया। मैंने दोनों से साफ कह दिया था कि अगर वे झगड़ा खत्म नहीं करेंगे तो मैं उनके साथ कोई ट्रेड डील नहीं करूंगा। ट्रम्प के मुताबिक दोनों देश लड़ना चाहते थे, लेकिन जब पैसे का मामला आया और नुकसान की बात सामने आई तो वे मान गए। ट्रम्प ने दावा किया कि इस संघर्ष के दौरान 11 महंगे फाइटर जेट्स गिराए गए थे।

ट्रम्प ने ईरान को 'बुरी चीजों' की चेतावनी दी

अमेरिकी राष्ट्रपति ने परमाणु समझौते के लिए तय की 10-15 दिन की समय सीमा

■ ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है, लेकिन उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान को एक 'अर्थपूर्ण' समझौता करना होगा: ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि यदि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने में विफल रहा तो बुरी चीज़ें होंगी और उन्होंने ईरान पर फैसले के लिए अपनी समय सीमा 10-15 दिन तक बढ़ा दी। ट्रम्प का यह बयान पश्चिम एशिया में अमेरिका की भारी सैन्य तैयारी के बीच आया है, जिससे बड़े युद्ध की चिंताएं बढ़ गई हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है, लेकिन उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान को एक 'अर्थपूर्ण' समझौता करना होगा। इस बीच, अमेरिका इस सप्ताह के अंत तक ईरान पर हमला करने के लिए तैयार है, हालांकि ट्रम्प ने अभी तक कोई आखिरी फैसला नहीं लिया है। एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से बात करते हुए, ट्रम्प ने कहा कि 10-15 दिन, ज्यादा से ज्यादा। या तो हम समझौता कर लेंगे या यह उनके लिए बुरा होगा। अमे. रिका के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें 10 दिनों के अंदर पता चल जाएगा कि ईरान के साथ समझौता मुमकिन है या नहीं। उन्होंने बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक में कहा कि हमें इसे एक कदम और आगे ले जाना पड़ सकता है, या शायद नहीं भी। शायद हम एक समझौता कर लें।

आपको अगले शायद 10 दिनों में पता चल जाएगा। ट्रम्प ने इज़रायल के ज़ोर देने पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की बार-बार बात की है। ईरान में पिछले महीने सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई में हज़ारों लोग मारे गए थे। पिछले साल जून में ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिका के हमलों का ज़िक्र करते हुए, ट्रम्प ने दोहराया कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। अगर उनके पास परमाणु हथियार हैं तो आप पश्चिम एशिया में शांति नहीं ला सकते। ट्रम्प ने कहा कि अब ईरान के लिए हमारे साथ उस रास्ते पर चलने का समय है, जो हम कर रहे हैं, उसे पूरा करे। अगर वे हमारे साथ आते हैं, तो यह बहुत अच्छा होगा। अगर वे हमारे साथ नहीं आते हैं, तो भी यह बहुत अच्छा होगा, लेकिन यह एक बहुत अलग रास्ता होगा। वे पूरे इलाके की स्थिरता को खतरा नहीं पहुंचा सकते। उन्होंने कहा कि उन्हें एक समझौता करना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, 'तो बुरी चीजें होंगी।

ईरान ने दिया डोनाल्ड ट्रम्प को अल्टीमेटम

■ कहा: यदि अमेरिका हमला करता है, तो उसके ठिकानों पर हमला ईरान के लिए वैध होगा: ईरान

न्यूयॉर्क। ईरान ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका अपनी सैन्य धमकियों पर अमल करता है, तो अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों पर ईरानी हमले 'वैध' होंगे। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरवानी ने पत्र में कहा कि ईरान किसी भी हमले का 'निर्णायक' जवाब देगा। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में सैन्य आक्रामकता के गंभीर परिणामों की चेता. वनी भी दी। यह घटनाक्रम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को दी गई उस धमकी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने परमाणु मुद्दे पर अमेरिका के साथ समझौता करने के लिए 'अधिकतम 10-15 दिन' का समय दिया है। उन्होंने कहा कि यदि दोनों पक्ष किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रहते हैं, तो 'बुरी चीजें' होंगी। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थाई मिशन ने भी ट्रम्प के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि यह 'सैन्य आक्रामकता के वास्तविक खतरे का संकेत है', हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान युद्ध नहीं चाहता है। पत्र में चेतावनी दी गई कि 'किसी भी अप्रत्याशित और अनियंत्रित परिणाम के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका पूर्ण और प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होगा।' बढ़ते तनाव के बीच पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य तैनाती पर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने संवाददाताओं से कहा कि महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, अन्य लोगों की तरह, सैन्य जमावड़े, युद्धाभ्यास और चल रहे प्रशिक्षण को लेकर बहुत चिंतित हैं। इसीलिए हम ईरान और अमेरिका दोनों को ओमान की मध्यस्थता में अपनी चर्चा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

चीन को ऑप्टिकल संचार और 6जी तकनीक में बड़ी कामयाबी

बीजिंग। चीन ने ऑप्टिकल फाइबर और वायरलेस नेटवर्क को जोड़ने वाली एकीकृत संचार प्रणाली विकसित की है, जिसने डेटा ट्रांसमिशन की गति में नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। वैज्ञानिक जर्नल नेचर में गुरुवार को प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, एआई डाटा केंद्रों में कंप्यूटिंग शक्ति की बढ़ती मांग और अगली पीढ़ी के 6जी वायरलेस नेटवर्क के विकास के लिए विभिन्न परिस्थितियों में उच्च गति और कम विलंबता वाले सिग्नल ट्रांसमिशन की आवश्यकता होती है। ऑप्टिकल फाइबर और वायरलेस संचार प्रणालियों के बीच हालांकि सिग्नल आकिटेक्चर और हार्डवेयर में अंतर के कारण एक ही बुनियादी ढांचे पर दोनों प्रणालियों के बीच उच्च गति और अनुकूल एंड-टू-एंड ट्रांसमिशन हासिल करना कठिन रहा है। यह उच्च गति दूरसंचार नेटवर्क के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई थी, जिस पर चीनी शोध दल ने कामयाबी हासिल कर ली है। पेकिंग विश्वविद्यालय, पेंग चेंग प्रयोगशाला, शंघाईटेक विश्व. विद्यालय और राष्ट्रीय ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स इनोवेशन सेंटर की शोध टीम ने एक एकीकृत संचार प्रणाली विकसित की है, जो ऑप्टिकल फाइबर पर 512 जीबीपीएस और वायरलेस पर 400 जीबीपीएस का सिगल-चैनल सिग्नल ट्रांसमिशन प्राप्त करती है।

सेना प्रमुख द्विवेदी ने ऑस्ट्रेलिया में सैन्य सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने चार दिन की आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान वहां शीर्ष सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए समकालीन सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में मजबूत नेतृत्व, सेनाओं के बीच संयुक्तता और बहुराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर बल दिया।

सेना ने शुक्रवार को यहां बताया कि जनरल द्विवेदी 16 से 19 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर थे। उनकी यात्रा से भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग को नई गति मिली और दोनों देशों के बीच सामरिक समन्वय और गहरा हुआ। यात्रा के दौरान जनरल द्विवेदी ने ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ व्यापक बातचीत की। इन चर्चाओं में द्विपक्षीय सैन्य सहयोग की समीक्षा की के साथ सेना-से-सेना सहयोग का दायरा बढ़ाने के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। संयुक्त अभ्यासों के दायरे और जटिलता को बढ़ाने, व्यावसायिक सैन्य शिक्षा आदान-प्रदान को सुदृढ़ करने तथा दोनों सेनाओं के बीच पारस्परिक संचालन क्षमता को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया। सिडनी में सेना प्रमुख ने फोर्सेज कमांड, स्पेशल ऑपरेशंस कमांड और ऑस्ट्रेलियाई सेना की दूसरी डिवीजन के नेतृत्व से मुलाकात की। इन वार्ताओं में बल की तत्परता, परिचालन सिद्धांतों और प्रशिक्षण पद्धतियों पर विच. ारों का आदान-प्रदान हुआ। द्विपक्षीय सेना अभ्यास 'आस्ट्राहिन्द' पर विशेष चर्चा हुई और दोनों पक्षों ने इस वर्ष भारत में होने वाले इसके आगामी संस्करण को और समृद्ध बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कैनबरा में जनरल द्विवेदी को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट के साथ विस्तृत चर्चा की। वर्ष 2015 में अमेरिकी आर्मी वॉर कॉलेज के सहपाठी होने के अपने साझा अनुभव के आधार पर दोनों सेना प्रमुखों ने संस्थागत संबंधों को और मजबूत करने तथा सहयोग के नए आयाम विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल मुख्यालय में आयोजित व्यापक गोलमेज चर्चा में सैन्य आधुनिकीकरण, उभरती प्रौद्योगिकियों और भविष्य के परिचालन परिवेश से संबंधित विषयों पर विचार किया गया।

■ यात्रा के दौरान जनरल द्विवेदी ने ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ व्यापक बातचीत की

बीएलए ने पकड़े गए पाक सैनिक को मार देने की धमकी दी

बीएलए ने कुछ तस्वीरें व वीडियो जारी कर दावा किया था कि उसने सात पाक सैनिकों को पकड़ लिया है

क्वेटा। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान सरकार को चेतावनी दी है कि यदि 21 फरवरी के बाद उसके लड़ाकों को रिहा करने के लिए बातचीत शुरू नहीं हुई, तो वह अपनी हिरासत में लिए गए पाकिस्तानी सैनिकों को मार देगा। गौरतलब है कि बीएलए ने कुछ तस्वीरें और वीडियो जारी कर दावा किया था कि उसने सात पाकिस्तानी सैनिकों को पकड़ लिया है।

इस समूह ने सात दिन की समयसीमा देते हुए मांग की है कि पकड़े गए सैनिकों के बदले हिरासत में लिए गए उसके लड़ाकों को रिहा किया जाए। पाकिस्तानी सेना ने हालांकि इन दावों को खारिज कर दिया था। उनकी ओर से यह तर्क दिया गया कि वीडियो में दिखने वाले लोग पाकिस्तानी सैनिक नहीं हैं और वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है। बीएलए की ओर से इसके बाद जारी एक नए वीडियो में, सातों बंदी एक साथ नजर आ रहे हैं और वे अपने आधिकारिक 'आर्मी सर्विस कार्ड' दिखा रहे हैं। उनमें से एक, सिपाही मोहम्मद शहराम,

■ पाकिस्तानी सेना ने हालांकि इन दावों को खारिज कर दिया था

अपने सैन्य पहचान पत्र और राष्ट्रीय पहचान पत्र को हाथ में लेकर बोल रहा है। बेहद परेशान दिख रहे शहराम ने सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा किए जा रहे इन्कार पर सवाल उठाया। उसने पूछा कि अगर ए कार्ड असली नहीं हैं, तो इन्हें किसने जारी किया? अगर हम सेना के नहीं हैं, तो हमारी भर्ती क्यों की गई थी? उसने कहा कि वह अपने परिवार का सबसे बड़ा बेटा है और उसके पिता विकलांग हैं जो उसी पर निर्भर हैं। बीएलए ने दो अन्य व्यक्तियों के वीडियो भी जारी किए हैं, जिनकी पहचान खैबर पख्तूनख्वा के बुनेर गांव के दीदार उल्लाह और गुजरांवाला के उस्मान के रूप में हुई है। दोनों ने अपने पहचान पत्र दिखाए और पुष्टि की कि वे पाकिस्तान सेना के सेवारत सदस्य हैं। सशस्त्र समूह की चेतावनी 21 फरवरी को समाप्त होने वाली है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से धमकी दी है कि अगर पाकिस्तान न तो बातचीत करता है और न ही औपचारिक रूप से उन्हें स्वीकार करता है, तो बंदियों को मार दिया जाएगा। इस पूरी घटना ने 1999 के कारगिल युद्ध की यादें ताजा कर दी हैं, जब जनरल परवेज मुशर्रफ के नेतृत्व में पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व ने शुरुआत में यह मानने से इनकार कर दिया था कि उनके नियमित सैनिक नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार काम कर रहे थे। उस समय, युद्ध के मैदान के सबूतों और बरामद शवों ने आधिकारिक बयानों को गलत साबित कर दिया था, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की किरकिरी हुई थी।

आसिम मुनीर मेरे बॉस नहीं: पाक रक्षा मंत्री

ख्वाजा आसिफ ने कहा: सेना अब सरकार नहीं चलाती, इतिहास में दखल था, अब सिस्टम अलग है

म्यूनिख। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि फील्ड मार्शल आसिम मुनीर उनके बास नहीं हैं। उन्होंने साफ किया कि उनके बास प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं। फ्रांस 24 इंग्लिश को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया था कि क्या आसिम मुनीर ही पाकिस्तान की सरकार चला रहे हैं।

उन्होंने माना कि अतीत में सेना ने सीधे शासन संभाला था। आसिफ ने कहा, पाकिस्तान का एक सिस्टम है। हमारे इतिहास में ऐसे दौर रहे हैं, जब सेना का सरकार पर नियंत्रण रहा। एक समय ऐसा भी था जब सेना ने दखल देकर सत्ता की बागडोर अपने हाथ में ले ली थी। उन्होंने कहा कि इस समय पाकिस्तान अफगानिस्तान से खतरे, आतंकवाद, भारत के साथ तनाव और कमजोर अर्थव्यवस्था जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे हालात में पाकिस्तानी सेना सरकार का समर्थन कर रही है। ख्वाजा आसिफ म्यूनिख सिक्योरिटी कांउंसिल में हिस्सा लेने के लिए जर्मनी गए थे। इस दौरान उन्होंने फ्रांस 24 को इंटरव्यू दिया। ख्वाजा आसिफ ने इससे पहले पिछले साल दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि पाकिस्तान में सरकार और सेना मिलकर देश चलाते हैं। आसिफ ने कहा था कि पाकिस्तान को हाइब्रिड मॉडल से चलाया जा रहा है। आसिफ पहले भी कई बार हाइब्रिड मॉडल की तारीफ कर चुके हैं। अरब न्यूज को दिए एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान का पालिटिकल सिस्टम आदर्श लोकतंत्र नहीं, लेकिन जरूरी है। उन्होंने कहा था कि यह मॉडल पाकिस्तान की आर्थिक और शासन की समस्याओं को हल करने में 'कमाल' कर रहा है। ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ प्राक्सी वार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और काबुल की सोच एक जैसी है। आसिफ ने कहा जरूरत पड़ी, तो पाकिस्तान अफगानिस्तान में दोबारा कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान की ओर से शांति की कोई ठोस गारंटी नहीं मिलती है, तो पाकिस्तान वहां नए हमले करने से पीछे नहीं हटेगा। आसिफ ने यह भी कहा कि भारत के साथ युद्ध की संभावना अभी भी खत्म नहीं हुई है। इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद में हाल ही में हुए बम धमाके का जिक्र करते हुए आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान में लगभग सभी बड़े आतंकी संगठनों की मौजूदगी है।

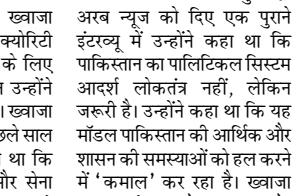

■ फ्रांस 24 इंग्लिश को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया था कि क्या आसिम मुनीर ही पाक की सरकार चला रहे हैं

अफगान में पत्नियों व बच्चों की पिटाई की अनुमति देने वाला कानून लागू

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का नया कानून पत्नियों और अपने बच्चों की पिटाई की अनुमति देता है बशर्ते कि इस पिटाई के कारण हड्डियां नहीं टूटें और खुले जख्म नहीं हों। 'दे महाकुमु जज़ाई उसूलनामा' नामक 90 पन्नों के इस आपराधिक प्रक्रिया संहिता को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा ने मंजूरी दी है।

दस अध्यायों और 119 अनुच्छेदों वाले इस दस्तावेज़ में घरेलू हिंसा को कुछ खास शर्तों के साथ वैध करार दिया गया है। संहिता के अनुच्छेद 32 के तहत पतियों को पिटाई करने की इजाजत है, जबकि अनुच्छेद 34 के अनुसार एक शादीशुदा औरत को अपने शौहर की इजाजत के बिना माता-पिता के घर जाने पर तीन महीने तक की जेल हो सकती है। यह नया कानून अफगान समाज को चार श्रेणियों में बांटता है जिसमें सजा का मात्रा, अपराध की गंभीरता के बजाय अपराधी की सामाजिक स्थिति के आधार पर तय होगी। सबसे ऊपरी श्रेणी में मौलाना या धार्मिक उपदेशक हैं जिन्हें शारीरिक दंड से छूट है और उनके लिए अधिकतम सजा केवल सलाह या चेता. वनी भर है। दूसरे पायदान पर कबायली बुजुर्ग हैं जिन्हें केवल अदालती समन और सलाह देने की सजा है। मध्य वर्ग तीसरी श्रेणी में है जिन्हें मानक कारावास का सामना करना पड़ सकता है, जबकि चौथी श्रेणी यानी निचले वर्ग के लोगों को कारावास के साथ-साथ सार्वजनिक रूप से कोड़े मारने जैसे शारीरिक दंड दिए जा सकते हैं।

■ यह नया कानून अफगान समाज को चार श्रेणियों में बांटता है

ब्रिटेन ने अमेरिका को एयरबेस देने से किया इन्कार

फैसले से डोनाल्ड ट्रम्प नाराज, रिपोर्ट: यूएस एयरबेस से ईरान पर हमला करना चाहता है

लंदन। ब्रिटेन ने अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिए अपने एयरबेस देने से मना कर दिया है। अमेरिका इन सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करना चाहता था, लेकिन ब्रिटेन ने इन्कार कर दिया। डेली मेल की रिपोर्ट के मुता. बिक, ब्रिटेन के इस फैसले से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नाराज हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के उस समझौते से समर्थन वापस ले लिया है, जिसमें चागोस द्वीप समूह को मारीशस को सौंपने की बात थी।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ईरान पर हमले की तैयारी कर रहा है। इसके लिए वह डिएगो गार्सिया और ब्रिटेन के आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस का इस्तेमाल करना चाहता है। डिएगो गार्सिया, चागोस द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप है। 1970 के दशक से यह ब्रिटेन और अमेरिका का साझा सैन्य अड्डा रहा है। दरअसल पुराने समझौतों के मुताबिक, ब्रिटेन के किसी भी सैन्य ठिकाने का इस्तेमाल तभी हो सकता है, जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री इसकी मंजूरी दें। अंतर्राष्ट्रीय कानून भी कहता है कि अगर कोई देश जानता है कि सैन्य कार्रवाई गलत है और फिर भी मदद करता है, तो उसे भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। ट्रम्प ने चागोस आइलैंड्स को लेकर ब्रिटेन की आलोचना की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर गुरुवार को लिखा कि 100 साल की लीज किसी देश के मामले में ठीक फैसला नहीं है। डिएगो गार्सिया जैसा ठिकाना छोड़ना बहुत बड़ी गलती होगी। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान, अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता, तो अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद डिएगो गार्सिया और फेयरफोर्ड के एयरफील्ड का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। ऐसे में इन ठिकानों का कंट्रोल बेहद जरूरी है। वहीं ब्रिटिश सरकार का कहना है कि मारीशस के साथ समझौता सुरक्षा कारणों से जरूरी है। उनका तर्क है कि इससे लंबे और महंगे कानूनी विवाद से बचा जा सकेगा। बताया जा रहा है कि इस पूरे समझौते पर करीब 35 बिलियन पाउंड (4 हजार अरब रुपये से ज्यादा) का खर्च आ सकता है। डिएगो गार्सिया, हिंद महासागर में स्थित चागोस आइलैंड्स का हिस्सा है। ब्रिटेन ने 1814 में नेपोलियन को हराने के बाद इन आइलैंड्स पर कब्जा किया था।

■ 1970 के दशक से यह ब्रिटेन और अमेरिका का साझा सैन्य अड्डा रहा है